THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 247 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.13 2082 बुधवार, 3 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

लोकतंत्र में किसी भी चीज को अनिवार्य बनाना परेशान करने वाला : शशि थरूर

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मोबाइल हैंडसेट में संचार साथी ऐप को अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के केंद्र सरकार के फैसले से कांग्रेस सांसद शशि थरूर नाराज हो गए हैं। शशि थरूर ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये ऐप उपयोगी हो सकते हैं, बशर्ते वे स्वैच्छिक हों। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे का पूरी तरह से अध्ययन नहीं किया है। सामान्य ज्ञान मुझे बताता है कि ये ऐप्स उपयोगी हो सकते हैं, बशर्ते ये स्वैच्छिक हों। जिन लोगों को इनकी जरूरत है, उन्हें इन्हें डाउनलोड करने की सुविधा मिलनी चाहिए।

8 दिसंबर को 'वंदे मातरम' पर चर्चा

> पीएम मोदी करेंगे शुरूआत, एसआईआर पर 9 और 10 को होगा मंथन

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ और मंगलवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक और कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान, सोमवार 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर और मंगलवार 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

8 दिसंबर को 'वंदे मातरम' पर चर्चा :

बिजनेस एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में तय हुआ कि 8 दिसंबर को लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस ऐतिहासिक चर्चा की शुरूआत प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी करेंगे। माना जा रहा है कि इस बहस में राष्ट्रगीत के इतिहास, महत्व और आधुनिक भारत में उसकी भूमिका पर बात होगी।

बिना व्यवधान के सत्र चलाने पर सहमति :

वहीं संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में कल से कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के चलाने पर भी सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कमरे में हुई फ्लोर लीडर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान कई दलों ने सदन की कार्यवाही को नियमित और गंभीर विषयों पर केंद्रित रखने पर सहमति जताई।

9 और 10 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा :

वहीं यह भी तय हुआ कि 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, जिसके लिए 10 घंटे का समय दिया गया है। इस पर सरकार और विपक्ष दोनों अपनी राय रखेंगे। चर्चा पूरी होने के बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल 10 दिसंबर को सरकार की ओर से जवाब देंगे।

एक दिसंबर से शुरू हुआ संसद का शीतकालीन सत्र :

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा। लोकसभा में पहले दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। यह सत्र कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अहम माना जा रहा है और सभी दलों के सहयोग से इसे सुचारु रूप से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है।

तेलंगाना में पवन कल्याण की फिल्मों की रिलीज रोकी जा सकती है : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को चेतावनी दी कि आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण अपने आपत्तिजनक बयानों के लिए तेलंगाना की जनता से बिना शर्त माफी मांगें, अन्यथा उनकी फिल्मों को राज्य में रिलीज करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यह विवाद तब बढ़ गया जब पवन कल्याण ने हाल ही में कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन का असर कोनसीमा के विकास पर नकारात्मक पड़ा है।

इस बयान ने विभिन्न समूहों में भारी नाराजगी पैदा की। मंत्री कोमटिरेड्डी ने इसे अपमानजनक टिप्पणी करार देते हुए कहा कि

संयुक्त आंध्र प्रदेश के समय हैदराबाद से मिलने वाले राजस्व से विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम और तिरुपति का विकास हुआ, जबकि तेलंगाना को उपेक्षा झेलनी पड़ी। गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह तेलंगाना की कोई बुरी नजर नहीं थी। हमारे लोगों ने 60 साल तक फ्लोराइड युक्त पानी पिया और हमारे पानी, फंड और नौकरियों को आंध्र नेताओं द्वारा छीना गया। उन्होंने नाराजगी जताई कि राज्य गठन के 11 साल बाद भी ऐसे बयान लोगों की भावनाओं को आहत कर रहे हैं। कोमटिरेड्डी ने कहा कि अगर पवन कल्याण माफी मांगते हैं, तो उनके फिल्में निजाम क्षेत्र में कुछ दिनों के लिए दिखाई जा सकती हैं।

लेकिन अगर वह माफी नहीं मांगतें, तो उनकी कोई भी फिल्म यहां रिलीज नहीं होने दी जाएगी। वहीं जडचेरला के विधायक जे. अनिरुद्ध रेड्डी (जो स्वयं पवन कल्याण के प्रशंसक हैं) ने भी उनके बयान की आलोचना की और कहा कि उन्हें अपनी टिप्पणी वापस लेकर तेलंगाना की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस के पुराने मुद्दे क्यों उठा रही सरकार?

मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताई अंदर की बात

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने एक बार फिर 'नेशनल हेराल्ड' मामले को लेकर मोदी सरकार पर जमकर बोला है। मामले में नई एफआईआर के दर्ज होने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि न्यायपालिका इस 'राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न के प्रयासों' पर इंसाफ करेगी।

ईडी पर खत्म हो गए नए मामले :

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि 12 साल बाद अचानक कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाने वाले पुराने मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नई प्राथमिकी दर्ज की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि मोदी सरकार और ईडी के पास ताजा आरोप खत्म हो गए हैं।

बीजेपी कर रही ये प्रयास :

उन्होंने आगे कहा कि जब तथ्य कम हो गए, तो नाटकबाजी शुरू हो गई। चुनिंदा ढंग से अभियोजन, फिर से पुराने आरोप लगाने और विरोधियों को कठघरे में रखने का एक परोक्ष प्रयास किया जा रहा है। हमें विश्वास है कि न्यायपालिका इस राजनीतिक प्रतिशोध और उत्पीड़न के नासमझ प्रयासों को लेकर न्याय करेगी।

'आज से सुचारू रूप से चलेगी लोकसभा'

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में कल से कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के चलाने पर सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कमरे में हुई फ्लोर लीडर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान कई दलों ने सदन की कार्यवाही को नियमित और गंभीर विषयों पर केंद्रित रखने पर सहमति जताई।

'फौज के लीडर्स पर जुल्म किया जा रहा है'

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सोमवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन एक कुत्ते को कार में लेकर संसद परिसर पहुंचीं रेणुका चौधरी ने अब एक और विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि फौज के लीडर्स पर जुल्म किया जा रहा है, उन्हें जबरदस्ती सरकार के समर्थन में बयान देना पड़ रहा है। रेणुका चौधरी ने मंगलवार को कहा, सबसे भयानक परिस्थिति ये है कि फौज के लीडर्स पहली बार बाहर आकर मीडिया में बोल रहे हैं। उनपर जुल्म किया जा रहा है, जबरदस्ती उनको बाहर आकर सरकार के समर्थन में बयान देना पड़ रहा है। बहुत खतरनाक है, पहले वहां जाकर देख लीजिए।

हालांकि जब रेणुका के इस बयान पर विवाद बढ़ा तो उन्होंने थोड़ी देर बाद ही यू-टर्न लेने वाला बयान दे दिया। रेणुका चौधरी ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि किसी ने आर्मी ऑफिसर्स पर दबाव डाला। रेणुका चौधरी ने कहा, मैं एक फौजी बेटी हूं, मेरे पिताजी फौज में थे, हमारे परिवार से कई लोग फौज में रहे, तो मैं जो कहती हूं। आप सोच समझकर मुझसे सवाल करिए। मैंने ये नहीं कहा कि किसी ए,बी,सी ने उन्हें प्रेशर किया।कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, मैंने कहा कि आर्मी को कभी मीडिया के सामने आना भी नहीं है, वह हमारी शान हैं, वह कुर्बान होते हैं अपने देश के लिए शहीद हो जाते हैं। वह इस देश की रीड की हड्डी हैं, उनसे प्लीज खिलवाड़ मत कीजिए। रेणुका चौधरी ने कहा, मैं इस मुद्दे पर बोलना भी नहीं चाहती हूं।

राज्यसभा में उठा आंगनवाड़ी रसोई आधुनिकीकरण

> भोजपुरी एकेडमी का मुद्दा, वायु प्रदूषण पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान सांसदों ने आंगनवाड़ी रसोई के आधुनिकीकरण और भोजपुरी साहित्य एकेडमी बनाने से लेकर बढ़ते वायु प्रदूषण संकट तक के मुद्दे उठाए। भाजपा सांसद रेखा शर्मा ने आंगनवाड़ी पोषण रसोई के आधुनिकीकरण के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाने की मांग की। जिसमें स्टील के बर्तन और खाना स्टोर करने की जगह, साफ काउंटर, पीने का साफ पानी और साफ वातावरण की व्यवस्था जैसे अपग्रेड का प्रस्ताव दिया।

आंगनवाड़ी नेटवर्क को अपग्रेड करने की मांग :

आंगनवाड़ी नेटवर्क को भारत की प्रमुख सामाजिक कल्याण उपलब्धियों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि आज की जरूरतों को पूरा करने के लिए पोषण रसोई को आधुनिक बनाने की जरूरत है। शर्मा ने बाजरे से बने पोषण मेन्यू के महत्व पर जोर दिया और जिन राज्यों ने अभी तक यह तरीका नहीं अपनाया है, उनसे इसे लागू करने की अपील की। उन्होंने खाना सप्लाई करने के लिए सेल्फ-हेल्प ग्रुप (एसएचजी) को जोड़ने और आंगनवाड़ियों की डिजिटल मॉनिटरिंग और ग्रोथ ट्रैकिंग सिस्टम को मजबूत करने की भी मांग की।

उत्तर प्रदेश में भोजपुरी एकेडमी बनाने की मांग :

कुंवर रतनजीत प्रताप नारायण ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर और देवरिया जिलों में एक केंद्रीय भोजपुरी साहित्य अकादमी बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे सीमांचल, मिथिला और नेपाल के साहित्यकारों और कलाकारों को एक प्लेटफॉर्म मिलेगा और भाषा को खत्म होने से बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली, बिहार और मध्य प्रदेश में भोजपुरी अकादमी चल रही हैं। उत्तर प्रदेश, जिसे भोजपुरी भाषा का गढ़ माना जाता है, में ऐसी कोई अकादमी नहीं है।

'घुसपैठियों के लिए भी रेड कार्पेट चाहते हैं'

रोहिंग्याओं को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। दरअसल, याचिका में कुछ रोहिंग्या शरणार्थियों के लापता होने को लेकर चिंता जाहिर की गई थी और इस मामले में केंद्र को निर्देश देने की अपील की गई। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने मामले में सुनवाई को टाल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तीखी टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ताओं से कहा, आप जानते हैं वे घुसपैठिए हैं। भारत के उत्तरी बॉर्डर बहुत संवेदनशील हैं। आप जानते हैं कि देश में क्या हो रहा है। अगर कोई यहां गैरकानूनी ढंग से आया है, तब भी आप उनके लिए रेड कार्पेट चाहते हैं। वे सुरंगों के जरिए घुसते हैं और फिर आपके खाने, निवास के अधिकारी, बच्चों की शिक्षा, आदि के अधिकारी, हो जाते हैं। क्या हम कानून का दायरा इस तरह खींचना चाहते हैं? ऐसे मामलों में बंदी प्रत्यक्षीकरण (हीबस कॉर्पस) जैसी मांगें करना काफी काल्पनिक बात है।

मोदी सरकार का ऐतिहासिक फैसला

पीएमओ का नया नाम 'सेवातीर्थ'

> देश में राजभवनों का नाम लोकभवन

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल गया है। अब पीएमओ को 'सेवा तीर्थ' के नाम से जाना जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय सचिवालय के नाम में भी बदलाव किया गया है। सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन होगा। इससे साथ ही केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का एलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया है। वहीं प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है।

वहीं उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत देश के 8 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने अपने राजभवनों के नाम में बदलाव किया है। यह बदलाव गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक निर्देश के बाद किए गए हैं। मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा है कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है।

गृह मंत्रालय का पत्र

राज्यों के गवर्नर और केंद्र शासित प्रदेशों के लेफ्टिनेंट गवर्नर के मुख्य सचिव या सचिव को लिखे एक पत्र में गृह मंत्रालय ने पिछले साल हुई गवर्नर की कॉन्फ्रेंस में दिए गए सुझाव का जिक्र किया है। जिसमें राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन कर दिया जाए क्योंकि राजभवन शब्द से कॉलोनियलिज़्म को दर्शाता है। गृह मंत्रालय के निर्देश में कहा गया है, इसलिए यह गुजारिश की जाती है कि सभी आधिकारिक कामों के लिए राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यालयों का नाम 'लोकभवन' और 'लोक निवास' रखा जाए।

इन राज्यों ने बदले अपने राज भवनों के नाम :

गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने कार्यालयों से 'राज' शब्द हटाना शुरू कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा ने 'राजभवन' का नाम बदलकर 'लोकभवन' कर दिया है। लद्दाख के राज निवास का नाम बदलकर 'लोक निवास' कर दिया गया है। इस सूची में एक और राज्य जुड़ गया है। राजस्थान ने भी राजभवन का नाम बदलने का एलान कर दिया है।

पूर्व सीएम येदियुरप्पा को बड़ी राहत, पॉक्सो मामले में ट्रायल पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे पोक्सो मामले में सुनवाई पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बीएस येदियुरप्पा की याचिका पर राज्य सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने येदियुरप्पा की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया, जिसमें कर्नाटक हाई कोर्ट के मामले को रद्द करने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी गई है।

अदालत ने महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया :

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, नोटिस जारी करें। इस बीच, ट्रायल पर रोक रहेगी। पीठ ने कहा कि नोटिस मुख्य रूप से मामले को हाई कोर्ट को वापस भेजने पर विचार करने के लिए जारी किया जा रहा है। येदियुरप्पा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया और उन बयानों पर विचार नहीं किया, जिनसे पता चलता है कि कथित घटना के दौरान ऐसा कुछ नहीं हुआ। लूथरा ने कहा, कुछ बयान ऐसे होते हैं जिन्हें अभियोजन पक्ष दबा देता है। उच्च न्यायालय ने तथ्यों को नजरअंदाज किया। वह चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान पर पड़ा आर्थिक दबाव अभियान अभी भी जारी' : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सुरक्षाबलों की कार्रवाई से पाकिस्तान को हुए नुकसान का विस्तृत ब्योरा साझा किया।

नेवी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना के आक्रामक रवैये से पाकिस्तानी नौसेना को अपने बंदरगाहों के करीब रहने को ही मजबूत होना पड़ा। अपनी सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि मई में भारत की

तरफ से शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और नौसेना ने तब से लेकर अब तक अभियानगत तैयारी जारी रखी है। पाकिस्तान से तनाव के बीच नौसेना की निगरानी पश्चिमी अरब सागर क्षेत्र तक बढ़ी है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना की आक्रामक रणनीति और कैरियर बैटल ग्रुप की तुरंत तैनाती से पाकिस्तानी नौसेना मकरान तट पर अपने बंदरगाहों के पास ही रहने को मजबूत हो गई थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव बढ़ा है, क्योंकि बड़ी संख्या में व्यापारी पोत इस देश में जाने से बच रहे हैं। साथ ही पाकिस्तान जाने वाले पोतों की बीमा की राशि भी बढ़ी है।

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली दंगे पर सुनवाई

गुलफिशा फातिमा बोलीं-सत्ता बदलने की साजिश का दावा चार्जशीट में नहीं

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगे से जुड़े मुकदमे पर सुनवाई के दौरान गुलफिशा फातिमा ने अपनी दलील में कहा, 'रिजीम चेंज ऑपरेशन' का दावा दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में शामिल नहीं है। फरवरी 2020 के दंगों के मामले में जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कार्यकर्ता गुलफिशा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, आरोपी लगभग छह साल जेल में बिता चुकी हैं। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच के समक्ष सुनवाई के दौरान सिंघवी ने कहा, ट्रायल में देरी हैरान करने वाला है। उन्होंने कहा कि ये काफी हैरान करने वाला मामला है और उनकी स्मृति में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। एक्टिविस्ट गुलफिशा फातिमा ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा, दिल्ली पुलिस ने जिस कोऑर्डिनेटेड 'रिजीम चेंज ऑपरेशन' यानी सत्ता बदलने की साजिश किए जाने का दावा किया है, इसका चार्जशीट में कोई जिक्र नहीं है।

रेणुका चौधरी के संसद परिसर में कुत्ता लाने पर विवाद

राहुल गांधी बोले-बेचारे कुत्तों की क्या गलती?

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। इस बीच सरकार और विपक्षी दलों के बीच कई सारे मुद्दों पर जोरदार बहस भी हुई।

हालांकि दूसरी तरह संसद में उस समय हलचल मच गई जब कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी एक छोटे कुत्ते को लेकर संसद परिसर पहुंच गईं। इस घटना पर जब विवाद शुरू हुआ तो लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मामले को हल्के अंदाज में लेते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज के समय में कुत्ता ही मुख्य चर्चा का विषय बन गया है। बेचारे कुत्ते ने क्या किया? क्या कुत्तों को यहां आने की इजाजत नहीं है? राहुल गांधी ने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि शायद पालतू जानवरों को अंदर आने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज भारत में इन्हीं सभी मुद्दों पर बातचीत हो रही है। बता दें कि ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब संसद में

शीतकालीन सत्र के शुरूआत के पहले दिन कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंच गईं। राहुल गांधी के अलावा खुद रेणुका चौधरी ने भी इस पूरे मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। जब उनसे इस पूरे मामले में सवाल पूछा गया तब उन्होंने कहा कि संसद आते समय रास्ते में एक स्कूटर और कार की टक्कर देखी और वहीं सड़क पर एक पिल्ला भटकता हुआ मिला। उन्हें लगा कि वह दुर्घटना का शिकार हो सकता है, इसलिए उन्होंने उसे कार में बैठाया और संसद परिसर तक लाई। रेणुका चौधरी ने कहा कि मैंने उसे सुरक्षित घर भिजवा दिया। कुत्ता भी चला गया और कार भी। तो इस पर इतना बड़ा विवाद क्यों?

इस दौरान कांग्रेस सांसद चौधरी ने केंद्र सरकार पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि असली काटने वाले तो संसद में बैठे हैं, जो सरकार चलाते हैं। हम एक बेजुबान जानवर की मदद करते हैं तो यह बड़ा मुद्दा बन जाता है।

'सीबीआई जांच का आदेश वापस लें एसआईटी जांच को मंजूरी दें'

✲ तमिलनाडु सरकार की सुप्रीम कोर्ट से अपील

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह करूर भगदड़ मामले में दिए गए सीबीआई जांच के आदेश को वापस ले ले और मद्रास हाईकोर्ट की तरफ से गठित एसआईटी जांच को जारी रखने की अनुमति दे। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर के अपने आदेश में करूर हादसे की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दे दिया था।

उसने यह फैसला अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी (तमिलगा वेत्रि कझगम) टीवीके की याचिका पर दिया था। बता दें कि करूर में विजय की रैली के दौरान भगदड़ मच गई थी और इसमें 41 लोगों की मौत हुई थी और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। अब तमिलनाडु सरकार ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपने जवाब में कहा है कि स्थानीय पुलिस और विशेष जांच टीम (एसआईटी) निष्पक्ष, विस्तृत जांच करने में पूरी तरह सक्षम हैं, और ऐसी कोई असाधारण स्थिति भी नहीं है, जिससे केंद्रीय एजेंसी के दखल की जरूरत हो।

तमिलनाडु सरकार का कहना है कि करूर जिला प्रशासन और पुलिस पर लापरवाही के आरोप पूरी तरह आधारहीन और निराधार हैं। रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि प्रशासन और पुलिस ने बेहद सतर्कता, दूरदर्शिता और सभी कानूनी और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए काम किया। सरकार ने कहा कि 606 पुलिसकर्मियों और होमगाड्र्स की तैनाती के साथ एक व्यापक योजना लागू की गई थी, जिसकी निगरानी आईजी (सेंट्रल जोन) और करूर के पुलिस अधीक्षक जैसे वरिष्ठ अधिकारियों ने की। स्थल चयन, प्रवेश मार्ग, चिकित्सा तैयारी और यातायात प्रबंधन सभी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के तहत थे।

सीबीआई को जांच सौंपते हुए क्या बोला था सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना को राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली बताते हुए निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई को जांच सौंपी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने उस दौरान हाईकोर्ट की ओर से गठित एसआईटी और एक-सदस्यीय जांच आयोग की नियुक्ति पर रोक लगा दी थी। साथ ही तमिलनाडु सरकार को केंद्रीय एजेंसी के साथ पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया था। अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एन सेंथिलकुमार की भी आलोचना की थी कि उन्होंने टीवीके और उसके सदस्यों को पक्षकार बनाए बिना उनके खिलाफ टिप्पणियां कीं।

बीड़ बिलिंग में हादसा: पैराग्लाइडिंग टेक ऑफ साइट के पास कार खाई में गिरी, दो युवकों की मौत, दो घायल

बैजनाथ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। (कांगड़ा)विश्वप्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग स्थल बीड़ बिलिंग में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हैं। जानकारी अनुसार लगभग 12:00 बजे पैराग्लाइडिंग टेक ऑफ साइट के समीप एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

दो युवक गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। मृतक और घायल युवक गगरेट, ऐहजू, भवारना और पंचरुखी क्षेत्रों के रहने वाले बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को खाई से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बंगाल में मतदाता सूची पर बवाल

'मृतकों के नाम बचाने की ताक में सीएम ममता की सरकार', टीएमसी पर भाजपा के गंभीर आरोप

शुभेंदु अधिकारी और ममता बनर्जी (फाइल)

कोलकाता, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। हालांकि दूसरी ओर राज्य में चल रहे मतदात सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चर्चा तेज है। इसी बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्षी नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को राज्य प्रशासन पर आरोप लगाया है। अधिकारी ने कहा कि राज्य प्रशासन मृतक मतदाताओं के नामों को चुनावी सूची में बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि यह आरोप राज्य में चल रहे मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान लगाया गया है।

अधिकारी का कहना है कि इसमें सरकारी अफसरों और स्थानीय दबंगों का भी सहयोग हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा नेता ने पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में खराब संकेत देखते हुए यह सुनिश्चित कर रही हैं कि मृतक मतदाताओं के नाम हटाए न जाएं, ताकि चुनाव में उनका दुरुपयोग किया जा सके।

शुभेंदु अधिकारी ने साझा किया वीडियो

भाजपा नेता ने दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा इलाके के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) का एक ऑडियो क्लिप भी साझा किया। इस ऑडियो में बीएलओ ने कथित तौर पर बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों ने बीएलओएस को निर्देश दिया कि किसी भी मृतक व्यक्ति के नाम को उनके डेथ सर्टिफिकेट के बिना मतदाता सूची से न हटाया जाए। अधिकारी ने कहा कि ऑडियो में यह भी दावा किया गया कि फाल्टा के बीडीओ और एआरओ ने रविवार को सभी बीएलओ को बुलाकर कहा कि भले ही परिवार वालों ने मृतक का साइन किया हुआ डिक्लेरेशन दिया हो, तब भी नाम न हटाएं। इसके अलावा बीएलओ को निर्देश दिया गया कि डिक्लेरेशन फॉर्म अपलोड न करें और ऐसे मामलों को अनमैप्ड छोड़ दें, जिससे बाद में हेरफेर की गुंजाइश रहे।

परिवारों को धमका रहे स्थानीय दबंग लोग- शुभेंदु

शुभेंदु अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय दबंग लोग परिवारों को धमका रहे हैं कि वे बीएलओ को मृतक का सर्टिफिकेट न दें, जिससे सूची में मृतक मतदाता बने रहें। अधिकारी ने बीएलओ और आम जनता से अपील की कि दबाव में न आएं, चुनाव आयोग की मदद करें और कानून का पालन करें। उन्होंने चेतावनी भी दी कि टीएमसी से जुड़े बीडीओ और एआरओ को सावधान रहना चाहिए, अन्यथा उन्हें परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। अंत में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा इस मामले पर कड़ी नजर रख रही है और चुनाव आयोग से अपील की कि आरोपों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

टीएमसी ने किया पलटवार

दूसरी ओर भाजपा नेता के इन आरोपों पर टीएमसी के राज्य उपाध्यक्ष और प्रवक्ता जय प्रकाश मजूमदार ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि शुभेंदु अधिकारी नियमों को जाने बिना इस मामले को राजनीति की भेंट चढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी मतदाता का नाम सिर्फ मृत्युपत्र के बिना नहीं हटाया जा सकता। किसी रिश्तेदार के सिग्नेचर के आधार पर नाम नहीं हटाया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार ही पूरी की जा रही है।

विवाहिता ने की आत्महत्या पति की लाइसेंसी पिस्तौल से मारी गोली

फतेहाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। फतेहाबाद में उपमंडल टोहाना के गांव खनोरी में एक 26 वर्षीय विवाहिता ने सोमवार देर रात अपने पति की लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान हरदीप कौर पत्नी गुरप्यार सिंह के रूप में हुई है। आत्महत्या के सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, करीब 10-11 बजे हरदीप कौर अपने कमरे में अकेली थीं।

अचानक गोली चलने की तेज आवाज आई। परिजन दौड़े तो हरदीप कौर खून से लथपथ हालत में पड़ी मिलीं। गोली उनके सिर में लगी थी और मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने तुरंत सदर पुलिस थाना को सूचना दी।सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर शादी राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए टोहाना के नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर बड़ा अपडेट

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, वोटिंग की तारीख बदली

महाराष्ट्र निकाय चुनाव का रिजल्ट 21 दिसंबर को

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने वोटिंग वाले दिन बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी चुनावों की मतगणना अब 21 दिसंबर को होगी। इस फैसले से महाराष्ट्र चुनाव आयोग को करारा झटका लगा है। आज हुए मतदान के नतीजे कल यानी 3 दिसंबर को आने थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा बल्कि नतीजे 21 दिसंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में आज स्थानीय निकाय चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। इस दौरान कई गड़बड़ियां सामने आई हैं। भगुर नगर परिषद चुनाव में भाजपा की शीतल शेटे का नाम उम्मीदवारों की सूची से गायब दिखा, जिससे अधिकारियों और मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। शिल्लोड के एक मतदान केंद्र पर ढीले तार कनेक्शन के कारण एक ईवीएम मशीन ठप हो गई। पीठासीन अधिकारी ने पुष्टि की कि ढीले तारों के कारण तकनीकी खराबी आई थी, जिसे अब ठीक कर दिया गया है। इस चुनाव में महायुति बनाम महाविकास अघाड़ी के बीच कड़ी टक्कर है।

ये महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव का पहला चरण है। यह मुकाबला विधानसभा चुनाव के एक वर्ष बाद फ्रेंडली फाइट, गठबंधन में तनाव और कानूनी उलझनों के बीच हो रहा है। लगभग एक करोड़ मतदाता ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के इस मल्टी लेवल इलेक्शन के पहले फेज में मतदान कर रहे हैं। इन चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अस्पताल में मृतक महिला के कानों से कर्मचारी ने चुरा ली ज्वेलरी, सामने आया वीडियो

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। अस्पताल की महिला कर्मचारी को मरी हुई बुज़ुर्ग महिला के शरीर से गहने चुराते हुए पकड़ा गया। चोरी करते हुए अस्पताल स्टाप की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। महिला को 11 नवंबर को गंभीर हालत में हॉस्पिटल लाया गया था और बाद में उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके के एक अस्पताल का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें बेड पर मृतक महिला के कानो से महिला स्टाफ ज्वेलरी चुराता हुआ दिखाई दे रही है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि बीएनएस के तहत 302(2) की धारा में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

संचार साथी एप: डिलीट कर सकते हैं'

सरकार के एप को स्मार्टफोन में अनिवार्य करने के आदेश पर सिंधिया की सफाई

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा संचार साथी एप को डिलीट किया जा सकता है। यह एप वैसा ही होगा जैसे बाकी एप्स होते हैं। इस एप में रजिस्टर करने की भी जरूरत भी नहीं है। विपक्ष बेवजह इसे मुद्दा बना रही है। यह एप कंपनियों के जरिए अनिवार्य जरूर है लेकिन यह पूरी तरह यूजर पर निर्भर करता है कि वह इस एप को इस्तेमाल करना चाहता है या नहीं। यह एप पूरी तरह से नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा

संसद के बाहर मीडियाकर्मियों के सवाल और विपक्षी दलों के आक्रामक तेवर को लेकर सिंधिया ने कहा, मैं हर भ्रम को तोड़ने की कोशिश कर रहा हूं। ये उपभोक्ता सुरक्षा की बात है। एप आपको डिलीट करना है तो डिलीट कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर आप इस एप का उपयोग नहीं करना चाहते तो मत कीजिए, वो डॉरमेंट रहेगा। आपको डिलीट करना है तो डिलीट कर दो। पर क्या होता है कि देश में हर व्यक्ति को नहीं मालूम। चोरी से बचाने के लिए, धोखाधड़ी से बचाने के लिए ये एप बनाया गया है। इसलिए हर व्यक्ति तक यह एप पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। जब आप रजिस्टर करोगे तभी तो एक्टिव होगा। निरगानी बढ़ाने के प्रयासों को खारिज करते हुए सिंधिया ने कहा, ऐसे आरोप बेबुनियाद हैं।

उन्होंने कहा, यूजर इस एप को बिल्कुल डिलीट कर सकते हैं। जिस तरह दूसरे एप को डिलीट कर सकते हैं, उसी तरह इसे भी डिलीट ऑप्शन दबाकर डिलीट कर सकते हैं। अब सभी भ्रमों को दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। मैंने सभी मुद्दे आपके सामने रख दिए हैं कि संचार साथी एप के जरिए जनता को कितनी सुविधा मिली है। एक साल के अंदर हमारे देश के अंदर करोड़ों के फ्रॉड हुए हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट पर फर्जी वीजा रैकेट का पर्दाफाश

तमिलनाडु से मास्टरमाइंड एजेंट दबोचा

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी एयरपोर्ट यूनिट ने एक इंटरस्टेट नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है जो भारतीय नौकरी के उम्मीदवारों के लिए नकली फ्रेंच डी-टाइप वीज़ा का इंतज़ाम करता था। तमिलनाडु के नमक्कल से एक एजेंट वी। कन्नन वडामलाई (55) को तमिलनाडु में गिरफ्तार किया गया है।

डीसीपी एयरपोर्ट विचित्र वीर ने बताया कि लगातार पूछताछ के दौरान वी। कन्नन ने अपना जुर्म कबूल किया और बताया कि वह परमथी में सरकार से जुड़ी एक आईटीआई चलाता है और वेलूर में "वेट्री ओवरसीज" नाम की एक विदेशी एजुकेशन कंसल्टेंसी भी चलाता है। आगे कहा कि मदुरै के सह-आरोपी एजेंट साथिक सैयद उर्फ अब्दुल हकीम की मदद से, उसने पेरिस में वेयरहाउस की नौकरियों के लिए कम से कम 16 नौकरी के उम्मीदवारों को लालच दिया। एप्लिकेंट्स का इंटरव्यू लेने के बाद नकली वीज़ा का इंतजाम किया गया।

कुछ पैसे बैंक ट्रांसफर से और कुछ कैश से लिए गए। उसके साथी की तलाश जारी है। इसमें शामिल दूसरे लोगों की पहचान करने और ऐसे ही मामलों से उनके लिंक का पता लगाने की भी कोशिश की जा रही है। कार्रवाई के दौरान तमिलनाडु से वी। कन्नन वडामलाई (55), नवीराज सुब्रमण्यम (23), मोहन गांधी एलंगोवन (38) और प्रभाकरन सेंथिलकुमार (28) को पकड़ा है।

महाराष्ट्र में महायुति के बीच बढ़ी दरार

शिंदे गुट के पूर्व एमएलए के घर चुनाव आयोग की रेड, क्या बोले डिप्टी सीएम?

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति के बीच दरार बढ़ती जा रही है। खासकर भारतीय जनता पार्टी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच। महाराष्ट्र नगरपंचायत और नगर पालिका चुनाव के प्रचार के दौरान सबसे पहले सिंधुदुर्ग के मालवण में शिंदे गुट के विधायक निलेश राणे ने भाजपा के पदाधिकारी के घर छापे मारी कर नोटों से भरा बैग पकड़ा, जिसके बाद शिवसेना और भाजपा के बीच तल्खियां और बढ़ गई है। मालवण में निलेश राणे के छापेमारी का मामला शांत भी भी हुआ था कि सांगोला से शिंदे गुट के पूर्व विधायक साह जी बापू पाटिल के दफ्तर में एलसीबी और चुनाव आयोग की टीम ने रेड मारी है। गौर करने वाली बात यह है कि पाटिल के ठिकानों पर छापे मारी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सभा के कुछ घंटे बाद की गई है। इस रेड पर पार्टी के मुखिया और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

सांगोला में पांच पार्टी कार्यालयों पर छापे

चुनाव आयोग ने पुलिस की मदद से सांगोला में पांच पार्टी कार्यालयों पर छापे मारे। इनमें भाजपा, शेकाप , राष्ट्रवादी कांग्रेस और शहर विकास आघाडी के दफ्तर शामिल हैं। शहाजीबापू पाटील के कार्यालय पर पहली छापेमारी के बाद उनके सहयोगी रफीक नादाब के घर पर भी टीम पहुंची। रात 10 बजे शुरू हुई यह छापेमारी सोमवार तड़के खत्म हुई। प्रशासन की ओर से अब तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि छापों में क्या मिला है?

ठिकानों पर छापेमारी गंभीर विषय नहीं : एकनाथ शिंदे

अपने पार्टी के नेता और पूर्व विधायक शाह जी बापू पाटिल के ठिकानों पर हुई रेड पर पार्टी के मुखिया और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया दी है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि शाहजी बापू पाटिल के ऑफिस पर रेड की जांच नियमों के मुताबिक की जाएगी। इसमें कुछ भी सीरियस नहीं है। गौरतलब है कि 4 दिन पहले पुलिस ने शिवसेना के हिंगोली एमएलए संतोष बांगर के यहां रेड की थी। उसके तुरंत बाद शाहजी बापू पाटिल के ऑफिस पर रेड की गई।

बम की धमकी के बाद मुंबई एयरपोर्ट पर कराई गई इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

कुवैत से हैदराबाद जा रहा था विमान

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। कुवैत-हैदराबाद इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी मिलने के बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई है।

ये इमरजेंसी लैंडिंग मुंबई एयरपोर्ट पर कराई गई है। इससे पहले एक नवंबर को इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसकी भी मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई थी। दरअसल इंडिगो की फ्लाइट जेद्दाह से हैदराबाद आ रही थी। इसी दौरान इसमें बम की धमकी मिली और मुंबई में ही विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हालांकि बाद में जांच के दौरान विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

इस मामले में प्लेन को उड़ाने की धमकी शनिवार सुबह 5.25 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट को मेल के जरिए दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि फ्लाइट में आईएसआई और एलटीटीई के ऑपरेटिव्स हैं। इन लोगों ने मद्रास एयरपोर्ट विस्फोट जैसी योजना बनाई है। पपिता रंजन नाम की आईडी से ये मेल किया गया था। हालांकि जांच में बम की बात फर्जी निकली।

हर एक्टिविटी होगी ट्रैक... संचार साथी ऐप के प्री-इंस्टॉल का क्यों हो रहा विरोध?

नई दिल्ली मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार की ओर से फोन कंपनियों को संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल के निर्देश देने के बाद सियासत गर्म हो गई है। विपक्ष की ओर से इस निर्देश को आम आदमी की प्राइवेसी का उल्लंघन बताया जा रहा है। बता दें, डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशंस ने मोबाइल बनाने वाली कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह आगे आने वाले अपने सभी मोबाइल फोन में संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करे। इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस एमपी प्रियंका गांधी वाड्रा और शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार पर हमला बोला है।

प्रियंका गांधी ने कहा, "यह एक जासूसी ऐप है, यह मजाकिया है। नागरिकों को प्राइवेसी का अधिकार है। हर किसी को बिना सरकार की नजर के परिवार, दोस्तों को मैसेज भेजने की प्राइवेसी का अधिकार होना चाहिए।" इसके अलावा प्रियंका ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह देश को हर तरह से तानाशाही में बदल रहे हैं। संचार साथी ऐप के बारे में सरकार के नए निर्देश पर शिवसेना (यूबीटी) की एमपी प्रियंका चतुर्वेदी कहा, "यह बिल्कुल मजाकिया है। यह पहले से इंस्टॉल ऐप की आड़ में निगरानी का एक और तरीका है। इसका मतलब है कि मोबाइल फ़ोन से की गई सभी एक्टिविटी को ट्रैक किया जा सकता है

प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष पर इल्ज़ाम लगाना बहुत आसान है, वे किसी भी चीज़ पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। क्योंकि सरकार किसी भी चीज पर बात करने से मना कर रही है। एक स्वस्थ लोकतंत्र चर्चा की मांग करता है। उन्होंने कहा कि फ्रॉड की रिपोर्ट करने और यह देखने के बीच एक बहुत पतली लाइन है कि भारत का हर नागरिक अपने फोन पर क्या कर रहा है। उन्होंने सरकार द्वारा इस तरह से काम करने की आलोचना की।

साथ ही कहा कि फ्रॉड के बहाने सरकार नागरिकों के फोन पर नज़र रखने की कोशिश कर रहा है। चतुर्वेदी ने कहा कि प्राइवेसी हमारा अधिकार है और इसी एक चीज पर आप हमला कर रहे हैं। हम शिकायत निवारण सिस्टम की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसके बजाय, आप निगरानी सिस्टम पर काम कर रहे हैं। आपको लोगों को कंट्रोल करने और मॉनिटर करने की यह बेकाबू इच्छा क्यों है... हम इसका कड़ा विरोध करेंगे

प्रियंका गांधी ने कहा, "फ्रॉड की रिपोर्ट करने के लिए एक असरदार सिस्टम होना चाहिए। हमने साइबर सिक्योरिटी पर और इस पर बहुत लंबी चर्चा की है। साइबर सिक्योरिटी की जरूरत है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह आपको हर नागरिक के टेलीफोन में जाने का बहाना दे। मुझे नहीं लगता कि कोई भी नागरिक इससे खुश होगा।

सीपीआई-एम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि संचार साथी ऐप लोगों की प्राइवेसी में खुला दखल है और सुप्रीम कोर्ट के 2017 के पुट्टास्वामी जजमेंट का उल्लंघन है। ये पहले से इंस्टॉल होगा और इसे हटाया नहीं जा सकता। यह सर्विलांस का एक और तरीका है। अब अगला कदम एंगल मॉनिटर और ब्रेन चिप लगाना होगा। लोग क्या कहते और सोचते हैं, सरकार हर पल मॉनिटर करेगी। पहले पेगासस से जुड़ी घटनाएं हुईं और सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत सरकार ने उसमें सहयोग नहीं किया। आईफोन यूजर्स को अलर्ट मिले कि स्टेट एजेंसियां डिवाइस को एक्सेस कर रही हैं, यानी हैकिंग की कोशिशें हुईं। उन्हें जांच करते हुए 2-3 साल से ज्यादा हो गए हैं,

स्कूटी लेकर पैदल जा रहा था शख्स, अचानक गिरा और हो गई मौत

इंदौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक हैरान कर देने वाले मामला सामने आया है। यहां राह चलते एक युवक को अचानक साइलेंट अटैक आया और चंद सेकेंडों में ही युवक की मौत हो गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में युवक को स्कूटी लेकर जाते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान वह रास्ते में कुछ सेकेंड के लिए खड़ा होता है और फिर स्कूटी समेत जमीन पर गिर जाता है। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तबतक उसकी मौत हो गई थी। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दरअसल, पूरा मामला इंदौर के परदेसी पुरा थाना क्षेत्र का है। यहां जनता क्वार्टर इलाके में एक शख्स की अचानक गिरने से मौत हो गई। यहां 27 वर्षीय युवक विनीत अपनी पंचर एक्टिवा वाहन को सुधरवाने के लिए दुकान जा रहा था। वह स्कूटी को लेकर पैदल ही दुकान की ओर जा रहा था। इसी बीच अचानक युवक की सांस फूलने लगी और वह स्कूटी सहित जमीन पर अचानक गिर पड़ा। युवक को जमीन पर गिरा देख आस-पास मौजूद लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

चेन्नई मेट्रो में बड़ी दिक्कत

सुबह-सुबह सुरंग में फंसी; यात्रियों को ट्रैक पर चलकर पहुंचना पड़ा स्टेशन

चेन्नई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नई मेट्रों से एक अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां मंगलवार सुबह चेन्नई में लोगों को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। ब्लू लाइन की एक मेट्रो ट्रेन अचानक सुरंग में ही रुक गई, जिससे यात्रियों को ट्रेन से उतरकर रेल ट्रैक पर 500 मीटर पैदल चलकर हाई कोर्ट मेट्रो स्टेशन तक जाना पड़ा।

जारी वीडियो में क्या दिखा?

बात अगर इस पूरे प्रकरण को लेकर जारी वीडियो की करें तो सोशल मीडिया पर आए वीडियो में दिखा कि यात्री हाथ का सहारा लेकर ट्रेन से बाहर निकलते हुए दिख रहे। इतना ही नहीं वीडियो में लोग मेट्रों से बाहर निकलकर लाइन बनाकर सुरंग के अंदर चलते हुए भी नजर आ रहे हैं। बता दें कि ये पूरा मामला तब का है जब सुबह-सुबह सेंट्रल मेट्रो और हाई कोर्ट स्टेशन के बीच चल रही मेट्रो अचानक रुक गई। ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने इस घटना के बारे बताया कि बिजली चली गई थी, पंखे और लाइटें भी नहीं चल रहीं थीं। लगभग 10 मिनट तक लोग अंदर फंसे जैसा महसूस कर रहे थे। इसके बाद ट्रेन के अंदर घोषणा की गई कि सभी यात्रियों को ट्रैक पर उतरकर हाई कोर्ट स्टेशन तक पैदल जाना होगा, जो करीब 500 मीटर दूर था।

अब समझिए क्या थी परेशानी की वजह?

अभी तक की जानकारी के अनुसार, मामला पावर कट या किसी तकनीकी खराबी का था। हालांकि चेन्नई मेट्रो रेल ने बताया कि अब ब्लू लाइन की सेवाएं फिर से बहाल कर दी गई है और अब स्थिति पूरी तरह सामान्य हो चुकी हैं। वहीं ग्रीन लाइन पर सेंट्रल मेट्रो से सेंट थॉमस माउंट तक भी सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। मेट्रो प्रशासन ने असुविधा के लिए खेद है कहते हुए यात्रियों से माफी भी मांगी।

सुविचार
छोटी सी जिंदगी है हर बात में खुश रहो, आने वाला कल किसने देखा है, अपने आज में खुश रहो!

भट्टी विक्रमार्का ने 'विजन 2047' वार रूम का दौरा किया

तेलंगाना ग्लोबल समिट तैयारियों की समीक्षा भी की

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने मंगलवार को प्रजा भवन में स्थापित 'तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन डॉक्यूमेंट' वार रूम का दौरा किया।

उन्होंने विजन डॉक्यूमेंट के मसौदे और 8-9 दिसंबर को भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले ग्लोबल समिट की तैयारियों पर विस्तृत समीक्षा की। आमंत्रण, आतिथ्य, स्थल, लॉजिस्टिक्स, परिवहन, कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और डिजिटल संचार जैसी समितियों के अध्यक्षों व सदस्यों के साथ बैठक कर कार्यों की प्रगति जानी। उन्होंने अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सोमवार को वार रूम का दौरा कर चुके हैं। बुधवार से मंत्री भी समीक्षा करेंगे।

केबल चोरी के चार अपराधी गिरफ्तार

2 लाख रुपये का माल बरामद

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के राजेंद्रनगर जोन की नारसिंगी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए बिजली विभाग की शीथ बॉन्डिंग केबल चोरी करने वाले चार आरोपियों और चोरी का सामान खरीदने वाले एक रिसीवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 2 लाख रुपये मूल्य का चोरी का माल, जिसमें 1,27,000 रुपये नकद शामिल हैं, बरामद किया है। यह कार्रवाई डीसीपी राजेंद्रनगर जोन योगेश गौतम तथा एसीपी नारसिंगी डिविजन जी.वी. रामना गौड़ के मार्गदर्शन में, नारसिंगी थाने के एसएचओ जी. हरिकृष्ण रेड्डी और डिटेक्टिव इंस्पेक्टर जी. राजेश की क्राइम टीम ने मिलकर की। गिरफ्तार आरोपियों में डंगडे ओंकार, निवासी बंडलागुड़ा जगीर, पुजारी साई किरण, श्रीवाति अरुण कुमार, निवासी बंडलागुड़ा जगीर, सद्यापगुला कार्तिक, निवासी बंडलागुड़ा जगीर, देवारेंटी नरसिम्हा, निवासी बंडलागुड़ा जगीर शामिल हैं। इन आरोपियों ने करीब 13 घटनाओं को अंजाम दिया है। डीसीपी राजेन्द्र नगर योगेश गौतम के अनुसार, आरोपी अपनी बुरी आदतों और फिजूलखर्ची को पूरा करने के लिए आसान तरीके से पैसे कमाना चाहते थे। नियमित काम न होने की वजह से उन्होंने बिजली विभाग की केबल्स चोरी कर कबाड़ी बाजार में बेचनी शुरू की। इससे प्राप्त धन का उपयोग वे अपनी विलासितापूर्ण जीवनशैली पर खर्च कर रहे थे। साइबराबाद पुलिस ने कहा है कि वे संपत्ति-संबंधी अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई जारी रखेंगी। फरार आरोपियों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें।

महेश बैंक चुनाव: फाउंडर पैनल ने खोली लूट गैंग की पोल!

लूट के दौर का अंत और अटल विश्वास की बहाली का शंखनाद!

विपक्ष के पेट में सबसे ज्यादा मरोड़ भगवती बल्दवा की उस घोषणा से उठ रहे हैं, जिसमें उन्होंने परिवार की ओर से बैंक में 100 करोड़ रुपये की एफडी करवाने की बात कही है।

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महेश बैंक के चुनाव अब केवल सत्ता परिवर्तन की लड़ाई नहीं, बल्कि धर्म और अधर्म के बीच का महासंग्राम बन चुकी हैं। एक तरफ 20 वर्षों से बैंक को जागीर समझने वाला संस्थापक पैनल है, तो दूसरी तरफ, समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज बनकर उभरा फाउंडर पैनल है। जिसका नेतृत्व भांगड़िया कैलाश नारायण जैसे जुझारू व्यक्तित्व कर रहे हैं। वे बैंक के शुद्धिकरण और नवनिर्माण का संकल्प लेकर मैदान में उतरे हैं। फाउंडर पैनल का कहना है कि संस्थापक पैनल की पोल ईडी और आरबीआई पहले ही खोल चुके हैं। संस्थापक पैनल पर पलटवार करते हुए फाउंडर पैनल ने अपने जो तथ्य रखे हैं, वे बैंक के सुनहरे भविष्य की गवाही भी देते हैं।

संस्थापक पैनल द्वारा फैलाए जा रहे बिजनेस गिरने के भ्रम को आंकड़ों ने ध्वस्त कर दिया है। यह सच है कि पुरानी नेगेटिव खबरों और फ्रॉड के चलते बैंक का बिजनेस वॉल्यूम (2021-22 के 3794 करोड़ से घटकर 2024-25 में 2682 करोड़) कम हुआ, लेकिन चमत्कार मुनाफे में हुआ है। जहां पुराने बोर्ड के साये में (2022-23) प्री-टैक्स प्रॉफिट मात्र 22.65 करोड़ था, वहीं लीकेज बंद होते ही 2024-25 में यह तीन गुना उछलकर 69.98 करोड़ यानी ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। नेट प्रॉफिट यानी टैक्स चुकाने के बाद भी मुनाफा 53.61 करोड़ हो गया। यानी जो कभी 17 करोड़ हुआ करता था। वो सीधा तीन गुना हो गया। वहीं 31 मार्च 2023 को जो ग्रॉस एनपीए 75 करोड़ था, उसे नए मैनेजमेंट ने घटाकर 48 करोड़ कर दिया। यह इस बात की गवाही है कि पहले बैंक का पैसा भ्रष्टाचारियों की जेबों में जा रहा था। आज जब ईमानदारी से काम हो रहा है, तो कम बिजनेस में भी बैंक इतिहास रच रहा है।

विरोधियों द्वारा यह झूठ फैलाया जा रहा है कि फाउंडर पैनल के कारण ईडी आया। जबकि कड़वा सच यह है कि ईडी और आरबीआई ने कार्रवाई बैंक संस्था पर नहीं, बल्कि उन तीन व्यक्तियों (चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और तत्कालीन एमडी) पर की थी, जिन पर बैंक में घोर अनियमितताएं करने के आरोप हैं। जांच एजेंसियों को इनके घरों से कैश, ज्वैलरी और विवादित दस्तावेज मिले, जो ईडी की वेबसाइट पर दर्ज हैं।

जाहिर है ईडी हवा में रेड नहीं डालती और आरबीआई बिना ठोस आधार के किसी सीनियर वाइस चेयरमैन को बाहर का रास्ता नहीं दिखाती। फाउंडर पैनल ने साफ कर दिया है कि यह लड़ाई बैंक बचाने की है, उसे लूटने वालों को बेनकाब करने की है।

विपक्ष के पेट में सबसे ज्यादा मरोड़ भगवती बल्दवा की उस घोषणा से उठ रहे हैं, जिसमें उन्होंने परिवार की ओर से बैंक में 100 करोड़ रुपये की एफडी करवाने की बात कही है। संस्थापक पैनल इसे वोट खरीदना बता रहा है, लेकिन जनता जानती है कि यह विश्वास की बहाली है। जिस भगवती बल्दवा और महेश बल्दवा की कंपनी एक्जोरियल की प्रशंसा और लोहा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 'मन की बात' में मान चुके हैं, जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कई सालों से सर्वोच्च करदाताओं में टॉप पर हैं। उन्हें बैंक से निजी फायदा उठाने की आखिर क्या जरूरत है।

वे अपनी खून-पसीने की कमाई किसी और बैंक में रखने के बजाय अपनी मातृसंस्था महेश बैंक में जमा कर रही हैं, ताकि जमाकर्ताओं का भरोसा लौटे और लिक्विडिटी बढ़े। उल्लेखनीय है कि विरोधियों के करारा जवाब देते हुए भगवती बल्दवा ने घोषणा की है कि कैलाश नारायण भांगड़िया के नेतृत्व में फाउंडर पैनल जीतने के बाद उनका परिवार बैंक में 100 करोड़ रुपये की एफडी करवाएगा। यह कोई चुनावी स्टंट नहीं, बल्कि बैंक में विश्वास की बहाली का मास्टरस्ट्रोक है। वे बैंक से ले नहीं रही हैं, बैंक को दे रही हैं। यह उन लोगों को जवाब है जिन्होंने बैंक को केवल दुधारू गाय समझा रखा था।

भगवती बल्दवा ने बैंक के प्रॉफिट में आते ही पद छोड़ दिया, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। वे आज एक संरक्षक और मार्गदर्शक की भूमिका में हैं, ताकि समाज की अंतिम पंक्ति के लोग आगे आ सकें। फाउंडर पैनल का भी कहना है कि भगवती बल्दवा बैंक की कुर्सी से तब हटीं, जब हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त प्रोफेशनल्स ने बैंक को प्रॉफिट में ला दिया। वे पद की लालची नहीं हैं, वे आज भी एक अतिथि और मार्गदर्शक के रूप में फाउंडर पैनल के साथ खड़ी हैं। यह पैनल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि समाज के प्रबुद्ध और ग्रास रूट से जुड़े, निस्वार्थ लोगों का है। यह उन लोगों का समूह है जो बैंक को लूट गैंग से मुक्त कराकर नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं। फाउंडर पैनल जनता का,जनता के लिये जनता द्वारा चुना गया पैनल है, इसमें कैलाश नारायण भांगड़िया जैसे कर्मठ, ईमानदार और जमीन से जुड़े व्यक्ति लीड कर रहे हैं। ये किसी के मुखौटे को आगे रखकर चुनाव में नहीं है, बल्कि अपने दम पर बैंक को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का माद्दा रखते हैं।

अब गेंद अंशधारकों के पाले में है। एक तरफ वो लोग हैं जिन्होंने बैंक की साख को बट्टा लगाया, जिन्हें आरबीआई ने धक्के मारकर बाहर निकाला और ईडी ने जिनके घर खंगाले। दूसरी तरफ वो 'तपस्वी' हैं जो अपनी पूंजी और प्रतिष्ठा दांव पर लगाकर बैंक को नंबर वन बनाने निकले हैं।

उमराह बीमा दावों पर भारतीय टूर ऑपरेटरों में जागरूकता की कमी

हैदराबाद/दुबई, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय और विदेशी उमराह तीर्थयात्रियों के पांच सबसे बड़े समूहों में भारतीय शामिल हैं, लेकिन दुर्घटना मृत्यु के मामलों में बीमा दावा प्रक्रिया के प्रति भारतीय टूर ऑपरेटरों में जागरूकता की गंभीर कमी पाई जा रही है। मदीना के पास भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों के साथ हुई हालिया दुर्घटना के बाद यह मुद्दा फिर से चर्चा में आया है। उमराह वीज़ा प्रक्रिया के दौरान तीर्थयात्रियों को स्वचालित रूप से बीमा पॉलिसी जारी की जाती है, जिसमें आपातकालीन चिकित्सा सहायता, उड़ान व्यवधान, आकस्मिक मृत्यु, प्राकृतिक आपदा से मृत्यु, स्थायी विकलांगता और शव को स्वदेश भेजने का प्रावधान शामिल होता है। आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में एक लाख सऊदी रियाल (लगभग 23.80 लाख रुपये) का दावा किया जा सकता है।

सऊदी अरब विदेशी तीर्थयात्रियों को 'अल्लाह का मेहमान' मानते हुए उनकी भलाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र सभी लाभ और सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करता है। तीर्थयात्री बीमा विवरण की जांच वेबसाइट पर उपलब्ध ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं। लेकिन सूत्रों का कहना है कि भारत में टूर ऑपरेटरों की कम जागरूकता, भाषा संबंधी बाधाएं और विदेश प्रवास की कम अवधि के कारण कई परिवार बीमा लाभ हासिल नहीं कर पाते। वहीं कई भारतीय तीर्थयात्रियों ने अपनी यात्रा के दौरान सफलतापूर्वक चिकित्सा सेवाएं भी प्राप्त की हैं।

छात्र से दुर्व्यवहार के आरोप में सरकारी शिक्षक निलंबित

आदिलाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राणादेवनगर स्थित एक सरकारी स्कूल के शिक्षक मोहम्मद यूसुफ़ को एक छात्र और उसके परिवार के साथ कथित दुर्व्यवहार के आरोप में निलंबित कर दिया गया। निलंबन आदेश सोमवार शाम जारी हुए। मामला तब सामने आया जब एक कमजोर वर्ग के छात्र ने छूटी हुई कक्षाएं दोबारा पढ़ाने का अनुरोध किया, जिस पर शिक्षक के डांटने की शिकायत अभिभावकों ने प्रधानाध्यापक से की। छात्र संगठनों ने शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन भी किया। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जांच कर रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी, जिनके निर्देश पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

हरीश राव की मौजूदगी में कांग्रेस व बसपा के कई नेता बीआरएस में शामिल

सिद्दीपेट, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकुनुरपल्ली, जगदेवपुर और गजवेल मंडलों के कई कांग्रेस और बसपा नेता मंगलवार को गजवेल में पूर्व मंत्री टी. हरीश राव की उपस्थिति में बीआरएस में शामिल हुए। इस मौके पर हरीश राव ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस सरकार ने ग्राम पंचायतों की पूरी तरह उपेक्षा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि फंड की कमी पर सवाल उठाने पर सरपंचों को जेल भेजा जा रहा है, जिससे पंचायत सचिव भी अपने कर्तव्य सही ढंग से नहीं निभा पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सचिव स्ट्रीट लाइटें नहीं लगवा पा रहे और ट्रैक्टर चलाने के लिए डीजल तक उपलब्ध नहीं है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता की अनदेखी के कारण गांव वायरल बुखार की चपेट में हैं। हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर चुनावी वादे पूरा न करने का आरोप लगाया। उनके अनुसार सरकार पेंशन नहीं बढ़ा सकी, किसानों के फसल ऋण माफ़ नहीं किए और कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत सोना व नकद राशि देने के वादे भी अधूरे रह गए। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत को ट्रैक्टर उपलब्ध कराए थे और पल्ले प्रगति के तहत स्वच्छता कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया था। कार्यक्रम में बीआरएस नेता वंतेरु प्रताप रेड्डी, देवी रविंदर, देवी श्रीशैलम सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्रदूषण विरोधी दिवस पर टीजीपीसीबी का जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) ने मंगलवार को राष्ट्रीय प्रदूषण विरोधी दिवस के अवसर पर प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाया।

अभियान के तहत टीजीपीसीबी ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ऑटो जागरूकता अभियान आयोजित किया, जिसमें कचरा जलाने, वाहन प्रदूषण, वायु गुणवत्ता और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर लगाए गए। ये ऑटो प्रमुख मार्गों से होकर गुजरे और नागरिकों को पर्यावरण-अनुकूल उपाय अपनाने का संदेश दिया।

इसके अलावा, बेगमपेट स्थित नेशनल हाई स्कूल में छात्रों के लिए पर्यावरण जागरूकता प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रदूषण नियंत्रण और सतत पर्यावरणीय प्रथाओं पर अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति ज़िम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

सुराराम हत्याकांड : चार दोषियों को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय अदालत ने मंगलवार को 2021 के सुराराम हत्याकांड मामले में चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। दोषी जरपति मैसैया, जरपति गंगाराजू उर्फ गंगुलु, जरपति यादम्मा और मार्कंडेय मनोज कुमार उर्फ चिंटू को अगस्त 2021 में अंजनेयुलु की हत्या का दोषी पाया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को शक था कि अंजनेयुलु परिवार के एक सदस्य की मौत के लिए जिम्मेदार है। इसी शक के चलते उन्होंने उसे सुराराम में मैसैय्या के घर पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। पीड़ित की बेटी ने आरोपियों के हत्या स्वीकार करने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मामला पहले डुंडीगल और बाद में सुराराम पुलिस स्टेशन में दर्ज कर जांच की गई।

पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले की स्थानीय अदालत ने 2023 में मोइनाबाद में अपनी पत्नी की हत्या करने के मामले में मोहम्मद हुसैन (60) को आजीवन कारावास और 500 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। घटना 20 फरवरी 2023 की है, जब हुसैन नशे की हालत में अपनी पत्नी हुसैन बी से शराब के लिए 80 रुपये मांगने पहुंचा। पैसे न देने पर उसने पहले गालियां दीं, फिर डंडे से पीटा और उसे घसीटकर अपनी झोपड़ी में ले गया। बाद में उसने मोर्टार पत्थर से उसकी छाती और चेहरे पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मोइनाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को अगले दिन गिरफ्तार कर लिया था। जांच पूरी होने पर चार्जशीट दाखिल की गई।

महिला ने दो वर्षीय बेटे की हत्या कर की आत्महत्या

मेदक, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना शंकरमपेट मंडल के खाजापुर गांव में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 24 वर्षीय अखिला ने अपने दो वर्षीय बेटे रियांश गौड़ की हत्या कर आत्महत्या कर ली। स्थानीय लोगों ने घर के अंदर दोनों के शव पड़े देखे और तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। माना जा रहा है कि अखिला ने पहले बेटे का गला घोंटा और फिर खुद फांसी लगा ली। कुछ महीने पहले उसके पति प्रवीण की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिसके बाद से वह अवसाद में थी। पुलिस का कहना है कि पारिवारिक समस्याएं इसकी वजह हो सकती हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

ट्रैक्टर की ट्रॉली में फंसकर प्रवासी मजदूर की मौत

मंचेरियल, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर मंडल के गंगाराम गांव में सोमवार रात एक दर्दनाक हादसे में 59 वर्षीय प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। ट्रैक्टर का हाइड्रोलिक पंप अचानक खराब हो गया, जिससे ट्रॉली गिर गई और मजदूर उसके बीच फंस गया। पुलिस के अनुसार, मृतक पेदाकापु दारकोंडा, आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले का निवासी था। दोपहर करीब 12:30 बजे वह ट्रॉली में आम के पेड़ों के तने लाद रहा था, तभी पंप खराब होने से ट्रॉली अचानक नीचे गिर गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दारकोंडा गंगाराम गांव के पास एक खेत में बंजर आम के पेड़ों को काटने का काम कर रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चेन्नूर सरकारी अस्पताल भेज दिया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

70 वर्षीय वृद्ध की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए पुलिस स्टेशन क्षेत्र के सिद्धंथी में सोमवार रात एक 70 वर्षीय व्यक्ति की उसके घर में हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सौदाया के रूप में हुई है। उस पर शाम 7 बजे से 11 बजे के बीच अज्ञात व्यक्तियों ने हमला किया। पुलिस के अनुसार, पड़ोसियों ने घर में संदिग्ध गतिविधि देख अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सौदाया को मृत पाया, जिसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। इससे स्पष्ट है कि उसकी हत्या की गई है। आरजीआईए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल, घटनास्थल की जांच और संदिग्धों की पहचान के प्रयास जारी हैं। हत्या का कारण फिलहाल अज्ञात है।

भाई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

मंचेरियल, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंदामरी कस्बे में अपने भाई की लकड़ी के मूसल से हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। मंडमरी इंस्पेक्टर शशिधर रेड्डी ने बताया कि दिहाड़ी मजदूर मेंद्रापु कुमार को उसके भाई गोपाल (40) की हत्या के मामले में हिरासत में लिया गया है। घटना 1 दिसंबर की रात हुई, जब शराब के नशे में गोपाल द्वारा लगातार परेशान किए जाने पर कुमार ने मूसल से उस पर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार कुमार अपने भाई से नाराज रहता था, क्योंकि वह अक्सर शराब पीकर उससे झगड़ा करता था और एक वर्ष पहले उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई थी। घटना के बाद कुमार मौके से फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने बाद में उसे पकड़ लिया।

दोपहिया सवार दंपत्ति से 30.60 लाख रुपये जब्त

मेदक, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेगुंटा मंडल के मक्काराजीपेट में उड़न दस्ते ने मंगलवार को दोपहिया वाहन से जा रहे एक दंपत्ति से 30.60 लाख रुपये नकद बरामद किए। गजवेल मंडल के दचारम निवासी गुंडेल्ली श्रीशा और यादगिरी के पास नकदी के स्रोत संबंधी कोई दस्तावेज न होने पर टीम ने रकम जब्त कर ली। स्थानीय पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने के बाद अधिकारियों ने नकदी को चुनाव अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया। एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने स्पष्ट किया कि नकदी, शराब या किसी अन्य प्रलोभन के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MANDALA DHANALAKSHMI, W/O: HAV (OpR) SRINIVASA RAO BONGU , R/O: HOUSE NO.1-0, B C COLONY, MARIPIVALASA, VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH - 535546, have changed my name from MANDALA DHANALAKSHMI to BONGU DHANALAKSHMI and my Date of Birth is:30/06/1994.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Dated: 02-12-2025

Notice is hereby given to the general public that **Sri Chamakura Rajaiah, President** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **Social Justice Party of India,** with location of its head office **Plot No. 32, Press Colony, Mansoorabad, LB Nagar, Hyderabad 500068.** under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1). Sri Chamakura Rajaiah,** President; **2). Sri Karnati Venkataiah Goud,** General Secretary; **3). Smt Chamakura Mamatha,** Treasurer. Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent **to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500 004** within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **Social Justice Party of India** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Sd/-
President
Social Justice party of India

प्रेम कुमार को अध्यक्ष बना विधानसभा कल तक के लिए स्थगित

> भोजपुरी गीत से शपथ तक हुआ आज

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा सत्र का आज दूसरा दिन है। आज प्रेम कुमार ने अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली। सोमवार को उन्होंने नामांकन किया था। उनके अलावा किसी अन्य ने नामांकन नहीं दिया। इसलिए प्रेम कुमार का निर्विरोध स्पीकर चुने गए।

उनके निर्वाचन में सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, संजय सरावगी और श्रवण कुमार प्रस्तावक बने। सीएम नीतीश कुमार, दोनों डिप्टी सीएम, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत सभी विधायकों ने स्पीकर बनने पर प्रेम कुमार को बधाई दी। अब बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए सदन स्थगित करने की घोषणा कर दी गई।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरल ईमान ने स्पीकर प्रेम कुमार को बधाई दी। सत्ता की संख्या अधिक है इसलिए ऐसा न हो कि अधिक संख्या की वजह से न्याय न हो। उन्होंने प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर की कहानी का जिक्र करते हुए कहा कि पंच परमेश्वर की तरह होता है। इधर, आज जनता दल यूनाईटेड के विधायक अनंत सिंह पर सबकी निगाहें टिकी हैं। वह जेल में हैं। आज अब तक वह शपथ लेने नहीं पहुंचे हैं। इधर, पहले दिन अनुपस्थित रहे मदन सहनी, जीवेश मिश्रा, विनय बिहारी और केदार सिंह ने आज शपथ ली। विनय बिहारी ने शपथ लेने से पहले भोजपुरी में कविता पढ़ने लगे। प्रोटेम स्पीकर ने टोका तो कहा कि मैं भोजपुरी गीतों को गाकर ही यहां तक पहुंचा हूं। इसके बाद जीवेश मिश्रा ने संस्कृत में शपथ ली।

पहले दिन 237 नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली थी। बाकी एनडीए से अनंत सिंह, अमरेंद्र पांडेय, मदन सहनी, जीवेश कुमार, केदार सिंह और विनय बिहारी सदन नहीं आए थे। मदन सहनी, जीवेश कुमार, विनय बिहारी और केदार सिंह स्वास्थ्य कारणों से सदन नहीं आ पाए थे। वहीं जदयू विधायक अमरेंद्र पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय अपने भतीजे मुकेश पांडेय का दिल्ली में इलाज करवा रहे हैं। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव खुद विधायकों को शपथ दिला रहे थे इसलिए शपथ नहीं ले पाए। प्रेम कुमार के कुर्सी संभालने के बाद उन्होंने शपथ लिया।

नामांकन के बाद डॉ. प्रेम कुमार ने क्या कहा?

विधानसभा अध्यक्ष पद पर नामांकन करने के बाद गया टाउन के भारतीय जनता पार्टी विधायक डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि एनडीए नेतृत्व और पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है।

उनके आदेश के बाद मैंने अपना नामांकन कर दिया है। मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। नवीं बार विधायक चुनकर यहां पहुंचा हूं, इसलिए जनता जनार्दन का भी मैं धन्यवाद करता हूं। जिन विधायकों ने आज शपथ लिया और जो बच गए, उन्हें भी मैं शुभकामना देता हूं।

इन विधायकों ने उर्दू और मैथिली में ली शपथ

इस बार विधायक अरुण शंकर प्रसाद, सुजीत पासवान, विनोद नारायण झा, आसिफ़ अहमद, माधव आनंद, मीणा कुमारी, नीतीश मिश्रा और सबसे कम उम्र की विधायक मैथिली ठाकुर ने मैथिली भाषा में शपथ ली। मैथिली ठाकुर ने मिथिला पेंटिंग वाली साड़ी और पाग पहन कर आईं। भाजपा के मिथिलेश तिवारी ने संस्कृत में शपथ ली।

वहीं विधायक आबिदुर रहमान, कमरूल होदा, सरबर आलम, विधायक व एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान और विधायक मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली।

सवा लाख का इनामी बावरिया गैंग का सरगना ढेर

पंजाब से तमिलनाडु तक फैला था नेटवर्क, पिस्टल बरामद

शामली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। शामली के वेदखेड़ी-मंसूरा मार्ग पर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में बावरिया गिरोह का सरगना और सवा लाख का इनामी मिथुन ढेर हो गया। फायरिंग में एसओजी के हेड कांस्टेबल हरविंदर घायल हुए, जबकि एक बदमाश अंधेरे में फरार हो गया। मिथुन पर 20 से अधिक मुकदमे और कई राज्यों में लूट-हत्या के आरोप थे।

शामली जनपद के वेदखेड़ी-मंसूरा मार्ग पर सोमवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में बावरिया गिरोह का कुख्यात सरगना मिथुन मारा गया। उस पर कुल 1.25 लाख रुपये का इनाम घोषित था। उसका साथी राहुल पुलिस की जवाबी फायरिंग के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग, दो अधिकारी बाल-बाल बचे

मुठभेड़ के दौरान एसओजी के हेड कांस्टेबल हरविंदर गोली लगने से घायल हो गए। झिंझाना थाना प्रभारी वीरेंद्र कसाना की जैकेट में गोली लगी लेकिन वह सुरक्षित बच गए। घायल हरविंदर को ऊन सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक कार्बाइन और मेड इन इटली पिस्टल बरामद की है। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस को वारदात की तैयारी की सूचना मिली थी, जिसके बाद संयुक्त टीम ने घेराबंदी की और मुठभेड़ शुरू हुई।

20 से अधिक मुकदमे, कई जिलों का मोस्ट वांटेड

मिथुन पर अकेले शामली में 1 लाख और बागपत में 25 हजार रुपये का इनाम था। वह कांवड़ यात्रा के दौरान बागपत में महिला से लूट की वारदात में भी शामिल था। उसके खिलाफ हत्या, लूट और अन्य संगीन मामलों के 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि मिथुन वारदातों के बाद पंजाब, साउथ दिल्ली, जयपुर सहित कई राज्यों में छिपता रहा। वह शामली, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर जैसे जिलों में लगातार घटनाओं को अंजाम देता था।

आजम खां के करीबी सपा नेता के बरातघर पर गरजे बुलडोजर

गुड मैरिज हॉल पर भी कार्रवाई

बरेली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली के सूफी टोला स्थित ऐवान-ए-फरहत बरातघर को गिराने के लिए बीडीए ने मंगलवार दोपहर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। बरातघर को गिराने के लिए दो बुलडोजर लगाए गए हैं। बीडीए के अफसर और भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है। इससे पहले यहां रहने वाले परिवारों ने कार्रवाई का विरोध किया। महिलाओं ने रोते हुए रहम की गुहार लगाई, लेकिन बीडीए की टीम ने बरातघर को अवैध निर्माण बताते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान मालियों की पुलिया से सूफीटोला जाने वाले रास्ते को ताज पैलेस के पास पुलिस ने गाड़ी खड़ी करके बंद कर दिया है। दोपहर 3:45 पर राशिद खां के गुड मैरिज हॉल पर भी बीडीए के बुलडोजर गरजने लगे। बीडीए के दो बुलडोजर सरफराज वली खान और राशिद खां के बरातघरों को ध्वस्त करने के लिए दोपहर दो बजे यहां पहुंचे। हालांकि कर्मचारी सुबह 9:00 बजे यहां आ गए थे लेकिन प्रशासन की व्यवस्था में करीब पांच घंटे लगे और दोपहर 2:00 बजे कार्रवाई शुरू करने के लिए काफी पुलिस कोर्स के साथ बीडीए के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान छत पर मौजूद महिलाओं का काफी विरोध देखने को मिला। महिलाएं चीख रही थी, वह सरफराज वली खां और राशिद खां के दोनों बरातघरों को न गिरने के लिए रहम की भीख मांग रही थी। विरोध के बीच दोपहर 2:45 बजे बीडीए के बुलडोजर गरजने लगे। सूफी टोला में संकरे रास्ते के एक छोर पर बना ऐवान-ए-फरहत बरातघर सरफराज वली खां का है, जो अरसे से सपा से जुड़े हैं।

कारोबारियों को एसजीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर मिलेगी छूट, कैबिनेट ने 20 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 21 प्रस्ताव पेश किए गए, जिसमें 20 पर मंत्रिपरिषद की मुहर लगी। एक 14 नंबर के प्रस्ताव को पुनर्परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह निजी अस्पतालों को प्रोत्साहन नीति के लिए था। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग करने वाले लोगों को एसजीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर छूट दी जाएगी। इसके तहत मेरठ की मेसर्स पसवारा पेपर्स लिमिटेड को 65.67 हजार का लाभ आज दिया गया।

1.5 करोड़ का लाभ पहले दिया जा चुका है। इंडसट्रियल डेवलपमेंट के तहत एक और प्रस्ताव भी पास हुआ। इसके तहत शाहजहांपुर और मथुरा की एक-एक कपंनी को लाभ मिला। बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र बनाने के लिए निशुल्क भूमि दी जाएगी। यह योग व आरोग्य केंद्र पीपीपी मॉडल पर बनेगा। कैबिनेट ने इसे भी मंजूर किया। अयोध्या में मंदिर संग्रहालय बनाया जाएगा। साथ ही उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली 2022 में संशोधन किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण अवधि, खेल की अवधि और इसके लिए आने-जाने में लगने वाले समय को भी ड्यूटी माना जाएगा। चंदौली में 4.91 अरब से 29.67 किमी सड़क को फोरलेन बनाया जाएगा। यह सकलडीहा, चहनियां और सैदपुर होते हुए जनपद को गाजीपुर से जोड़ेगा। काफी समय से इसकी मांग चल रही थी। अब इसे मंजूरी मिली। उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल 2022 की नियमावली पर भी संशोधन किया जाएगा। इसके जाति के आधार पर किसी भी बंदी से भेदभाव नहीं हो सकेगा। इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति-2005 एवं 2014 के तहत स्वीकृत एवं निष्क्रिय परियोजनाओं को निरस्तीकरण एवं क्रियाशील परियोजनाओं को पूर्ण कराने के लिए नीति को लागू किए जाने से रुकी हुई आवासीय परियोजनाएं पूर्ण हो सकेंगी।

एनएच-107 पर भीषण सड़क हादसा

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को रौंदा-2 की मौत

पूर्णिया, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया में भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। भीषण हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मृतकों के गाँव में मातमी सन्नाटा पसर गया है।पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई हैं।घटना सोमवार को देर शाम केनगर थाना क्षेत्र के एनएच 107 (NH 107) स्थित गोकुलपुर गोदाम के पास की है। जहां एक बाइक पर सवार तीन व्यक्तियों को किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। घटनास्थल से वाहन लेकर चालक फरार हो गया। मृतक बिठनौली पश्चिम पंचायत के वार्ड 6, बनियापट्टी गाँव निवासी, जगरनाथ राम के पुत्र नीतीश कुमार (उम्र 23 वर्ष) और रुपौली थाना क्षेत्र के बीरौली निवासी विनोद साह के पुत्र संजीव कुमार है। वहीं, सरसी थाना क्षेत्र के कचहरी बलुआ वार्ड 10 निवासी शम्भू राम (अनिल राम के पुत्र) गंभीर रूप से घायल हो गए।

संभल में बड़े मीट कारोबारियों के मैनेजर के घर आयकर छापा

कारखाने में चार दिन तक हुई थी जांच, पुलिस तैनात

संभल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायतरीन निवासी मीट कारोबारी हाजी इमरान और इरफान के मैनेजर के घर चमन सराय में आयकर विभाग की टीम पहुंची है। मीट कारोबारी इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी के नाम से कारोबार करते हैं। मैनेजर के घर पहले भी आयकर की टीम छानबीन कर चुकी है। कई बेनामी संपत्ति और लग्जरी कारों के दस्तावेज मिलने की चर्चा रही थी।

बता दें कि इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी का कारोबार करीब 1000 करोड़ रुपये से अधिक का बताया जाता है। 14 अक्तूबर को भी आयकर की टीम ने मीट कारोबारियों के कई ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इसमें मैनेजर का घर भी शामिल था। चार दिन तक चली कार्रवाई के दौरान करीब 400 करोड़ रुपये की कर चोरी के संकेत मिले थे। मीट कारोबारियों के ठिकानों पर हुई कार्रवाई जिले की सबसे बड़ी कार्रवाई में शामिल है। आयकर की टीमों को आयकर चोरी के पुख्ता प्रमाण मिलने की चर्चा हुई थी लेकिन आगे की कार्रवाई पर विराम लग गया था। अब मैनेजर के घर टीम फिर पहुंची है। छानबीन की जा रही है।

यूपी में छह की मौत : किसी के सिर की हड्डियां टूटीं-किसी का शरीर हुआ चकनाचूर

मुरादाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर रोडवेज की बस टक्कर से जान गंवाने वाली मां-बेटी समेत छह लोगों के शवों का दो डॉक्टरों की टीम ने पांच घंटे में पोस्टमार्टम किया। हादसा कितना भयानक था इसी गवाही पोस्टमार्टम रिपोर्ट दे रही है। टक्कर लगने से किसी के सिर की हड्डियां टूट गई थी तो किसी का शरीर चकनाचूर हो गया था।कुंदरकी के अब्दुल्लापुर निवासी करन सिंह अपने फुफेरे भाई कटघर क्षेत्र के रफातपुर निवासी धर्मपाल की बेटी संध्या की रविवार को दिन में बरात आई थी। करन सिंह गांव के ही संजू के ऑटो से अपनी पत्नी सीमा, बेटी, भाई की बेटी, बहन समेत परिवार के 10 लोगों के साथ रफातपुर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे कटघर क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर जैसे ही ऑटो रफातपुर अंडरपास के करीब पहुंचा तभी पीछे से तेजी से आई मेरठ डिपो की बस ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में अब्दुल्लापुर निवासी ऑटो चालक संजू सिंह (36), करन सिंह की पत्नी सीमा (40), बेटी अनाया सिंह (12), भतीजा अभय (15) पुत्र ओमवीर, बहन सुमन (24) पत्नी हरदीप निवासी मधपुरी थाना मैनाठेर, चचेरे भाई मुरारी की बेटी आरती (20) की मौत हो गई।

कई घायलों को अस्पताल में इलाज जारी

सुमन सात माह की गर्भवती थी। जबकि करन सिंह, भतीजी झलक (15) और अंशु (18), भतीजे दिनेश की बेटी अनुष्का (9), चचेरे भाई मुरारी की बेटी रानी (17) गंभीर रूप से घायल हो गईं थीं। उनका अलग अलग अस्पताल में इलाज चल रहा है। डीएम के आदेश पर रविवार की रात सभी छह शवों का पोस्टमार्टम किया।

निकाह की जल्दबाजी : एक दिन पहले ही बरात लेकर निकला दूल्हा

रास्ते से पता चली सही तारीख, दुल्हन पक्ष के लोग अवाक

गुन्नौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। शादी की निर्धारित तारीख से एक दिन पहले ही बरात लेकर दूल्हा के साथ बरातियों का काफिला दुल्हन के घर की ओर निकल पड़ा, लेकिन रास्ते में ही पता लगा कि शादी तो अगले दिन है। ऐसे में बरात रास्ते ही वापस लौट गई। अगले दिन यानी कि रविवार को शादी की सभी रस्में अदा कर दुल्हन को विदा कराकर बरातियों संग दूल्हा अपने घर लौटा। यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। दरअसल, शादी की तय तारीख को लेकर हुई गलतफहमी ने पूरा मामला उलझा दिया।

हुआ यह कि मोहल्ला मासूम अली निवासी नजाकत के बेटे मुनाजिर की शादी के लिए 30 नवंबर की तारीख तय थी। लड़की पक्ष की ओर से 29 और 30 नवंबर को लेकर स्पष्ट जानकारी न मिलने से दूल्हा पक्ष 29 नवंबर शनिवार को ही बस और अन्य गाड़ियों में पूरे इंतज़ाम के साथ बरात लेकर निकल पड़ा। नगर से बाहर कुछ दूरी पर जाने के बाद बरातियों को जानकारी मिली कि शादी की वास्तविक तारीख 30 नवंबर है। इस पर सभी बराती हतप्रभ रह गए और सज-धज कर निकली बरात वहीं से वापस घर लौट आई। इसके बाद रविवार की दोपहर दूल्हा पक्ष निर्धारित तारीख को बारात लेकर लड़की पक्ष के दरवाजे पहुंचा। शादी संपन्न होने के बाद दुल्हन को विदा कर दूल्हा बरात के साथ घर पहुंचा। यह घटनाक्रम नगर में चर्चा का विषय बना रहा।

गृह विभाग भाजपा के पास जाने को लेकर मंत्री विजय चौधरी ने कहा

'वित्त और वाणिज्य से बड़ा कोई विभाग नहीं'

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। 18वीं बिहार विधानसभा के पहले सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन है। मंगलवार को भाजपा के नेता प्रेम कुमार को विधानसभा अध्यक्ष चुना गया है। इस बीच, जदयू के नेता और बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने गृह विभाग भाजपा के पास जाने को लेकर कहा कि वित्त और वाणिज्य विभाग जदयू के पास आ गया है। विधानसभा परिसर में उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान पत्रकारों द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से गृह विभाग छीन लिए जाने को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, ₹गृह विभाग तो छीन गया, ये तो यह सुर्खियों में है, लेकिन उससे भी बड़ा विभाग वित्त और वाणिज्य हमारे पास है, ये कभी सुर्खियां नहीं बनीं। वित्त और वाणिज्य से बड़ा कोई विभाग नहीं है। मंत्री चौधरी ने विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने को लेकर कहा कि भाजपा के प्रेम कुमार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए, क्योंकि नामांकन की अंतिम तिथि तक किसी अन्य प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष पद पहले भी भाजपा के पास था। यह कोई नई बात नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्रेम कुमार बहुत पुराने और अनुभवी सदस्य हैं। सरकार का भी अनुभव है और विपक्ष का भी अनुभव है। इसलिए सभी को आशा है कि उनकी अध्यक्षता में सदन सुचारू रूप से चलेगा। बता दें कि सोमवार को गया सदर से निर्वाचित प्रेम कुमार ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। उनका निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा था। प्रेम कुमार भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। गया सदर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे इस सीट से इस बार लगातार नौवीं बार विधायक चुने गए हैं। बिहार सरकार में उन्होंने विभिन्न विभागों के मंत्री का दायित्व भी सफलतापूर्वक निभा चुके हैं।

बस में लगी आग, 3 जिंदा जले, 24 यात्री झुलसे

बलरामपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में सोमवार देर रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। नेपाल बॉर्डर के पास सोनौली से दिल्ली जा रही यात्री बस ट्रक से टकरा गई, जिसके बाद बस में आग लग गई। हादसे में 3 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि 24 यात्री गंभीर रूप से झुलस गए। इनमें 6 की हालत नाजुक बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, बस (UP 22 AT 0245) में कुल 45 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकतर नेपाल के रहने वाले थे।

हादसा कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के फुलवरिया बाईपास पर देर रात करीब ढाई बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई और हाईटेंशन लाइन के खंभे से टकरा गई। खंभा टूटकर बस पर गिरा, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई। यात्री जान बचाने के लिए खिड़कियों के शीशे तोड़कर बाहर कूदते रहे। मौके पर चीख-पुकार मच गई। किसी तरह बाहर निकल पाए यात्रियों ने घटना की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। राहत-बचाव दल ने पहुंचकर आग पर काबू पाया और अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

कफ सिरप कांड : एसटीएफ की एक और बड़ी कार्रवाई

बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह भी धरा गया; पूर्व सांसद धनंजय का है करीबी

लखनऊ, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। नशीले कफ सिरप सिंडीकेट के अहम सदस्य बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह को यूपी एसटीएफ ने मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। उसे लखनऊ के सुल्तानपुर रोड स्थित उसके घर के पास से पकड़ा गया है।

आलोक सिंह पूर्व सांसद एवं पूर्वांचल के बाहुबली धनंजय सिंह का करीबी है। एसटीएफ की टीम उससे पूछताछ कर रही है। एसटीएफ ने आलोक सिंह के खिलाफ सोमवार को लुक आउट सर्कुलर जारी करने की कवायद की थी, हालांकि उसे 24 घंटे के भीतर ही पकड़ लिया गया। उसने राजधानी की एक अदालत में चार दिन पहले आत्मसमर्पण करने की अर्जी भी दी थी। आलोक सिंह, अमित सिंह टाटा और शुभम जायसवाल की तिकड़ी को इस सिंडिकेट का असली संचालक माना जा रहा है।

तीनों ही पूर्व सांसद धनंजय सिंह के खास बताए जाते हैं। धनंजय सिंह के साथ उनकी तमाम फोटो और वीडियो एजेंसियों के लिए जांच का विषय बनती जा रही हैं। हालांकि अभी तक धनंजय सिंह से पूछताछ नहीं की गई है। अब एसटीएफ अमित सिंह टाटा, विभोर राणा, विशाल सिंह के साथ आलोक सिंह को भी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी और देश के तमाम राज्यों और बांग्लादेश आदि देशों में नशीले कफ सिरप की तस्करी के बारे में तथ्य जुटाएगी।

पुणे-बेंगलुरु हाईवे पर बड़ा हादसा, खाई में गिरी कॉलेज की बस, पांच की हालत गंभीर

पुणे, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पुणे-बेंगलुरु हाईवे पर सातारा के कराड के पास वाठार गांव की सीमा में सुबह एक दिल दहला देने वाली बड़ी दुर्घटना की खबर सामने आई है। नाशिक के निफाड तालुका के पिंपलगांव के लेट बीपी। जूनियर कॉलेज ऑफ साइंस, पिंपलगांव बसवंत इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों की सहल की बस करीब 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस बस में 40 से 45 स्टूडेंट और शिक्षक थे। दुर्घटना की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीणों ने तुरंत दौड़कर बचाव कार्य शुरू कर दिया। विद्यार्थियों को बाहर निकालने के लिए रोमांचक प्रयास किए गए।

काफी देर बाद ग्रामीणों की तेजी के कारण सभी को बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बस के अंदर अफर-तफरी मच गई थी। दुर्घटना में पांच स्टूडेंट गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और पंद्रह से ज्यादा स्टूडेंट मामूली रूप से घायल हो गए हैं, ऐसी प्राथमिक जानकारी सामने आई है। घटना के समय मौके पर चीख-पुकार मच गई। सभी घायलों को तुरंत कराड के कृष्णा अस्पताल में ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज बुलाई अहम हाई-लेवल कैबिनेट मीटिंग

लिए जा सकते हैं बड़े फैसले

जम्मू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 3 दिसंबर को एक हाई-लेवल कैबिनेट मीटिंग बुलाई है। इस बैठक में रिजर्वेशन पॉलिसी एजेंडा सबसे ऊपर होने के साथ सरकार नौकरियों और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में ओपन मेरिट कोटा बढ़ाने सहित कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक बुधवार सुबह 9 बजे सिविल सचिवालय जम्मू में होगी और सालाना दरबार मूव के बाद यह पहली फॉर्मल कैबिनेट मीटिंग होगी। सूत्रों ने कहा कि रिज़र्वेशन में बदलाव चर्चा का एक अहम मुद्दा होगा क्योंकि सरकार कुछ कैटेगरी, खासकर पिछड़े इलाकों के निवासी (आरबीए) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) में कोटा को सही ठहराने के लिए रिज़र्वेशन नियमों में बदलाव करने की योजना बना रही है ताकि ओपन मेरिट शेयर में प्रस्तावित बढ़ोतरी को शामिल किया जा सके। अधिकारियों के मुताबिक, गाइडलाइंस के अनुसार ईडब्ल्यूएस कोटा अधिकतम 10 प्रतिशत है, अगर सरकार इसे सही ठहराती है तो इसमें बदलाव किया जा सकता है। आरबीए कोटा, जो कभी 20 प्रतिशत तक था, उसे पहले ही घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है, इस चिंता के बीच कि प्रभावशाली लोगों को ज्यादा फायदा हुआ है।

यह है आरक्षण का कोटा

सूत्रों ने कहा, "सरकार को ओपन मेरिट को 40 परसेंट तक बढ़ाने के लिए एससी, एसटी और ओबीसी जैसी संसद द्वारा ज़रूरी श्रेणी को छोड़कर अलग-अलग श्रेणी से लगभग 10 प्रतिशत की कटौती करने की ज़रूरत है।" अभी, जम्मू-कश्मीर में 70 प्रतिशत रिजर्वेशन है। सबसे ज़्यादा 20 प्रतिशत हिस्सा अनुसूचित जनजाति को जाता है (गुज्जर-बकरवाल और पहाड़ी जातीय जनजातियों को 10-10 प्रतिशत), इसके बाद आरबीए और ईडब्ल्यूएस को 10-10 प्रतिशत, ओबीसी को आठ प्रतिशत, एससी को आठ प्रतिशत और एएलसी/आईबी निवासियों को चार प्रतिशत मिलता है।

कैबिनेट सब कमेटी की सिफारिशों पर होगा फैसला

एक्स-सर्विसमैन और विकलांग लोगों को 10 प्रतिशत का क्षैतिज रिजर्वेशन दिया जाता है। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के विरोध के बाद, रिज़र्वेशन पर कैबिनेट सब कमेटी (सीएससी) 10 दिसंबर, 2024 को बनाई गई थी। इसने 10 जून, 2025 को अपनी सिफारिशें जमा कीं, जिसके बाद लॉ डिपार्टमेंट ने उनकी जांच की। इन सिफारिशों पर अब कल की कैबिनेट मीटिंग में आखिरी फैसला होने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा, "कैबिनेट के सभी फैसलों के लिए आखिर में लेफ्टिनेंट गवर्नर की मंज़ूरी की जरूरत होगी।"

ओपन मेरिट में आने वाले युवा नाराज

इससे पहले, फाइनेंस डिपार्टमेंट ने अकाउंट्स असिस्टेंट के 600 पोस्ट का विज्ञापन दिया था, जिसमें से सिर्फ़ 240 पोस्ट ओपन मेरिट (ओएम) कैटेगरी में दिए गए थे।

इससे ओएम कैटेगरी में आने वाले युवा नाराज़ हो गए हैं, और उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा रिज़र्वेशन पॉलिसी के रिव्यू की अपनी मांग फिर से दोहराई है। जम्मू-कश्मीर सर्विसेज़ सिलेक्शन बोर्ड द्वारा विज्ञापन दिए गए अकाउंट्स असिस्टेंट के 600 पोस्ट में से, सिर्फ़ 40 प्रतिशत पोस्ट (240) ओपन मेरिट उम्मीदवारों के लिए रखे गए थे, जबकि 360 पोस्ट अलग-अलग कैटेगरी के लिए रिज़र्व किए गए हैं जिनमें 48 अनुसूचित जाति (एससी) के लिए, 60-60 अनुसूचित जनजाति (एसटी 1 और एसटी 2) के लिए, 48 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए, 24 एएलसी/आईबी के लिए, 60 पिछड़े इलाकों के निवासियों (आरबीए) के लिए, और 60 आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिए। ओपन मेरिट के स्टूडेंट्स का कहना है कि उन्हें सरकारी भर्ती में नजरअंदाज किया जा रहा है।

दिल्ली-मुंबई एयरपोर्ट पर बढ़ सकते हैं यात्री शुल्क

कोर्ट के इस आदेश के बाद 22 गुना तक टिकटें होंगी महंगी!

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे यानी आईजीआई एयरपोर्ट और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से यात्रा करने वाले यात्रियों को जल्द ही बड़ा झटका लग सकता है।

दोनों प्रमुख एयरपोर्ट्स पर यात्रियों से वसूले जाने वाले यूज़र चार्जेज़, जो एयरलाइन टिकट का हिस्सा होते हैं, 22 गुना तक बढ़ सकते हैं, जिससे हवाई टिकट के दाम में भारी उछाल देखने को मिल सकता है। यह संभावित बढ़ोतरी टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल यानी टीडीसैट के हालिया आदेश के बाद सामने आई है। इस आदेश में 2009 से 2014 के बीच एयरलाइन टैरिफ की गणना का फ़ॉर्मूला दोबारा तय किया गया है। टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल के इस फैसले के कारण, दिल्ली और मुंबई, देश के दो सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स पर 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की बकाया राशि का बोझ आ गया है। यह राशि अब यात्री विकास शुल्क (यूडीएफ), लैंडिंग फीस और पार्किंग शुल्क के माध्यम से वसूली जाएगी, जिसका सीधा असर यात्रियों की जेब पर पड़ेगा।

मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल के इस आदेश को एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेग्युलेटरी अथॉरिटी (एईआरए), कई भारतीय एयरलाइंस, और विदेशी एयरलाइंस जैसे लुफ्थांसा, एयर फ्रांस और गल्फ एयर ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस अरविंद कुमार और निलय विपिनचंद्र अंजारिया की बेंच बुधवार को इस मामले पर सुनवाई करेगी।

अभय चौटाला को जान का खतरा

परिवार और खुद के लिए जेड प्लस सिक्योरिटी मांगी, हाईकोर्ट ने सरकार को जारी किया नोटिस

चंडीगढ़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व विधायक और इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने अपने और परिवार के लिए अतिरिक्त सुरक्षा को लेकर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का की शरण ली है। उन्हें पिछले कुछ समय से लगातार अज्ञात व्यक्तियों, विदेशी नंबरों और अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टरों से धमकियां मिल रही हैं। चौटाला ने केंद्रीय सुरक्षा बल द्वारा सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की है। याचिका में सत्ताधारी दल से जुड़े असमाजिक तत्वों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अभय सिंह चौटाला की सुरक्षा से जुड़ी मांग को लेकर दाखिल की गई याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार सहित अन्य प्रतिवादियों को मंगलवार को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। चौटाला ने अपनी याचिका में जान को खतरा बताते हुए जेड प्लस या जेड श्रेणी की सुरक्षा देने की मांग की है।

याचिका में दर्ज घटनाक्रम के अनुसार 15 जून 2023 से लेकर 15 जुलाई 2025 तक कई बार धमकियां मिलने का दावा किया गया है। चौटाला ने हाईकोर्ट को बताया है कि फोन और व्हाट्सऐप संदेश आए। कॉल करने वालों ने कहा, यह आखिरी चेतावनी है और उनके परिवार को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। साथ ही याचिका में यह भी आरोप है कि लगातार आवेदन और शिकायतें भेजे जाने के बावजूद राज्य सरकार ने पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई। दायर याचिका में नफे सिंह राठी की हत्या का भी उल्लेख किया गया है और दावा किया गया है कि मामले में अंतरराष्ट्रीय गिरोहों और राजनैतिक विरोधियों की भूमिका की आशंका है। अभय की ओर से दाखिल याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि उन्हें 24 घंटे केंद्रीय एजेंसी द्वारा जेड प्लस या जेड सुरक्षा श्रेणी की सुरक्षा दी जाए,

प्रदूषण के बीच टीवी ग्रसित कैदी को मिली राहत

दिल्ली हाई कोर्ट ने दी 15 दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में इन दिनों हवाओं में जहर घुली हुई है। जहां एक तरफ आम लोगों का सैर सपाटे तक के लिए बाहर निकलना मुश्किल हो गया है वहीं दिल्ली हाई कोर्ट के द्वारा उठाया गया एक कदम सुर्खियां बटोर रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने राजधानी में बढ़ते खतरनाक वायु प्रदूषण के बीच टीबी से पीड़ित कैदी मोहम्मद शौकत अली उर्फ डॉली को स्वास्थ्य बिगड़ने के आधार पर 15 दिन की अंतरिम जमानत दी है।

यह निर्णय दिल्ली की हवा में मौजूद जहरीले प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभाव को ध्यान में रखते हुए लिया गया। अदालत ने माना कि मौजूदा प्रदूषण स्तर जेल में बीमार कैदियों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

किसे मिली अंतरिम जमानत?

शौकत अली पर आईपीसी 302 और समान मकसद से अपराध करने की धाराओं के तहत मामला दर्ज है, जिसके तहत उस पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि अपराध के आरोपों की गंभीरता के बावजूद किसी भी कैदी के स्वास्थ्य अधिकार न्यायिक प्रक्रिया में बाधा नहीं बन सकते। अदालत के सामने रखी गई मेडिकल रिपोर्ट में स्पष्ट था कि वायु प्रदूषण ने उसके स्वास्थ्य को और अधिक नुकसान पहुंचाने की आशंका बढ़ा दी है। इसी आधार पर कोर्ट ने जमानत पर विचार को जरूरी माना।

क्या है कोर्ट का तर्क?

हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि शौकत अली को इससे पहले भी राहत दी गई थी और उसने कभी इसका दुरुपयोग नहीं किया, जो उसे जमानत दिए जाने में महत्वपूर्ण आधार रहा। अदालत ने टिप्पणी की कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण से नागरिकों के स्वास्थ्य पर अत्यंत गंभीर और प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

हवा में मौजूद विषाक्त तत्व खासकर श्वसन संबंधी बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए जानलेवा हो सकते हैं। अदालत ने कहा कि प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को नजरअंदाज करना संभव नहीं है और रोगियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

दो जुड़वा बहनों की खौफनाक किडनैपिंग

आरोपियों के चंगुल से छूटकर पुलिस के पास पहुंची, सजने-धजने का दिया था सामान

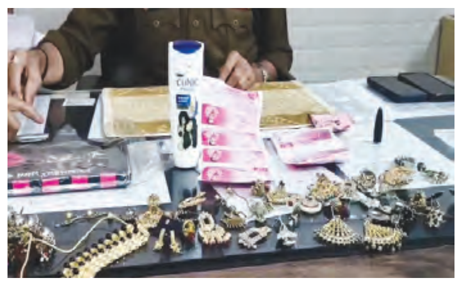

पानीपत, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में जीआरपी थाना पुलिस ने सिरसा से किडनैप हुई दो नाबालिक जुड़वा बहनों को रेलवे स्टेशन पानीपत से बरामद किया है। दोनों बहने सिरसा के गांव की रहने वाली है। लड़कियों ने बताया कि वह 21 तारीख को जंगलों से लकड़ियां चुनने के लिए घर से निकली तभी वहां दो महिलाएं मुंह बांधकर आई और उन्हें बेहोश कर अपने साथ ले गई। लड़कियों की मुताबिक जब वह होश में आई तो वह एक बंद कमरे में थी और वहां दो महिला और दो पुरुष भी थे।

आरोपी गाड़ी में दोनों को पानीपत लेकर आए थे और उनका ध्यान भटकने पर वह उनके चंगुल से कलकर पानीपत रेलवे स्टेशन पहुंची और ड्यूटी पर चेकिंग कर रहे हेड कांस्टेबल जगरूप सिंह के पास आकर रोने लगी। जगरूप सिंह ने तुरंत मौका संभालते हुए उन्हें सांत्वना दी और अपने साथ थाने में लाकर पूछताछ की तो लड़कियों ने अपनी आप बीती बताई। जगरूप सिंह ने तुरंत सिरसा सदर थाना में संपर्क किया जहां दोनों लड़कियों के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज है। इस बारे में सिरसा पुलिस को सूचित कर दिया गया है और लड़कियों के माता-पिता को भी इस बारे में सूचना दी गई है। लड़कियों ने बताया कि उन्हें किडनैपर महिलाओं ने मेकअप का सामान दिया गया और उन्हें सज-धज कर रहने के लिए बोला गया था। लड़कियां सारा सामान भी अपने साथ ले आई। जो उन्होंने पुलिस के सामने रखा। फिलहाल पुलिस इस मामले पर बारीकी से जांच कर रही है।

शिबास कविराज और डॉ. राजश्री सिंह बने एडीजीपी

चार आईपीएस अफसरों को मिली नई जिम्मेदारी

पंचकूला, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में 1999 बैच के आइजी रैंक के दो आइपीएस अधिकारियों शिबास कविराज और डॉ राजश्री सिंह को पदोन्नति मिली है। दोनों को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) बनाया गया है। इसके अलावा चार सीनियर आईपीएस अधिकारियों को स्थानांतरित किया गया है। हरियाणा में आईपीएस अधिकारियों को पदोन्नतियों के क्रम में गृह सचिव डॉ। सुमिता मिश्रा ने शिबास कविराज और डॉ।

राजश्री सिंह के पदोन्नति आदेश जारी कर दिए। शिबास कविराज वर्तमान में पंचकूला में पुलिस आयुक्त हैं, जबकि डा. राजश्री झज्जर में पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात हैं। राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से आलोक मित्तल को हटाते हुए अजय सिंघल को नया महानिदेशक बनाया गया है।

आलोक मित्तल को हरियाणा पुलिस आवास निगम का महानिदेशक बनाते हुए दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह हरियाणा पुलिस आवास निगम संभाल रहे थे। वहीं, खेल विभाग के प्रधान सचिव पद से हटाए गए आइपीएस अधिकारी नवदीप सिंह विर्क को हरियाणा राज्य प्रवर्तन निदेशालय में एडीजीपी लगाते हुए विजिलेंस और सुरक्षा तथा एचपीयूएस मुख्यालय पंचकूला की जिम्मेदारी दी गई है। पहले यह जिम्मेदारी अमिताभ सिंह ढिल्लों संभाल रहे थे। इसी तरह नवदीप सिंह विर्क की आइपीएस धर्मपत्नी कला रामचंद्रन को पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव पद से हटाने के बाद अजय सिंघल की जगह मानवाधिकार और मुकदमेबाजी में एडीजीपी लगाया गया है।

पिछले महीने सात आइपीएस अधिकारियों को मिली थी पदोन्नति नवंबर में वर्ष 1993 बैच के दो आइपीएस अधिकारियों आलोक मित्तल और अरशिंदर सिंह चावला को पुलिस महानिदेशक रैंक में पदोन्नति दी गई थी। इसी तरह 2011 बैच के पांच आइपीएस अधिकारियों मनीषा चौधरी, अभिषेक जोरवाल, राजेंद्र कुमार मीना, मनबीर सिंह और विरेंद्र विज को उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआइजी) बनाया गया था।

पहले दहेज मांगा, फिर प्रताड़ित किया... कनाडा से कुरियर कर भेजा तीन तलाक, केस दर्ज

नासिक, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नाशिक से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक विवाहित महिला ने अपने पति और सास-ससुर पर दहेज जैसी आर्थिक मांगें करने, मानसिक प्रताड़ना देने और अवैध तरीके से ट्रिपल तलाक भेजने का आरोप लगाया है। महिला का निकाह जनवरी 2022 में एक ऐसे व्यक्ति से हुआ था, जिसका परिवार बिहार में रहता है और पति खुद कनाडा में जॉब करता है। यह सब तब हो रहा है जबकि तिहरा तलाक भारत में पूरी तरह अवैध है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में तत्काल तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। इसके बाद 2019 में लागू हुए मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के तहत इसे आपराधिक अपराध मानते हुए तीन साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है। पीड़िता इस मानसिक तनाव के बाद मुंबईनाका पुलिस स्टेशन पहुंची और सारी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला सुरक्षा शाखा की रिपोर्ट के आधार पर पति, सास और ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर छुपाया चीता प्रोजेक्ट का सच

एमपी के चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन को सूचना आयोग का नोटिस

भोपाल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्य वन्यजीव संरक्षक को राज्य सूचना आयोग ने प्रोजेक्ट चीता से जुड़ी आरटीआई जानकारी छिपाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग ने राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की अखंडता का हवाला देकर यह जानकारी देने से इनकार कर दिया था। मुख्य सूचना आयुक्त विजय यादव ने प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) शुभ्रंरजन सेन को 12 दिसंबर को आयोग के सामने पेश होकर जवाब देने का निर्देश दिया है। इस नोटिस में उन पर जुर्माना और विभागीय जांच की चेतावनी भी दी गई है।

यह मामला तब शुरू हुआ जब वन्यजीव और आरटीआई कार्यकर्ता अजय दुबे ने जुलाई 2024 में चीता प्रबंधन से जुड़ी जानकारी मांगी थी। इसमें कूनो वन्यजीव अभयारण्य और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य से संबंधित पत्राचार शामिल था। विभाग ने आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(ए) का इस्तेमाल करते हुए यह जानकारी देने से मना कर दिया। इस धारा के तहत ऐसी जानकारी रोकी जा सकती है जो देश की संप्रभुता, अखंडता, राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक हितों या विदेशी संबंधों को प्रभावित कर सकती है।

खास बात यह है कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा स्पष्टीकरण मांगने पर भी मध्य प्रदेश वन विभाग ने यही तर्क दोहराया। एनटीसीए को लिखे जवाब में विभाग ने कहा कि चीता परियोजना में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विदेशी विशेषज्ञ शामिल हैं। जानकारी सार्वजनिक करने से इन संबंधों और परियोजना की अखंडता को नुकसान पहुंच सकता है।

जन सूचना अधिकारी सौरभ कुमार काबरा ने एनटीसीए को लिखे पत्र में कहा थाः 'खुलासे से भारत की संप्रभुता और अखंडता, या किसी विदेशी राज्य के साथ उसके संबंधों को नुकसान हो सकता है... इस योजना में भारत सरकार और मित्र राष्ट्र शामिल हैं; प्रोजेक्ट चीता के लिए भागीदार देशों के साथ समझौता ज्ञापन (मूस) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, और विदेशी विशेषज्ञों से समय-समय पर मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

' विभाग ने दक्षिण अफ्रीका, केन्या और नामीबिया की भागीदारी पर जोर दिया और प्रोजेक्ट चीता को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जनवरी 2020 में स्वीकृत एक 'महत्वपूर्ण प्रायोगिक योजना' बताया। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना का दूसरा चरण गांधी सागर अभयारण्य में प्रस्तावित है। इस पर कार्यकर्ता अजय दुबे ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा, 'यह कोई गंभीर जवाब नहीं है।

एक घंटे तक हेलिकॉप्टर का मलबा ढूंढती रही नारनौल पुलिस, फर्जी निकली क्रैश होने की सूचना

नारनौल, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डायल 112 पीड़ितों की सुरक्षा के लिए है, लेकिन कुछ लोग इस पर झूठी अफवाह फैलाकर न केवल फरियादियों की विश्वसनियता पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि पुलिस की परेशानी भी बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। इसी तरह की एक अफवाह मंगलवार सुबह डायल 112 पर किसी व्यक्ति ने नारनौल के महेंद्रगढ़ रोड स्थित एक्सिस बैंक के पास हेलीकॉप्टर क्रैश होने की सूचना देकर फैला दी। पुलिस मौके पर भी पहुंची पर अफवाह झूठी निकली। एक बार तो सूचना से प्रशासन में हड़कंप मच गया। डायल 112 पर सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके के लिए रवाना हो गईं।

ठिठुरन की जद में उत्तर भारत, दिल्ली-एनसीआर से लेकर यूपी-बिहार तक बढ़ी ठंड

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में ठंड का असर दिखना शुरू हो गया है। सुबह और शाम के समय लोगों को ठंड का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि दिन में धूप निकलने की वजह से ठंड का असर कम देखने को मिल रहा है। दिल्ली का न्यूनतम तापमान अब सिंगल डिजिट तक पहुंच गया है। आने वाले दिनों में अभी ठंड और अधिक बढ़ने के आसार हैं। राजधानी दिल्ली के अलावा उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में अब ठंड का असर दिखने लगा है।

यूपी में छाया कोहरा

दिल्ली के अलावा बात करें उत्तर प्रदेश की तो यहां ठंड काफी ज्यादा बढ़ गई है। यूपी के कई जिलों के तापमान में अचानक से बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यहां दिन की शुरुआत कोहरे के साथ हो रही है। हालांकि दिन होते-होते मौसम साफ हो जा रहा है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिन इसी तरह का मौसम रहने के आसार हैं। यूपी के अधिकतर जिलों में सुबह और शाम के समय में कंपकंपा देने वाली ठंड पड़ रही है।

बिहार में बढ़ेगी ठंड

वहीं बिहार की बात करें तो यहां भी ठंड की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिसंबर के शुरुआती सप्ताह में ही बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। यहां के अधिकतर जिलों में दिन की शुरुआत घने कोहरे के साथ हो रही है। कई इलाकों में विजिबिलिटी 500 मीटर से भी कम दर्ज की जा रही है। वहीं मौसम विभाग की मानें तो बिहार में अभी ठंड और अधिक बढ़ने वाली है। आने वाले दिनों में तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज की जाएगी।

झारखंड में शीतलहर को लेकर अलर्ट

झारखंड में भी शीतलहर को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट किया है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में झारखंड के कई इलाकों में तापमान में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। इसके अलावा 3 दिसंबर से शीतलहर जैसी स्थिति होने की संभावना जताई गई है। झारखंड में अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

इस दौरान गुमला में राज्य का सबसे न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि मौसम विभाग ने ठंड बढ़ने के आसार जताए हैं।

हिमाचल में बर्फबारी के आसार

वहीं पहाड़ी इलाकों में भी कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में मौसम खराब होने को लेकर अलर्ट जारी किया है। भारी बर्फबारी की वजह से लोगों को सड़कों पर फिसलन का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग की मानें तो बिलासपुर में 3 दिसंबर को घना कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा 4 और 5 दिसंबर को मध्यम और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं कहीं पे हल्की वर्षा और बर्फबारी की संभावना है। इलरे अलावा 5 दिसंबर को एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पश्चिम हिमालयी क्षेत्रों को प्रभावित करने की संभावना है। हिमाचल में 7 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 3 दिसंबर - 2025

जल-जंगल-जमीन: अस्तित्व की अंतिम लड़ाई

शम्भू शरण सत्यार्थी

मनुष्य ने जब पहली बार धरती का सीना चीरकर खेती शुरू की, जब उसने बीज बोकर जीवन को सम्भालना सीखा. उसने पेड़ों की छाया और नदियों के किनारे सभ्यताएँ बसाईं. तब से लेकर आज के आधुनिक, तकनीक-प्रधान दौर तक एक सत्य कभी नहीं बदला—मनुष्य और प्रकृति का रिश्ता जन्म से लेकर मृत्यु तक का अनिवार्य संबंध है, ऐसा रिश्ता जिसे न सभ्यताओं की प्रगति तोड़ सकी, न तकनीक का उन्माद, न ही पूंजीवाद की लोलुप महत्वाकांक्षा। इसीलिए आज जब हम जल-जंगल-जमीन की बात करते हैं, तो यह सिर्फ तीन शब्दों का समूह नहीं है, बल्कि यह तीन आधारस्तंभ हैं जिन पर पूरी मानवता टिकी हुई है और जब इन स्तंभों पर खतरा आता है तो सबसे पहले टूटता है किसान, आदिवासी, मजदूर और अंततः पूरा समाज।

आज जिस तेजी से जमीनें छीनी जा रही हैं, जंगलों को उजाड़ा जा रहा है, नदियों को प्रदूषित किया जा रहा है और गाँवों को विस्थापित किया जा रहा है, वह सिर्फ पर्यावरणीय संकट की कहानी नहीं है—यह राजनीतिक लालच, पूंजी का दबदबा, और गरीबों की पुकार को अनसुना कर देने वाली नीति-व्यवस्था की वह भयावह कथा है जो मानव सभ्यता को एक ऐसे मोड़ पर पहुँचा रही है जहाँ से वापसी कठिन होती जा रही है। जिस प्रकार आपने कहा कि "जमीन किसान की माँ होती है," यह सिर्फ एक रूपक नहीं, बल्कि वास्तविकता है। जमीन खोने का दर्द वही समझ सकता है जिसका जीवन इसी पर निर्भर हो, और जिसका भविष्य इसी से जुड़ा हो। जमीन सिर्फ मिट्टी नहीं, किसान की पहचान है, उसकी आजीविका है, उसका परिवार है, उसकी पीढ़ियों की सुरक्षा है। इसलिए जब कोई किसान जमीन खो देता है, तो वह सचमुच अनाथ हो जाता है-भूख, बेघरपन, असुरक्षा और शोषण का शिकार हो जाता है, ठीक वैसे ही जैसे कोई मासूम बच्चा अपनी माँ के बिना असहाय हो जाता है।

वास्तव में यह पूरा संकट अचानक पैदा नहीं हुआ। यह वर्षों से चली आ रही नीतिगत विफलताओं, राजनीतिक व्यापार, निजी कंपनियों को खुली छूट, और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन का परिणाम है। आज जल-जंगल-जमीन पर जो आक्रमण हो रहा है, वह व्यवस्थित, योजनाबद्ध और गहरे आर्थिक हितों से जुड़ा हुआ है। बड़े-बड़े प्रोजेक्टों, खनन कंपनियों, हाईवे विस्तार, स्मार्ट सिटी योजनाओं और औद्योगिक गलियारों के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीनें छीनी गईं। कहने को इसे विकास कहा गया, पर असल में यह विकास की आड़ में विनाश की प्रक्रिया थी। यह विडंबना ही है कि जिसे विकास कहा गया, उसमें सबसे अधिक "अविकसित" वही हुआ जिसके बलिदान पर ये योजनाएँ खड़ी हुईं-किसान, आदिवासी और बुनियादी जीविका पर निर्भर समाज।

कोरोना काल के दौरान जब पूरा देश ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए तड़प रहा था, जब लोग अस्पतालों के बाहर जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे थे, तब पहली बार आधुनिक मनुष्य ने समझा कि प्रकृति का मूल्य कोई आर्थिक गणना नहीं है। जिस जंगल को हम कटवा देते हैं, वह जंगल भविष्य की ऑक्सीजन लेकर खड़ा रहता है। जिन पेड़ों को हम मुनाफे की आंख से देखते हैं, वही पेड़ हमारी साँसों में प्राण भरते हैं। कोरोना काल ने हमें यह सिखाया कि पैसे से सब कुछ नहीं खरीदा जा सकता-पर्यावरण, जीवन और स्वास्थ्य, पैसा देकर वापस नहीं मिलता। ऑक्सीजन की एक साँस का मूल्य तब समझ में आया, जब पैसेवाले से लेकर साधारण आदमी तक हर कोई एक सिलेंडर के लिए लाइन में खड़ा था। यह वह दौर था जिसने दुनिया को चेताया कि प्रकृति के संसाधन सीमित हैं, और उनका संरक्षण हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

लेकिन दुर्भाग्य यह है कि चेतावनियाँ बहुत जल्दी भुला दी जाती हैं। कोरोना की त्रासदी बीते अभी दो-तीन साल ही हुए होंगे पर सरकारें फिर वही गलतियाँ दोहरा रही हैं। जंगल काटे जा रहे हैं, नदियों पर बांध बनाए जा रहे हैं, खनन कंपनियों को खुले पट्टे दिए जा रहे हैं, और जमीनों का अधिग्रहण तेज़ी से बढ़ रहा है। आदिवासी समुदाय जो सदियों से जंगलों के रक्षक रहे हैं, उनकी आवाज़ को दबाया जा रहा है। कई जगहों पर वे गोली खाकर भी जंगल की रक्षा करते दिखते हैं। मध्यप्रदेश से लेकर झारखंड और छत्तीसगढ़ तक, ऐसी अनगिनत कहानियाँ हैं जहाँ आदिवासी अपनी जान देकर भी पेड़ों को बचाने की कोशिश करते हुए दिखे।

लेकिन यह सवाल उठना जरूरी है कि आदिवासी ही क्यों लड़ें? यह लड़ाई सिर्फ आदिवासियों की नहीं है, न सिर्फ किसानों की, न सिर्फ पर्यावरणविदों की-यह लड़ाई पूरे समाज की है, पूरी मानवता की है। यह समझने की जरूरत है कि जब जंगल कटेंगे तो सिर्फ आदिवासी नहीं मरेंगे, आम आदमी भी मरेगा क्योंकि ऑक्सीजन खत्म होगी। जब नदियाँ सूखेंगी तो सिर्फ गाँव नहीं प्यासे होंगे, शहर भी प्यासे होंगे। जब जमीन खत्म होगी तो सिर्फ किसान भूख से नहीं मरेगा, पूरी अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी क्योंकि किसान ही अन्नदाता है, वही देश का पेट भरता है। आज के दौर में पूंजीपतियों और सरकारों की सांठगांठ ने जल-जंगल-जमीन को सुरक्षित संसाधन नहीं, बल्कि मुनाफे का साधन बना दिया है। खनन कंपनियों के लिए जंगल सिर्फ कोयला और खनिज निकालने का क्षेत्र है। रियल एस्टेट के लिए जमीन सिर्फ कमाई का ज़रिया है। बड़ी फैक्ट्रियों के लिए नदियाँ सिर्फ बहता हुआ कचरा डालने का माध्यम बन गई हैं। जब प्राकृतिक संसाधनों को बाजार की भाषा में तोला जाएगा, तो उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीरता कैसे आएगी? यही कारण है कि आज जल, जंगल और जमीन को बचाना दुनिया के सबसे बड़े युद्धों में से एक युद्ध बन गया है-और यह युद्ध बंदूक और बम का नहीं, बल्कि विचार, चेतना, समाज और राजनीति का युद्ध है। इस पूरे संकट का सबसे दुखद पक्ष यह है कि राजनीति ने भी इस मुद्दे को कभी ईमानदारी से नहीं उठाया। चुनाव आते हैं तो जल-जंगल-जमीन पर भाषण दिए जाते हैं, पर चुनाव जीतने के बाद इस विषय पर कोई नीति नहीं बनती। पर्यावरण सुरक्षा की बातें सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मंचों तक सीमित रहती हैं। जमीन अधिग्रहण कानूनों में संशोधन कर उन्हें और कंपनियों के पक्ष में बना दिया जाता है। आदिवासियों के वन अधिकार कानून को लागू करने में सरकारें जानबूझकर ढिलाई बरतती हैं ताकि कंपनियों को जमीन मिलने में आसानी हो। किसान आंदोलन हों या वनाधिकार आंदोलन-सरकार का रवैया ज्यादातर कठोर रहता है, जैसे किसान और पर्यावरण कार्यकर्ता विकास के दुश्मन हों।

उल्टा पडा पाकिस्तान का दांव

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच खूनी संघर्ष बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच वायरल हो रहे एक वीडियो में पाकिस्तान तहरीके इंसाफ पार्टी के नेता इमरान खान के हवाले से कहा जा रहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच अब सीमा समाप्त हो चुकी है। उनके अनुसार खैबर पख्तूनख्वा अफगानिस्तान का हो गया है तो पूरा पंजाब ऐतिहासिक रूप से भारत का है। मतलब साफ है कि अफगानिस्तान और भारत सीधे तौर पर सीमा को साझा करते हैं। इसे बंटवारे के दौरान अंग्रेजों ने ही बनाया था। एलन मस्क के ग्रोक ने भी बताया कि वीडियो में इमरान खान का बयान असली लगता है। पंजाब 1947 के विभाजन से भारत-पाक में बंटा। पाकिस्तान का बंटवारा अंग्रेजों ने किया। तालिबान शासित अफगानिस्तान के साथ अपनी सीमा बंद करने के बाद पाकिस्तान अब एक बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। यह कदम तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों को लेकर काबुल पर दबाव बनाने के लिए उठाया गया था, जिसकी कीमत इस्लामाबाद को चुकानी पड़ रही है। अफगान व्यापारियों ने अपना कारोबार ईरान और भारत की ओर ट्रांसफर करना शुरू कर दिया है। इससे पाकिस्तान को हर साल एक अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होना तय है। समस्या तब शुरू हुई जब पाकिस्तान के डीजी लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने अफगनिस्तान को चेतावनी दी कि खून और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने यह बात टीटीपी द्वारा अफ़ग़ानिस्तान के अंदर से लगातार हमले करने के तुरंत बाद कही थी। लेकिन पाकिस्तान का यह दांव उल्टा पड़ गया है। नवंबर में अफगानिस्तान के उप-प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने अफगान व्यापारियों और उद्योगपतियों से पाकिस्तान पर निर्भरता छोड़ने को कहा, और अन्य देशों की ओर रुख़ करने का निर्देश दिया था। इस बदलाव का पाकिस्तान के निर्यात पर पहले ही गहरा असर पड़ा है। अकेले अक्टूबर में अफगानिस्तान को निर्यात में 57% की गिरावट आई है। 2024 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 80 करोड़ डॉलर मूल्य का माल निर्यात किया था। इसके अलावा, अफगान पारगमन मार्गों के जरिए मध्य एशियाई देशों को 27 करोड़ डॉलर मूल्य का माल भेजा गया। अरबों रुपये की दवाइयाँ ले जा रहे दर्जनों कंटेनर सीमा पर फंसे हैं। निकासी के इंतजार में इन दवाइयों पर बर्बादी का खतरा मंडरा रहा है। पाक-अफगान संयुक्त वाणिज्य एवं उद्योग मंडल ने भी चिंता जताई है। लंबे समय तक सीमा बंद रहने के बाद पाकिस्तान का सीमेंट उद्योग भी प्रभावित हुआ है। अफगान कोयले का आयात और सीमेंट निर्यात पूरी तरह से ठप होने के कारण पाकिस्तानी निर्माताओं को दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और मोजाम्बिक से ज्यादा महंगे कोयले का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। अफगानिस्तान भी प्रभावित हुआ है, लेकिन उसने जल्दी ही विकल्प तलाश लिए। अफगानिस्तान का लगभग 41% निर्यात मुख्य रूप से खानपान की चीजें और कोयला पाकिस्तान जाता है। वह अपनी लगभग 14% प्रत्यक्ष वस्तुओं का आयात भी पाकिस्तान से करता है। लेकिन पाकिस्तान द्वारा सीमा फिर से खोलने का इंतजार करने के बजाय काबुल ने अपना रुख भारत की ओर कर लिया है। तालिबान सरकार अब ईरान में भारत द्वारा संचालित चाबहार बंदरगाह का उपयोग बढ़ा रही है। वह भारत और मध्य एशियाई देशों के साथ और अधिक व्यापारिक साझेदारियां भी तलाश रही है।

दिव्यांगता नहीं, विकलांग सोच-समाज की असली बाधा

आरके जैन

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस, तीन दिसंबर-वह दिन है जब दुनिया एक क्षण को ऐसा व्यवहार करती है मानो उसकी अंतरात्मा अचानक जाग उठी हो। मानो सामूहिक नींद से उठकर उसे एक पूरे समुदाय का खयाल अचानक याद आ गया हो। सुबह होते ही सोशल मीडिया नीले-पीले रिबन और चमकदार हैशटैग से पट जाता है। सेलिब्रिटी अपनी सतही संवेदनाएँ उछालते हैं-"दिव्यांग नहीं, दिव्य-अंग!"-जैसे यह जुमला उनके भीतर किसी गहरी समझ का आलोक जगाता हो। सरकारी दफ्तरों में घिसी-पिटी भाषण-पुस्तिकाएँ खुलती हैं, स्कूलों में औपचारिक प्रतियोगिताएँ होती हैं, और शाम तक संवेदना का रंग उतनी ही जल्दी फीका पड़ जाता है जितनी जल्दी चढ़ा था। अगले दिन फिर वही पुराना अँधेरा, वही घिसी अनदेखी। यह दिन अब अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस कम, अंतर्राष्ट्रीय पाखंड दिवस ज्यादा है-जहाँ एक दिन की मिठी भावुकता पूरे साल की बेरहम उदासीनता को ढकने की नाकाम कोशिश करती है।

समाज जिस समूह को "कमज़ोर" मानता है, उस समूह की कहानियाँ असल में किसी भी क्रांति से कम नहीं। जिन्हें डॉक्टरों ने जन्म के साथ ही सीमाओं की सजा सुना दी थी-"चल नहीं पाएगा, कर नहीं पाएगा"-वे अपनी व्हीलचेयर को संघर्ष नहीं, बल्कि गति, जिजीविषा और आज़ादी का प्रतीक बना देते हैं। जिनसे स्कूलों ने कहा-"रैम्प नहीं है, पढ़ाई मुश्किल होगी"-वे सीढ़ियों पर नहीं, सोच की अड़चनों पर चढ़कर दिखाते हैं कि असली सीमा इमारत की है, इंसान की नहीं। जिन पर यह ठप्पा लगाया गया-"तुम किसी को खुश नहीं रख सकते"-वे प्रेम को इतनी गहराई से जीते हैं कि शरीर की सभी सीमाएँ उसमें विलीन हो जाती हैं। इस दुनिया की सबसे बड़ी समस्या विकलांगता नहीं, बल्कि वह विकलांग सोच है जो इंसान को उसकी आत्मा के उजाले के बजाय शरीर की सीमाओं से तोलने लगती है। वही सोच, जो करुणा के नाम पर सहानुभूति को मोहरा बना लेती है-नौकरी देने के वक्त हिचकिचाती है, पर दिखावे की तारीफ़ करने में सबसे आगे रहती है। जो सामने मुस्कुराकर कहती है, "आप सच में प्रेरणा हैं", लेकिन अवसर देने की ज़िम्मेदारी आते ही अपनी आँखें, अपने दरवाज़े और अपना मन तीनों बंद कर लेती है और उसके बहाने आसमान छूने लगते हैं। समाज शाबाशी देने में उदार है, लेकिन बराबरी देने में कंजूस; मुस्कान बाँटने में उदार है, पर जिम्मेदारी सौंपने में डरपोक। ऐसी सोच न सिर्फ़ विकास रोकती है, बल्कि उस समाज की असली पहचान खोल देती है जहाँ इंसानों को नहीं, उनकी सीमाओं को देखा जाता है। दया एक मीठा-सा ज़हर है-ऊपर से मीठा, भीतर उतरते ही काटने वाला। वही लोग जो व्हीलचेयर धकेलने में सौजन्य दिखाते हैं, वही लोग ऑफिस में वही व्यक्ति अपनी कुर्सी पर बैठा देखकर असहज हो जाते हैं। मंचों पर ताली बजाकर उन्हें "हीरो" कहा जाता है, लेकिन रोज़मर्रा की ज़िंदगी में वही लोग उन्हें एक आम इंसान की तरह स्वीकार करने में काँपने लगते हैं। "विशेष" कहना दरअसल समाज का बचाव-कवच है-एक सुविधाजनक बहाना। "विशेष" को पूजना आसान पड़ता है, क्योंकि उससे कोई बदलाव नहीं माँगता। कठिनाई तब आती है जब बात रैम्प बनाने, बसों को सुलभ करने, दफ़्तरों और वेबसाइटों को सचमुच उपयोगी बनाने की हो-क्योंकि इसमें मेहनत चाहिए, नज़र का बदलाव चाहिए, और सबसे बढ़कर, बराबरी की वह ईमानदारी चाहिए जिससे समाज अक्सर बच निकलता है। सच यह है कि असली अपराध किसी व्यक्ति में नहीं, उस व्यवस्था में छिपा है जो उसे रोकती है।

भोपाल गैस त्रासदी से निकलते जहरीले सवाल

योगेश कुमार गोयल

1984 में 2-3 दिसम्बर की रात भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया था, जिसके जख्म आज तक नहीं भरे हैं। भयानक गैस त्रासदी की उस घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 2-3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। हालांकि इसी साल भोपाल के जहरीले कचरे का निपटान किया जा चुका है किन्तु भोपाल गैस कांड को 41 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं।

भोपाल गैस त्रासदी पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाली थी कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया था जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा था, आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 40 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हुए हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे।

हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। उस कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए।

जिन लोगों के फेफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? दुर्घटना के चार दिनों बाद 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल अध्यक्ष एवं सीईओ वारेन एंडर्सन की गिरफ्तारी हुई थी किन्तु विड़म्बना देखिये कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी के महज छह घंटे बाद मात्र 2100 डॉलर के मामूली जुर्माने पर रिहा कर दिया गया था। उसके बाद वह अवसर का लाभ उठाते हुए भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया, जिसे भारत लाकर सजा देने की मांग निरन्तर उठती रही लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में विफल रही। 29 सितम्बर 2014 को वारेन एंडर्सन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का रूख इस पूरे मामले में संवेदनहीन ही रहा। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को भले ही जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यही है कि इस गैस त्रासदी के 41 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है।

राष्ट्रीय हितों व डिजिटल संप्रभुता की दीर्घकालिक रक्षा का विश्लेषण

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल युग में वैश्विक शक्ति-संतुलन तेल से डेटा की ओर, भू-राजनीति से तकनीक-राजनीति की ओर और पारंपरिक व्यापार से डिजिटल व्यापार की ओर निर्णायक रूप से स्थानांतरित हो चुका है। ऐसे समय में भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसे दो समानांतर दवाबों और अवसरों का सामना करना पड़ रहा है-एक ओर वैश्विक डिजिटल व्यापार समझौतों में सम्मिलित होकर तीव्र होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्वयं को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, वहीं दूसरी ओर स्वदेशी डिजिटल क्षमताओं, डेटा संसाधनों, तकनीकी नीति-निर्माण और डिजिटल संप्रभुता की रक्षा करने की अनिवार्यता भी है। समस्या का केंद्रबिंदु यह है कि कई डिजिटल व्यापार समझौते ऐसे प्रावधानों से भरे हुए हैं जो सतही तौर पर मुक्त, सहज और त्वरित डिजिटल प्रवाह की वकालत करते हैं, किंतु वस्तुतः वे विकासशील देशों की नीति स्वायत्तता, घरेलू तकनीकी उद्योग, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमताओं को कमजोर करते हैं।

भारत की स्थिति विशेष रूप से इसलिए संवेदनशील है क्योंकि भारत एक विशाल डिजिटल बाजार, अत्यधिक उपभोग आधारित डेटा-संपदा, और वैश्विक मूल्य-श्रृंखला का उभरता हुआ तकनीकी केंद्र है। अतः डिजिटल व्यापार समझौते भारत की डिजिटल प्रगति के लिए अवसर भी हैं और जोखिम भी। यह समझना आवश्यक है कि कैसे ये समझौते भारत की स्वदेशी क्षमताओं को प्रभावित करते हैं और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए क्या संरचनात्मक सुधार अपेक्षित हैं।

डिजिटल व्यापार समझौतों का सबसे बड़ा प्रभाव भारत की नियामक स्वायत्तता पर पड़ता है। विकसित देशों द्वारा संचालित ऐसे समझौते अक्सर डेटा के मुक्त प्रवाह, डेटा स्थानीयकरण पर प्रतिबंध, डिजिटल सेवाओं पर गैर-भेदभाव, सोर्स कोड की सुरक्षा और स्वामित्व एल्गोरिदम के खुलासे पर रोक जैसी धाराओं को सम्मिलित करते हैं। ये प्रावधान भारत जैसे देश के लिए समस्यात्मक इसलिए हैं क्योंकि भारत अभी भी अपने डेटा शासन मॉडल, डिजिटल सुरक्षा ढाँचे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की रणनीति को धीरे-धीरे विकसित कर रहा है। भारत को यह अधिकार होना चाहिए कि वह डेटा कहाँ संग्रहीत हो, कौन इसका उपयोग करे, और इसका वाणिज्यिक व सामरिक महत्व किस प्रकार परिभाषित हो। यदि ये अधिकार किसी बहुपक्षीय समझौते में सीमित हो जाते हैं, तो भारत की नीति-निर्माण क्षमता बाधित हो जाती है। डेटा स्थानीयकरण भारत के लिए केवल एक तकनीकी या वाणिज्यिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, साइबर संप्रभुता, डिजिटल न्याय और आर्थिक अवसरों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जब डिजिटल व्यापार समझौतों में यह शर्त होती है कि कोई देश डेटा स्थानीयकरण लागू नहीं कर सकता, या केवल सीमित परिस्थितियों में कर सकता है, तो इसका परिणाम यह होता है कि भारत अपने डेटा को विदेशी क्लाउड, विदेशी कंपनियों और विदेशी सर्वर संरचनाओं पर निर्भरता के साथ संचालित करने को बाध्य हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप एआई मॉडल, बिग डेटा एनालिटिक्स, नागरिक डिजिटल सेवाएँ और वित्तीय सुरक्षा प्रणाली विदेशी नियंत्रण-क्षेत्र में चली जाती हैं, जो दीर्घकाल में भारत की तकनीकी स्वतंत्रता को कमजोर करता है। स्वदेशी डिजिटल क्षमताओं पर दूसरा बड़ा प्रभाव डिजिटल औद्योगिक नीतियों पर लगने वाली सीमाओं के रूप में सामने आता है। डिजिटल व्यापार समझौते प्रायः यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी देश विदेशी डिजिटल सेवा प्रदाताओं या डिजिटल व्यापार कंपनियों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण नीति नहीं अपनाएगा। लेकिन भारत के संदर्भ में यह "भेदभाव" अक्सर नीतिगत प्रतिबंध बन जाता है। उदाहरण के लिए, यदि भारत घरेलू क्लाउड सेवा प्रदाताओं को बढ़ावा देना चाहता है, या घरेलू एआई अवसंरचना का विकास करना चाहता है, तो यह सुनिश्चित करना कठिन हो जाएगा यदि समझौतों में विदेशी कंपनियों के लिए अनिवार्य "नॉन-डिसक्रिमिनेशन" या "नेशनल ट्रीटमेंट" जैसी शर्तें शामिल हों।

सोर्स कोड और एल्गोरिदमिक पारदर्शिता भी एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ डिजिटल व्यापार समझौते भारत की क्षमता-निर्माण को बाधित कर सकते हैं। कई समझौतों में यह शर्त होती है कि कोई भी सदस्य-देश विदेशी कंपनियों से सोर्स कोड या एल्गोरिद्मिक जानकारी की मांग नहीं करेगा। सतही तौर पर यह बौद्धिक संपदा की सुरक्षा जैसा प्रतीत होता है, परंतु वास्तविकता यह है कि इससे घरेलू प्रतिस्पर्धा, स्वदेशी तकनीकी नवाचार और नियामकीय पारदर्शिता प्रभावित होती है।

भारत यदि एआई मॉडल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, वित्तीय तकनीक या साइबर सुरक्षा ढाँचों को नियंत्रित करना चाहता है, तो उसे यह समझने की आवश्यकता है कि इन तकनीकों का मूल संरचनात्मक व्यवहार क्या है। लेकिन यदि समझौते इसे कानूनी रूप से असंभव बना दें, तो भारत एक सतही उपभोक्ता मात्र बनकर रह जाता है, निर्माता नहीं। डिजिटल व्यापार समझौतों का एक और गंभीर प्रभाव वैश्विक तकनीकी कंपनियों से कराधान के अधिकार पर पड़ता है।

कुर्सी, कागज़ और 'व्यस्तता' का विराट पाखंड

डॉ. सुरेश कुमार

आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकट यह नहीं है कि हम काम नहीं करते, बल्कि यह है कि हम लगातार काम करने का दिखावा करते हैं, और इस दिखावे को ही हमने 'कार्य' मान लिया है। हमारी आधुनिक सभ्यता का शिखर वह व्यक्ति है जो चौबीस घंटे 'व्यस्त' दिखाई देता है, भले ही उसकी व्यस्तता का कुल राष्ट्रीय उत्पादन में योगदान एक टूटी हुई चवन्नी जितना भी न हो। यह 'व्यस्तता' हमारे समाज का नया आभूषण है, जिसे ओढ़कर हर अधिकारी, हर बाबू और यहाँ तक कि हर मामूली आदमी भी खुद को 'अपरिहार्य' सिद्ध करने की दौड़ में लगा है। मैंने ऐसे कई महानुभावों को देखा है जो अपनी मेज पर चाय की तीन खाली प्यालियाँ, दो अधूरी फाइलें और एक ऐसा कैलेंडर रखते हैं जिसमें पिछले तीन महीने की तिथियाँ लाल स्याही से चिह्नित होती हैं, ताकि देखने वाले को सहज ही विश्वास हो जाए कि यह प्राणी अपनी व्यक्तिगत समस्याओं से ऊपर उठकर राष्ट्रीय चिंताओं के बोझ से दबा हुआ है। कुर्सी पर बैठते ही इन महापुरुषों का असली काम शुरू होता है-काम करना नहीं, बल्कि 'अहमियत' को सिद्ध करना। वे हर आने वाले को दस मिनट तक इंतज़ार कराते हैं, ताकि वह समझ जाए कि 'कार्यपालिका' की धुरी पर कितना दबाव है, और जब वह अंदर आता है, तो वे तुरंत फ़ोन उठाकर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते हैं, हाँ, उस अति-आवश्यक योजना का क्या हुआ? फौरन मुझे रिपोर्ट भेजो!-यह रिपोर्ट कभी भेजी नहीं जाती, न उन्हें इसकी चिंता होती है, पर दर्शनार्थी पर 'व्यस्तता' का प्रभाव पड़ जाता है, और यही उनका असली उद्देश्य है। हमारे आधुनिक कार्य-संस्कृति का एक और महान स्तंभ है-'मीटिंग'। मीटिंग वह पवित्र अनुष्ठान है जहाँ काम की मौत को सामूहिक सहमति से वैध किया जाता है। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य किसी समस्या का समाधान ढूँढ़ना नहीं, बल्कि उस समाधान की ज़िम्मेदारी को एक उप-समिति के कंधों पर धकेलना होता है, जिसका गठन फिर एक और मीटिंग में होना तय होता है। यह मीटिंग एक ऐसा ब्लैक होल है, जिसमें जाने वाले का समय, ऊर्जा और मूल समस्या-तीनों विलीन हो जाते हैं। पाँच मिनट के काम पर तीन घंटे चर्चा होगी, जिसमें सबसे ज़्यादा समय इस बात पर बर्बाद होगा कि पिछली मीटिंग में लिए गए निर्णय पर कार्यवाही क्यों नहीं हुई। और कार्यवाही क्यों नहीं हुई? क्योंकि पिछली बार भी ज़िम्मेदारी एक और उप-समिति को सौंपी गई थी जो कभी मिली ही नहीं! मीटिंग के दौरान सभी गम्भीरता का मुखौटा ओढ़कर बैठते हैं, बीच-बीच में 'विजन', 'मिशन', 'आउटकम' जैसे अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग करते हैं और चाय-बिस्किट के साथ एक-दूसरे की पीठ खुजाते रहते हैं। अंत में, एक ऐसा 'मिनट्स ऑफ मीटिंग' तैयार होता है जिसे न तो कोई पढ़ता है, न समझता है, पर जिसके आधार पर अगली मीटिंग बुलाई जाती है-इस तरह, काम एक चक्रव्यूह में फँसकर अनंत काल तक चलता रहता है, और हम संतोष कर लेते हैं कि 'प्रक्रिया' जारी है। विडम्बना यह है कि आधुनिक तकनीक ने हमारी इस पाखंडी व्यस्तता को ईश्वरीय वरदान दे दिया है। पहले काम को लटकाने के लिए फाइलें रोकनी पड़ती थीं, अब 'ईमेल' है। आप चौबीस घंटे ईमेल भेज सकते हैं, लेकिन जवाब देने की कोई नैतिक या कानूनी बाध्यता नहीं है। एक बाबू एक साधारण-सी बात को समझाने के लिए दस पृष्ठों की एक 'पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन' बनाता है, जिसमें रंगीन ग्राफिक्स, अनावश्यक डेटा और 'पारदर्शिता' के नाम पर अस्पष्टता भरी होती है। यह प्रेजेंटेशन इसलिए नहीं बनाई गई कि कोई इसे समझे, बल्कि इसलिए बनाई गई है ताकि 'प्रेजेंटर' की 'क्षमता' सिद्ध हो सके और वह कल एक सीनियर प्रेजेंटर बन सके। हमारी यह पूरी व्यवस्था ही परिणामों को नहीं, बल्कि कागज़ी सबूतों को पूजती है। असली उपलब्धि शून्य हो सकती है, लेकिन यदि आपके पास दस भरी हुई फाइलें, सौ भेजे गए ईमेल और मीटिंग के बीस 'मिनट्स' हैं, तो आप इस देश के सबसे बड़े 'कर्मयोगी' माने जाएँगे। काम करना तो जोखिम भरा है, क्योंकि उसमें गलती हो सकती है। असली बुद्धिमानी तो यह है कि ऐसी फाइलें तैयार की जाएँ जो इतनी जटिल हों कि कोई उन्हें छूने की हिम्मत न करे, और इस तरह आप 'अति-व्यस्त' और 'अति-महत्वपूर्ण' बने रहें। सच कहा जाए तो हमारी इस 'व्यस्तता' का उत्सव हमारी सामूहिक आत्मा की सबसे बड़ी हार है। हम जानते हैं कि देश को सड़क चाहिए, शिक्षा चाहिए, न्याय चाहिए, लेकिन हम इसके बजाय रोज़ाना हज़ारों 'समिति' रिपोर्टें, 'कार्यवाही' पत्र और 'अद्यतन' ज्ञापन तैयार करने में अपनी सारी ऊर्जा खर्च कर रहे हैं।

तिरुपति बालाजी मंदिर के 5 बड़े रहस्य

भगवान को क्यों पहनाते हैं साड़ी और धोती?

देश के हर कोने में बने मंदिर खुद में कई रहस्य समेटे हुए हैं, लेकिन तिरुमाला का तिरुपति बालाजी मंदिर अपने आप में अनोखा मंदिर है. यह मंदिर भक्तों के लिए आस्था का केंद्र तो है ही, लेकिन साथ ही ये मंदिर कई रहस्यों को खुद में छिपाए हुए हैं. आज हम आपको तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े अनसुने रहस्यों के बारे में बताएंगे।

दही-चावल का भोग

आंध्र प्रदेश के तिरुमाला में तिरुपति बालाजी मंदिर स्थित है. यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार श्रीवेंकटेश्वर स्वामी को समर्पित है. भक्तों का मानना है कि कलयुग में यहीं भगवान का निजी निवास है, इसलिए इस मंदिर में मांगी गई हर मन्नत भगवान पूरी करते हैं। तिरुपति बालाजी मंदिर का लड्डू प्रसाद के रूप में बहुत प्रसिद्ध है और लोग दूर-दूर से मंदिर में चढ़ने वाले प्रसाद को ग्रहण करने के लिए आते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लड्डू के अलावा भगवान तिरुपति बालाजी को दही-चावल खिलाने की परंपरा है? सबसे पहले उन्हें दही-चावल का भोग लगता है. दही-चावल का भोग लगाने की प्रथा एक भक्त की भक्ति के बाद से शुरू की गई थी।

तिरुपति में क्यों चढ़ाते हैं बाल?

तिरुपति बालाजी मंदिर में बाल चढ़ाने की परंपरा है. माना जाता है कि भगवान विष्णु ने कुबेर से ऋण लिया था और वादा किया था कि जब तक कलयुग खत्म होगा, तब तक सारा ऋण चुका दिया जाएगा. उसी ऋण को चुकाने के लिए भक्त मनोकामना पूरी होने पर बालों का दान करते हैं. बाल का दान ऋण की किस्त के तौर पर देखा जाता है. इस प्रथा को लेकर कई किंवदंतियां भी प्रचलित हैं.

बालाजी को पहनाते हैं धोती और साड़ी

तिरुपति बालाजी मंदिर की प्रतिमा बहुत खास है. माना जाता है कि प्रतिमा के पीछे हमेशा समुद्र की लहरों की आवाज आती है. जिन लोगों ने भी प्रतिमा के पीछे कान लगाकर सुना है, उन्हें समुद्र की लहरों की आवाज सुनाई दी है. इसके अलावा, प्रतिमा को मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का रूप माना जाता है, इसलिए बालाजी को स्त्री और पुरुष दोनों के वस्त्र पहनाने की परंपरा रही है.

यह भी पढ़ें: कोंडामेश्वरी मंदिरः जहां हर साल लगता है बिच्छुओं का मेला, एक दिन के लिए सारा जहर अपने अंदर खींच लेती हैं देवी!

प्रतिमा पर असली बाल

तिरुपति बालाजी मंदिर की प्रतिमा पर असली बाल लगे हैं. माना जाता है कि प्रतिमा पर लगे बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा काले और चमकदार रहते हैं।

गर्मियों में भगवान को आता है पसीना

बालों के अलावा श्री वेंकटेश्वर स्वामी की प्रतिमा को गर्मियों में पसीना आते हुए भी देखा गया है. तिरुपति बालाजी मंदिर में हमेशा एक दीया जलता रहता है. माना जाता है कि दीए में कोई भी तेल या घी नहीं डालता, लेकिन फिर भी दीया लगातार जलता रहता है. ये दीया सभी के लिए रहस्य बना हुआ था।

गुरुवार को मार्गशीर्ष पूर्णिमा और भगवान दत्तात्रेय का प्रकट उत्सव

पवित्र नदियों में स्नान करने और दान-पुण्य करने की परंपरा

गुरुवार, 4 दिसंबर को अगहन (मार्गशीर्ष) मास की अंतिम तिथि पूर्णिमा है। इस तिथि पर भगवान दत्तात्रेय का प्रकट उत्सव भी मनाया जाता है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य और भगवान विष्णु, दत्तात्रेय का पूजन करने की परंपरा है। मान्यता है कि इस पूर्णिमा पर स्नान और दान करने से उतना पुण्य मिलता है, जितना पुण्य यज्ञ करने से मिलता है।

मार्गशीर्ष मास में भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती है, क्योंकि द्वापर युग श्रीकृष्ण ने मार्गशीर्ष मास को खुद का स्वरूप बताया था। इसका जिक्र महाभारत, श्रीमद्भगवद् गीता में है। इस दिन तीर्थ या किसी पवित्र नदी में स्नान करके दान करने से जाने-अनजाने में किए गए पापों का नाश होता है। इस महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर गीता जयंती मनाई जाती है, इसलिए पूर्णिमा पर गीता का पाठ भी करना चाहिए।

ये है भगवान दत्तात्रेय अवतार की कथा

श्रीमद् भगवद् पुराण में बताया गया है कि दत्तात्रेय विष्णु जी के अवतार हैं। उनका जन्म मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर प्रदोष काल में हुआ था। प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के आसपास का समय।

अनुसुइया और अत्रि मुनि की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उनके पुत्र के रूप में जन्म लिया था। अत्रि मुनि के घर पुत्र रूप में आने से विष्णु जी दत्त और अत्रि पुत्र होने से आत्रेय कहलाए। दत्त और आत्रेय के संयोग से उनका नाम दत्तात्रेय पड़ा। इनकी माता अनुसुइया अपने पतिव्रत धर्म की वजह से प्रसिद्ध हैं।

एक बार देवी सरस्वती, महालक्ष्मी और सती माता को अपने पतिव्रत धर्म पर बहुत गर्व हो गया था। उस समय नारद मुनि ने तीनों देवियों को अनुसुइया के बारे में बताया और कहा कि अनुसुइया का पतिव्रत धर्म सबसे महान है।

तीनों देवियों ने नारद मुनि की बात सुनकर अपने-अपने पतियों से कहा कि वे अनुसुइया के पतिव्रत धर्म की परिक्षा लें। तीनो देवियों की बात मानकर ब्रह्मा, विष्णु और महेश साधुवेश में अनुसुइया की परीक्षा लेने पहुंच गए।

तीनों साधुओं ने अनुसुइया से निर्वस्त्र होकर भिक्षा देने के लिए कहा। सती अनुसुइया ने अपने तप बल से तीनों साधुओं को छः-छः माह का शिशु बना दिया और फिर उन्हें स्तनपान कराया और अपने पास ही रख लिया। जब बहुत समय तक तीनों देव देवियों के पास नहीं पंहुचे, तब तीनों देवियां अनुसुइया के पास पहुंची और उनसे प्रार्थना की कि वे तीनों देवों फिर से उनका स्वरूप लौटा दें। अनुसुइया ने तीनों बालकों को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का स्वरूप लौटा दिया। तीनों देवताओं ने अनुसुइया से प्रसन्न होकर उनके यहां पुत्र रूप में जन्म लेने का वर दिया। बाद में अनुसुइया के गर्भ से ब्रह्मा के अंश से चंद्र, शिव जी के अंश से दुर्वासा और विष्णु जी के अंश से दत्तात्रेय का जन्म हुआ।

आपकी सोच और जिंदगी को बदल देंगे बाबा नीम करौली के ये 6 अद्भुत विचार

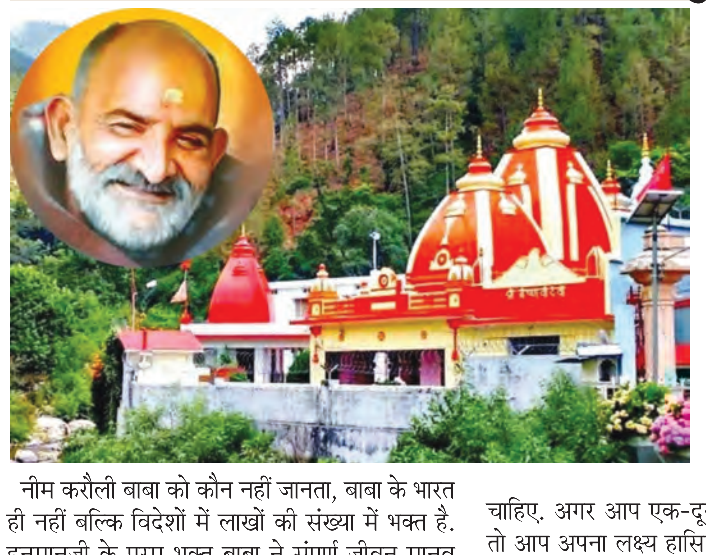

नीम करौली बाबा को कौन नहीं जानता, बाबा के भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में लाखों की संख्या में भक्त है. हनुमानजी के परम भक्त बाबा ने संपूर्ण जीवन मानव कल्याण के लिए कार्य किया और उनके विचार व सीखें आज भी लाखों लोगों को नई दिशा देती हैं. चाहे तनाव से जूझता युवा हो, करियर में आगे बढ़ने की कोशिश करता कोई प्रोफेशनल या जीवन में स्थिरता खोजता कोई साधारण व्यक्ति, बाबा की सरल बातें हर किसी के दिल तक पहुंचती हैं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं. माना जाता है कि उनके विचार ना केवल मन को हल्का करते हैं, बल्कि व्यक्ति को ऐसे रास्ते दिखाते हैं जो सफलता और संतुलन दोनों तक ले जाते हैं. आइए जानते हैं नीम करौली बाबा के जीवन बदल देने वाले विचार...

माया हमें अच्छे से दूर करती है

जिस भौतिक दुनिया को हम देखते हैं, वह एक भ्रम है, जो हमें अस्तित्व की प्रकृति को समझने से भटकाती है. भगवान ने हमें 5 इंद्रियां दी हैं, इन्हें अच्छे कार्यों और भगवान को पाने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए.

प्रक्रिया पर भरोसा रखें और दिल खोलकर रखें

जीवन एक यात्रा है और हमें उन परिस्थितियों पर विश्वास रखना चाहिए, जिनसे हम गुजरते हैं. रास्ता चाहे अनिश्चित हो, अपनी गलतियों से सीखना और अनुभवों व परिणामों के लिए खुले रहना जरूरी है.

अगर कोई व्यक्ति आपको दुख पहुंचाए, तो उसे भी प्रेम दें

प्रेम सभी बुरी भावनाओं पर भारी पड़ता है, इसलिए दर्द के बावजूद दयालु और सहानुभूति रखना बेहतर है. उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी सजा है, किसी को अपने दिल से निकाल देना. आपको सबको भगवान की तरह प्रेम करना चाहिए और एक-दूसरे से प्रेम करना चाहिए. अगर आप एक-दूसरे से प्रेम नहीं कर सकते, तो आप अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते।

अपने दिल को साफ रखें, तभी भगवान को देख पाएंगे

ईश्वर को उसके असली रूप में अनुभव करने के लिए हमें अपने अंदर काम करना होगा. इसके लिए हमें स्वार्थ, बुरी आदतों और भौतिक इच्छाओं को छोड़ना होगा, जो हमें भगवान से मिलने से रोकती हैं. दूसरों के लिए समर्पित और प्रेम से भरा निःस्वार्थ जीवन हमें स्पष्टता पाने और अपने अंदर भगवान को महसूस करने में मदद करता है।

स्पष्टता भीतर से आती है

असली स्पष्टता मन से आती है, जिसके लिए दुनियावी इच्छाओं को छोड़ना और आत्म-चिंतन, अंतर्ज्ञान और आत्म-विश्वास पर ध्यान देना जरूरी है. अपने भीतर झांकने से आप जान पाते हैं कि आप कौन हैं, जिससे आप उन चीजों से मुक्त हो जाते हैं जो आपके किसी काम की नहीं हैं।

एक जगह टिकना परेशानी का कारण

जीवन में हमेशा गतिशील रहना और निर्लिप्त व शुद्ध रहना जरूरी है. बाबा ने कहा कि चलता हुआ योगी और बहती हुई नदी... वहां कभी गंदगी, मैल या अशुद्धि नहीं टिकती. अगर मैं यहीं रुक जाऊं, तो लगाव पैदा हो जाएगा।

बीमा कंपनी के आदेश को आयोग ने निरस्त किया

माया है क्या? साधारण भाषा में इसको जादू कहते हैं और अंग्रेजी में इल्यूज़न। जादू वही होता है, जो दिखता है वो होता नहीं, जो होता है वो दिखता नहीं। माया भी ऐसी है। दुनिया का सबसे बड़ा जादूगर वो ऊपर बैठा ईश्वर है। इसीलिए उसको मायापति भी कहा है। तो शिव जी ने पार्वती जी से कहा- प्रभु माया बलवंत भवानी, जाहि न मोह कवन अस ग्यानी। प्रभु की माया बड़ी बलवती है।

ऐसा कौन ज्ञानी है, जिसे वह ना मोह ले? यहां माया के साथ ज्ञानी शब्द आया है। यानी बड़े से बड़े समझदार, विद्वान, तपस्वी को भी माया अपने चक्कर में ले लेती है। एक शब्द है डी-क्लटर। इसका अर्थ है जो भी गैर जरूरी है, उसे हटा देना। हम अपने जीवन में बहुत सारी गैर जरूरी चीजें लाद लेते हैं। हम माया से मोहित होकर समझते हैं कि ये सब हमारे लिए जरूरी हैं। आजकल तो माया मोबाइल में नोटिफिकेशन के जरिए आती है। दिन भर जो कुछ भी मोबाइल पर हमारे पास आता है, सब माया है। पर जिन्हें माया से बचना हो, उन्हें गैर जरूरी बातें हटा देनी चाहिए।

पढ़ाई में आ रही अड़चन? भाग्य भी नहीं दे रहा आपका साथ?

राहु नौवें भाव के सकारात्मक प्रभाव

1. नई सोच और अलग नजरिया

इस जगह पर राहु होने से व्यक्ति की सोच बहुत आगे की होती है. वह पुराने ढर्रों पर नहीं चलता और नई राह बनाने में यकीन रखता है।

2. विदेश यात्रा और बड़े मौके

कुंडली में राहु नौवें भाव में हो तो विदेश जाने, दूर की यात्रा करने या बाहर से जुड़े काम करने के मौके बढ़ जाते हैं. कई लोग बाहर पढ़ने या वहां काम करने का मौका भी पा लेते हैं।

3. उच्च शिक्षा में दिलचस्पी

व्यक्ति को पढ़ाई, रिसर्च या गहरी सीख में रुचि रहती है. वह किसी एक विषय को बहुत गहराई से समझ सकता है, खासकर टेक्नोलॉजी, साइकोलॉजी, रहस्यवाद या आध्यात्मिकता से जुड़े क्षेत्रों में।

4. किस्मत का अनोखा साथ

राहु जहां भी बैठता है वहां अचानक मौके देता है. नौवें भाव में होने पर यह व्यक्ति की किस्मत को अजीब ढंग से चमका सकता है-जहां उम्मीद न हो, वहां से फायदा मिल जाता है.

राहु नौवें भाव के नकारात्मक प्रभाव

1. पिता या गुरु से मतभेद

यह पोज़िशन कभी-कभी पिता, गुरु या बड़े लोगों से दूरी या गलतफहमी पैदा कर देती है. इंसान सलाह सुनना कम पसंद करता है।

2. धर्म या विश्वास में अस्थिरता

राहु व्यक्ति को परंपराओं से हटकर चलने पर मजबूर कर सकता है, जिससे अंदर उलझन पैदा होती है कि असल में सही क्या है.

3. किस्मत में उतार-चढ़ाव

भाग्य हर समय सपोर्ट नहीं करता. कई बार मेहनत का रिज़ल्ट देर से मिलता है या उम्मीद के हिसाब से नहीं मिलता.

4. ज़रूरत से ज्यादा उम्मीदें

राहु इंसान के अंदर बहुत ऊंची चाह पैदा करता है, लेकिन जब चीजें प्लान के अनुसार न हों तो निराशा बढ़ जाती है.

राहु नौवें भाव के आसान उपाय

1. पिता और गुरुओं का सम्मान करें

राहु को शांत करने का सबसे आसान तरीका है-बड़ों का आशीर्वाद लेना. इससे किस्मत अपने आप मजबूत होती है।

2. शनिदेव और माता सरस्वती की पूजा

शनिवार को दीप जलाना और बुधवार को माता सरस्वती की वंदना करना राहु के असर को संतुलित करता है।

3. चावल, काले तिल या नीले कपड़े दान

राहु से बने तनाव हटते हैं और मन हल्का होता है. खासकर शनिवार या बुधवार को दान करना शुभ माना जाता है।

4. ध्यान और मंत्र जप

"ॐ रां राहवे नमः" मंत्र का जप रोज या बुधवार-शनिवार को करने से राहु का भ्रम कम होता है और मन साफ चलता है.

5. गलत संगत से दूरी

राहु कभी-कभी इंसान को गलत रास्ते की तरफ खींचता है. अच्छी संगत में रहना और सही फैसले लेना बहुत मदद करता है।

गुरु का राशि परिवर्तन: वक्री गुरु कर्क से मिथुन में करेगा प्रवेश

12 राशियों के लिए कैसा रहेगा इस ग्रह का असर

गुरु ग्रह इस समय कर्क राशि में वक्री है और वक्री रहते हुए ये ग्रह 3 दिसंबर को कर्क से पीछे वाली मिथुन राशि में आ जाएगा। हालांकि गुरु के इस राशि परिवर्तन की तारीख को लेकर पंचांग भेद हैं, कुछ पंचांग में राशि परिवर्तन की तारीख 3 दिसंबर बताई गई है और कुछ में 4 और कुछ में 5 दिसंबर को गुरु का राशि परिवर्तन बताया गया है।

ग्रह 3 दिसंबर को राशि बदलेगा और 11 मार्च 2026 तक मिथुन राशि में वक्री रहेगा। इसके बाद ये मार्गी हो जाएगा। गुरु 2 जून को मिथुन राशि से निकलकर फिर से कर्क में आ जाएगा। जानिए मिथुन राशि में आने के बाद गुरु का सभी 12 राशियों पर कैसा असर हो सकता है...

मेष राशि

गुरु इस राशि के तीसरे भाव में रहेगा, इसका सीधा असर भाई-बहनों और साहस पर होगा। आपके आत्मविश्वास और पराक्रम में वृद्धि होगी, लेकिन आपको अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना होगा। यात्राओं की अधिकता रहेगी।

वृषभ राशि

इस राशि के दूसरे भाव गुरु रहेगा, धन और वाणी पर सीधा असर डालेगा। ये स्थिति आपके लिए आर्थिक दृष्टि से शुभ रहेगी। धन संचय के प्रयास सफल होंगे और पारिवारिक मामलों में आपकी वाणी प्रभावशाली होगी। हालांकि, वक्री होने से कुछ गलतफहमियां भी हो सकती हैं।

मिथुन राशि

गुरु इसी राशि में रहेगा। ये ग्रह व्यक्तित्व, स्वास्थ्य और निर्णय क्षमता को प्रभावित करेगा। इन लोगों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी और ज्ञान में विस्तार होगा। विवाह और साझेदारी के मामलों में सफलता मिलेगी। वक्री स्थिति के कारण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है, खान-पान का ध्यान रखें।

कर्क राशि

गुरु इस राशि से निकलकर बारहवें भाव में यानी मिथुन में चला जाएगा। गुरु धन संबंधी मामलों पर असर डालेगा, खासकर व्ययों पर। ये समय विदेशी कामों पर खर्च करवा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति हो सकती है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह राशि

गुरु आपके ग्यारहवें भाव में रहेगा। ये ग्रह आय और लाभ को प्रभावित करेगा। ये स्थिति आर्थिक लाभ दे सकती है। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी और भाई-बहनों से सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंध में मजबूती आएगी।

कन्या राशि

गुरु इस राशि के दसवें भाव में है। ये ग्रह कर्म और करियर पर सीधा असर डालेगा। ये समय आपके करियर और व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा बढ़ेगी और पदोन्नति की संभावना है। वक्री गुरु के कारण काम का दबाव भी हो सकता है।

तुला राशि

ये ग्रह तुला राशि के नवम भाव में रहेगा। गुरु भाग्य, धर्म और उच्च शिक्षा के क्षेत्र पर असर डालेगा। समय भाग्य का पूरा साथ दिलाएगा और धार्मिक यात्राएं हो सकती हैं। उच्च शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए सफलता का समय है।

वृश्चिक राशि

गुरु इस राशि के आठवें भाव में रहेगा। गुरु के कारण अचानक लाभ मिलने के योग बनेंगे। पैतृक संपत्ति से जुड़े मामले हल हो सकते हैं। आपकी रुचि गूढ़ विज्ञान, ज्योतिष या शोध में बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी।

धनु राशि

इस राशि के लिए गुरु सातवें भाव में रहेगा। गुरु वैवाहिक जीवन और साझेदारी के कामों पर असर डालेगा। वैवाहिक जीवन और व्यावसायिक साझेदारी के लिए महत्वपूर्ण समय है। अविवाहितों लोगों के विवाह के योग बनेंगे। पार्टनरशिप वाले व्यापार में वृद्धि होगी। वक्री होने के कारण जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा।

मकर राशि

गुरु इस राशि के छठे भाव में रहेगा। गुरु रोग, शत्रु और ऋण संबंधी कामों पर सीधा असर डालेगा। ये स्थिति शत्रुओं पर विजय दिलाने में सहायक होगी। कार्यस्थल पर सुधार होगा। ऋण से मुक्ति मिल सकती है। स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा।

कुंभ राशि

गुरु इस राशि के पांचवें भाव में रहेगा और संतान, प्रेम और शिक्षा पर सीधा असर डालेगा। ये स्थिति संतान संबंधी कामों में लाभ देगी। विद्यार्थियों के लिए उत्तम समय है। प्रेम संबंध में मजबूती आएगी। रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। निवेश में सावधानी बरतनी होगी।

मीन राशि

गुरु इस राशि के चौथे भाव में रहेगा। गुरु माता, भवन और वाहन से संबंधित कामों सीधा असर डालेगा। ये स्थिति भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि करेगी। नया घर या वाहन खरीदने का योग बन सकता है। माता का स्वास्थ्य बेहतर होगा और उनसे संबंध मजबूत होंगे।

अनन्या पांडे ने शेयर किया नया लुक, कार्तिक आर्यन संग जल्द आएंगी नजर

मशहूर अभिनेत्री अनन्या पांडे जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म में अपने लुक की तस्वीरें पोस्ट कीं। अभिनेत्री अनन्या पांडे ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल ट्रैक की शूटिंग के दौरान अपने कुछ लुक्स की तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अनन्या अलग-अलग स्टाइलिश ड्रेस में नजर आ रही हैं। उनके बाल, मेकअप और ड्रेस भी परफेक्ट हैं। तस्वीरें पोस्ट कर उन्होंने लिखा, फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के टाइटल ट्रैक के मेरे कुछ पसंदीदा लुक्स। क्या आपने अभी तक टाइटल ट्रैक देखा? मेरी ग्लैम और फैशन टीम को ढेर सारा प्यार। पोस्ट शेयर करने के बाद अनन्या के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए।

बता दें कि अभिनेत्री फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन के साथ 6 साल बाद वापसी कर रही हैं। इससे पहले वे साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' में नजर आई थीं।

समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जाएगी। अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' भी 25 दिसंबर को रिलीज होगी। अब देखना होगा कि दर्शक पर्दे पर रोमांस और लव स्टोरी को पसंद करते हैं या देशभक्ति से भरी कहानी को सराहते हैं।

इसके साथ ही अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है।

आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप एक्टर बन ही नहीं सकते- कुब्रा सैत

कुब्रा सैत हमेशा अंदरूनी दुनिया के बारे में बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी कच्ची, सच्ची परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

इस सिलसिले में बात रखते हुए वे कहती हैं, एक्टर के तौर पर मैंने जो सीखा कि अगर आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप एक्टर बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुँचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक डायरेक्टर अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी।

यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, ताकि भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई।

हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल ज़िंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं।

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे ज़मीन से जोड़े रखा।" सच पूछिए तो कुब्रा की यह बात याद दिलाती है कि भावनाओं तक पहुँच पाना सिर्फ एक कलात्मक कौशल नहीं, बल्कि एक मानवीय अनुभव है, जिसमें जिम्मेदारी चाहिए। एक्टर सिर्फ किसी सीन के लिए भावनाएँ उधार नहीं लेते, वे सीखते हैं कि उन्हें वापस कैसे रखा जाए, उसको कैसे बंद किया जाए जिसे उन्होंने खोला था। जहाँ भावनाएँ हमें या तो भारी कर दें या इसे एक गलत नाम दे दिया जाए, ऐसी दुनिया में उनका यह विचार एक कोमल-सा मार्गदर्शन बन जाता है, यह समझने के लिए कि क्या हमारे अतीत से आता है और क्या हमारे वर्तमान का हिस्सा है, और कैसे इन दोनों के बीच संतुलन बनाया जाए। यदि आपको लगता है कि यह अभिनय का सबक है, जी नहीं, यह उससे कहीं बढ़कर, ज़िंदगी का सबक है।

ईडी के सामने पेश हुईं अभिनेत्री नेहा शर्मा, ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में होगी पूछताछ

मॉडल और अभिनेत्री नेहा शर्मा आज मंगलवार को नई दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुख्यालय में पेश हुईं। नेहा शर्मा को ईडी ने ऑनलाइन बेटिंग एप केस में पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारियों ने बताया कि नेहा शर्मा मंगलवार को ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म 1xBet से जुड़े मनी लॉनड्रिंग केस में पूछताछ के लिए एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट के सामने पेश हुईं।

बयान किया जा रहा रिकॉर्ड

अधिकारी के मुताबिक, '38 वर्षीय अभिनेत्री नेहा शर्मा का बयान प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉनड्रिंग एक्ट के नियमों के तहत रिकॉर्ड किया जा रहा है। माना जा रहा है कि नेहा शर्मा कुछ एंडोर्समेंट के जरिए बेटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ी हुई हैं। फेडरल जांच एजेंसी ने पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन और सुरेश रैना से इसी तरह पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी।

बिना अनुमति संचालित हो रहा था एप

ईडी के मुाबिक 1xBet भारत में बिना अनुमति ऑपरेट हो रहा था। सोशल मीडिया और ऑनलाइन वीडियो के जरिए भारतीय यूजर्स को टारगेट करने के लिए सरोगेट ब्रांडिंग और एडवर्टाइजमेंट का इस्तेमाल करता था। ईडी ने कहा, 'एंडोर्समेंट के लिए पेमेंट, फंड के गैर-कानूनी सोर्स को छिपाने के लिए विदेशी बिचौलियों का इस्तेमाल करके लेयर्ड

ट्रांजैक्शन के जरिए किए गए थे'। बता दें कि केंद्र सरकार हाल ही में भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने के लिए एक कानून लाई है।

कृष्णा अभिषेक ने पत्नी कश्मीरा को दी जन्मदिन की बधाई, लिखा- 'तुम मेरी सुपर पावर हो'

मशहूर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस कश्मीरा शाह का आज जन्मदिन है। कश्मीरा आज अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर कृष्णा ने सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही कृष्णा ने एक प्यार भरा नोट भी लिखा है। कृष्णा की इस पोस्ट पर फैंस भी कश्मीरा को जन्मदिन की ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं।

कृष्णा का प्यार भरा पोस्ट

कृष्णा ने कश्मीरा और अपने दोनों जुड़वां बेटों (कृषांग और रयान) के साथ कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ कृष्णा ने कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, मेरी दोस्त कश्मीरा। तुम नहीं जानती मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। तुम हमारी ताकत हो, हमारी सुपर पावर हो, हमारा लकी चार्म हो। तुम्हारे लिए ढेर सारी खुशियां और अच्छी सेहत की कामना करता हूं।'

कृष्णा ने किया प्यार का इजहार

आगे कृष्णा ने लिखा, 'तुम बिल्कुल वैसी ही रहो जैसी हो-

बिना फिल्टर वाली, सच्ची और सीधी-सादी। जिंदगी से प्यार करो और हर पल को खास बनाओ। हमारी जिंदगी में आने के लिए थैंक यू। भगवान तुम्हें हमेशा खुश रखे। आई लव यू।'

सेलेब्स और फैंस ने कश्मीरा को दी जन्मदिन की बधाई

सेलेब्स और फैंस ने कश्मीरा को जन्मदिन की बधाई दी हैं। एक्ट्रेस तन्नाज ईरानी ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो प्यारे, कितनी प्यारी पोस्ट है। हमेशा प्यार और आशीर्वाद बना रहे।' तुषार कपूर, दिव्यांका त्रिपाठी दहिया और दीपशिखा ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो', एक फैन ने लिखा, 'कश्मीरा मैम बहुत सुंदर हैं, दिल की भी बहुत अच्छी है, आप लोग टॉम और जेरी की तरह हैं।' एक और फैन ने लिखा, 'दोनों साथ में बहुत प्यारे लग रहे हैं।'

कृष्णा और कश्मीरा के बारे में

कृष्णा और कश्मीरा की मुलाकात एक फिल्म के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों ने 2013 में शादी कर ली थी। इस समय दोनों साथ में टीवी शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' (सीजन-3) कर रहे हैं।

कृष्णा को कॉमेडी सर्कस और कपिल शर्मा शो जैसे कई कॉमेडी शोज से बहुत लोकप्रियता मिली है। वहीं कश्मीरा हिंदी-मराठी फिल्मों के साथ-साथ 'बिग बॉस सीजन-1', 'नच बलिए-3', और 'खतरों के खिलाड़ी-4' जैसे रियलिटी शोज में भी नजर आ चुके हैं। कश्मीरा को राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'जंगल' से भी काफी पहचान मिली थी।

शादी के बाद एक्ट्रेस सामंथा रुथ ने बहनों के लिए लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में सीरीज 'द फैमिली मैन' के को-डायरेक्टर राज निदिमोरु से शादी कर ली है। मंगलवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी बहनों की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, मेरी प्यारी बहनों ने मुझे हमेशा बहुत कुछ सिखाया है और आज भी मुझे बेहतर इंसान बनाने के लिए रास्ता दिखाती रहती हैं। मेरी प्यारी बहनों, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी।

'फैमिली मैन 2' से वेब सीरीज की दुनिया में कदम रखने वाली अभिनेत्री सामंथा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी।

इसके बाद उन्होंने 2010 में तमिल फिल्म 'विन्नैथांडी वरुवाया' से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने साउथ सिनेमा की कई फिल्मों में काम किया। सामंथा ने अपनी मेहनत के दम पर 'थेरी', '10 एंड्राथुकुल्ला', तेलुगू फिल्म 'डुकुडू', 'जनता गैराज', 'अ आ', 'अनजान', और 'सन ऑफ सत्यमूर्ति' में दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी।

इसके बाद अभिनेत्री ने वेब सीरीज 'फैमिली मैन 2' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। वे वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में वरुण धवन के साथ भी काम कर चुकी हैं।

अभिनेत्री सामंथा ने हाल ही में निर्देशक राज निदिमोरु से शादी की है। उन्होंने सोमवार को एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी थी। हालांकि दोनों के डेटिंग की खबरें 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन के बाद से सुर्खियों में थीं, लेकिन दोनों ने इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की थी। सामंथा और राज की ये दूसरी शादी है। 2021 में सामंथा ने नागा चैतन्य से तलाक ले लिया था, तो वहीं राज ने श्यामाली डे से 2022 में तलाक ले लिया था।

एमएफ हुसैन के साथ अपनी दोस्ती को माधुरी ने किया याद, फिल्म 'देवदास' का सुनाया किस्सा

भारतीय सिनेमा की चमकती दुनिया में कई रिश्ते ऐसे बनते हैं जो शोहरत और समय से परे होते हैं। सुपरस्टार माधुरी दीक्षित और मशहूर चित्रकार एमएफ हुसैन के बीच की दोस्ती भी ऐसी ही एक अनकही, अनोखी कहानी है, जिसे उन्होंने हाल ही में बड़े भावुक अंदाज में याद किया। एएनआई से बातचीत करते हुए माधुरी ने एमएफ हुसैन के साथ अपनी दोस्ती को याद किया।

मां बनने के सफर को देखने अमेरिका पहुंचे थे हुसैन

माधुरी दीक्षित ने इंटरव्यू में कहा कि जब वह डेनवर (अमेरिका) में रहती थीं, तब हुसैन साहब ने अचानक उन्हें फोन किया। उन्होंने कहा- 'तुम्हें एक कलाकार, एक स्टार और एक पत्नी के रूप में देख लिया अब तुम्हें मां के रूप में देखना चाहता हूं।' इतना कहकर वो हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर अमेरिका पहुंच गए, सिर्फ इसलिए कि माधुरी को उनके बच्चों के साथ, एक नई भूमिका निभाते हुए देख सकें।

'तारीफ या आलोचना करने में हिचकिचाते नहीं थे'

माधुरी दीक्षित ने बताया कि हुसैन साहब कभी उनकी तारीफ या आलोचना करने में हिचकिचाते नहीं थे। उन्होंने कहा- 'वो अक्सर कहते थे कि ये सीन बहुत अच्छा था और कभी साफ-साफ बोल देते ये मुझे खास नहीं लगा।' एक बार माधुरी ने उनसे पूछा- किसी एक पेंटिंग का क्या अर्थ है? हुसैन ने जवाब दिया- 'मैंने चित्र बना दिया, अर्थ तुम निकालो। कलाकार की कोशिश सिर्फ शुरुआत है, कहानी दर्शक पूरी करते हैं।'

'देवदास' की शूटिंग का किस्सा

संजय लीला भंसाली की फिल्मों में भव्यता तो रहती ही है, पर इसके पीछे कलाकारों की मेहनत किस हद तक जाती है, यह 'देवदास' की टीम अच्छी तरह समझती है। माधुरी ने फिल्म की शूटिंग को याद करते हुए कहा कि कि आइकॉनिक गीत 'डोला रे डोला' की शूटिंग उनके और ऐश्वर्या राय दोनों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं थी। भारी आभूषण, वजनी लहंगे और मुश्किल कोरियोग्राफी फिर भी आखिरकार स्क्रीन पर वही जादू उतरा, जिसका भंसाली की फिल्मों में वादा होता है।

माधुरी दीक्षित ने कहा- 'हम दोनों बार-बार एक-दूसरे को देखकर कहते थे- ओह माय गॉड, कितना भारी है यह!' इसी तरह 'मार डाला' गीत की शूटिंग भी भारी पोशाकों में हुई। लेकिन फिल्म की भव्यता के अनुरूप, हर कॉस्ट्यूम को वास्तविक और पारंपरिक दिखाना जरूरी था।

नाक-कान छिदवाते समय अगर ये बातें ध्यान नहीं रखीं तो होगी बड़ी परेशानी

नाक या कान छिदवाते समय सबसे बड़ा खतरा त्वचा से जुड़ी समस्याओं का होता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। पियर्सिंग एक छोटा-सा स्किन प्रॉसीजर जरूर है, लेकिन इसमें इस्तेमाल होने वाले उपकरण, धातु और व्यक्ति की त्वचा का प्रकार बहुत मायने रखता है।

गलत तकनीक या अस्वच्छ माहौल त्वचा में तेज एलर्जिक रिएक्शन, बैक्टीरियल इन्फेक्शन और लंबे समय तक न भरने वाले घाव का कारण बन सकता है। कई बार पियर्सिंग की जगह पर दाने, स्किन हार्डनिंग, पस भरना या केलोइड जैसी गंभीर त्वचा समस्याएं भी विकसित हो जाती हैं।

त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, जिन लोगों की स्किन सेंसिटिव या ऑयली है, उन्हें पियर्सिंग से पहले अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। यदि आप जल्द ही नाक या कान छिदवाने का प्लान कर रहे हैं, तो त्वचा की सुरक्षा से जुड़ी ये बातें ध्यान रखना बेहद जरूरी है, वरना ये छोटा-सा फैशन फैसला बड़े स्किन ट्रबल में बदल सकता है।

1. सेंसिटिव स्किन वालों के लिए अतिरिक्त सावधानी

सेंसिटिव स्किन पर पियर्सिंग के बाद आसानी से लालिमा, जलन और लगातार खुजली हो सकती है। ऐसे लोग निकेल-फ्री या टाइटेनियम ज्वेलरी ही पहनें।

2. एलर्जी टेस्ट कराएं

धातु से एलर्जी होना आम बात है। स्किन पैच टेस्ट जरूर करवाएं, ताकि आगे जाकर एलर्जिक रिएक्शन, चकत्ते या सूजन से बच सकें। जो लोग पेच टेस्ट नहीं कराते हैं, उन्हें दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

3. स्वच्छता का रखें ध्यान

गंदे उपकरणों से स्किन में बैक्टीरिया जाते हैं, जिससे गंभीर इन्फेक्शन, पिंपल जैसे दाने और पस वाले घाव बन सकते हैं।

4. ऑयली या एक्ने-प्रोन स्किन में ज्यादा जोखिम

ऑयली त्वचा बैक्टीरिया को जल्दी पकड़ती है। ऐसे लोग पियर्सिंग वाली जगह को बार-बार साफ रखें और हाथ न लगाएं।

5. पियर्सिंग के बाद सूजन कितनी सामान्य?

हल्की सूजन और लालिमा ठीक है, लेकिन 48 घंटे बाद भी तेज दर्द, पस या बदबू आ रही हो तो तुरंत त्वचा विशेषज्ञ से संपर्क करें।

6. स्किन-सेफ आफ्टर-केयर

* सलाइन वॉटर से दो बार सफाई

* नाक या कान छिदवाने के बाद अल्कोहल या क्रीम का ज्यादा प्रयोग न करें

* नाक-कान छिदवाने के तुरंत बाद ज्यादा कसे हुए या भारी इयररिंग/नोजपिन न पहनें

* नई ज्वेलरी 6–8 सप्ताह तक न बदलें। ज्वेलरी बार-बार बदलने से आपको दिक्कत होने लगेगी

शादी के बाद सास-बहू को करनी चाहिए सिर्फ ये बातें, रिश्ते में कभी नहीं आएगी खटास

शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवार, उनकी अलग सोच और संस्कृतियों का भी मिलन है। शादी के बाद नई दुल्हन को एक साथ कई सारे रिश्ते और पद मिल जाते हैं। इन रिश्तों की भीड़ में एक गहरा, नाज़ुक और बेहद महत्वपूर्ण रिश्ता होता है सास और बहू का। भारतीय परिवारों में सास-बहू के रिश्ते पर ही घर की खुशियां टिकी होती है। अगर उनके बीच का रिश्ता संभल जाए तो परिवार में सभी खुश रहते हैं लेकिन अगर सास और बहू के बीच दूरी आ जाए तो छोटी से छोटी बात बड़ी बन जाती है।

आज की बहू आधुनिक है, अपने सपनों के साथ घर में कदम रखती है। वहीं सास अपने जीवन के अनुभव और उम्मीदों से भरी होती है।

ऐसे में बस थोड़ी समझदारी, थोड़ी नर्मी और कुछ जरूरी बातें अगर शुरुआत में ही तय हो जाएं तो बहू का रिश्ता सास के साथ मां बेटी जैसा बन सकता है। यहां जानिए वो 5 बातें, जो हर सास-बहू को शादी के बाद खुलकर कर लेनी चाहिए।

उम्मीदों पर खुलकर बात हो

शुरुआत में ही एक-दूसरे की उम्मीदों को साफ कर लेना शांति देता है। सास को बताना चाहिए कि वह घर की किन-किन जिम्मेदारियों में बहू का साथ चाहेगी और बहू भी अपनी सीमाओं, करियर और प्राथमिकताओं के बारे में खुलकर बोले। क्योंकि जब उम्मीदें अधूरी रह जाती हैं, तब रिश्ते को नुकसान होता है।

सीमाएं तय करना भी प्यार की ही भाषा

बहू अपनी निजता के लिए शब्द चुने और सास इसे समझे। निजी स्पेस, कपल टाइम, काम का बंटवारा, इन सब पर आराम से बात की जाए। अगर सास और बहू को उनकी सीमाएं पता होंगी तो साथ में रहना आसान हो जाएगा। वहीं अगर इन सीमाओं को अनजाने में पार किया जाता है तो ये अक्सर बड़े झगड़े की वजह बन जाते हैं।

अतीत की कहानियां साझा हों

सास अपने अनुभव, संघर्ष और भावनाएं बताए। बहू अपने बचपन, परिवार और सपनों की कहानी खोले। दिल खोलकर एक दूसरे से बात करें। इससे दोनों एक दूसरे को, उनकी पृष्ठभूमि और रहन सहन को समझ पाते हैं। इससे रिश्ता संभालना आसान हो जाता है।

घर के नियम मिलकर तय हों

किस बात को हां और किस बात को ना कहना है, यह फैसला मिल बैठकर किया जाए। सास घर के नियम बहू पर थोपें नहीं, बल्कि बहू के साथ मिलकर तय करें कि क्या नियम घर में होने चाहिए और क्या नहीं। वहीं बहू आजादी का मतलब सास को सही तरीके से समझाएं। नियमों का बोझ और आजादी का गलत मतलब दोनों के बीच विवाद की स्थिति को जन्म देता है। जब दोनों एक दूसरे की सुविधा का सम्मान करेंगी, तभी घर खुशहाल घर बन पाएगा।

तारीफ करने में कंजूसी क्यों?

बहू के हर छोटे काम पर सास की सराहना रिश्ते को सुगंध देती है और सास की हर कोशिश पर बहू का सम्मान उसकी थकान मिटा देती है। रिश्ते दुआओं और तारीफ पर चलते हैं, ताने पर नहीं। इसलिए एक दूसरे की अच्छी आदतों को देखें और सराहना करें। ताने मारने से बचें।

लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रोमांस बनाएं रखने के काम आएंगे ये टिप्स

लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप संभालना आसान नहीं होता। दूरी कई बार मिसअंडरस्टैंडिंग, कम बातचीत या भावनात्मक खालीपन जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। लेकिन अगर बातों का ध्यान रखा जाए तो दूर रहने पर भी रिश्ते में

वही गर्माहट, प्यार और रोमांस बरकरार रखा जा सकता है।

अच्छी बात ये है कि आज के डिजिटल समय में दूरी सिर्फ किलोमीटर की होती है, दिलों की नहीं। रोमांस का मतलब हमेशा साथ रहना नहीं, बल्कि एक-दूसरे को महसूस कराना है कि आप उनके लिए कितने खास हैं। इस

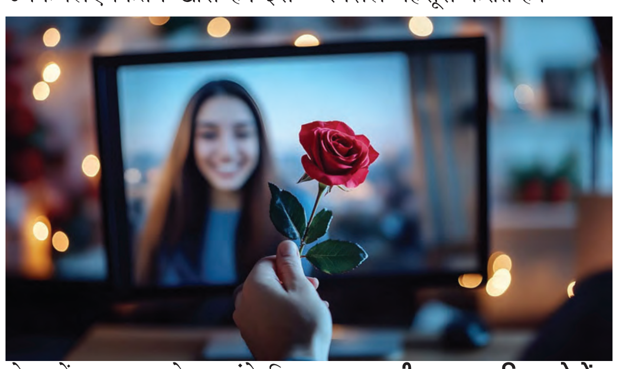

लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप दूर रहकर भी अपने पार्टनर को प्यार, अपनापन और रोमांस का एहसास करा सकते हैं, ताकि रिश्ता नई ऊर्जा और विश्वास के साथ आगे बढ़ सके।

वीडियो डेट प्लान करें

दूरी में भी रोमांस बनाए रखने का सबसे आसान तरीका वीडियो डेट है। हफ़्ते में एक दिन ऐसा चुनें जो सिर्फ आप दोनों के लिए हो। इस दिन कुछ अच्छा पहनें, अपना पसंदीदा खाना तैयार करें या मंगाएं, और आराम से बैठकर बातचीत करें। वीडियो डेट रियल डेट जैसा एहसास देती है, जहां आपके एक्सप्रेशन और मुस्कान एक-दूसरे को करीब महसूस कराते हैं। इससे रिश्ते में गर्माहट और जुड़ाव बना रहता है।

सरप्राइज मैसेज या वॉइस नोट भेजें

दूर रहकर भी यो जताना जरूरी है कि आप अपने पार्टनर को हर समय याद करते हैं। अचानक भेजे गए प्यारे मैसेज, रोमांटिक लाइन्स या वॉइस नोट उनका पूरा दिन खूबसूरत बना सकते हैं। खासतौर पर वॉइस नोट आपके प्यार, टोन और इमोशन को सीधे उन तक पहुंचाते हैं, जिससे दूरी कम महसूस होती है और रिश्ता और मजबूत बनता है।

छोटी-छोटी चीजों को तोहफा दें

दूरी में दिए गए छोटे-छोटे गिफ्ट भी दिल छू जाते हैं। उनकी पसंद की किताब, एक सुंदर फोटो फ्रेम, हैंडरिटन लेटर या पसंदीदा स्नैक भेजना ये दिखाता है कि आप उनकी छोटी-छोटी पसंद का ध्यान रखते हैं। ऐसे छोटे सरप्राइज रिश्ते में उत्साह लाते हैं और पार्टनर को स्पेशल महसूस कराते हैं।

एक ही समय पर फिल्म देखें

अगर आप दोनों फिल्मों के शौकीन हैं तो एक साथ फिल्म देखना बेहतरीन तरीका है। एक ही मूवी चुनें, एक ही समय प्ले करें और कॉल पर जुड़े रहें। ऐसा करने से आपको ऐसा लगेगा जैसे आप दोनों साथ बैठकर फिल्म का आनंद ले रहे हैं। मूवी के दौरान आपकी प्रतिक्रिया और बातचीत रिश्ते में उसी तरह की नज़दीकी लाती है जैसी ऑफ़लाइन डेट में होती है।

हर बात करें शेयर

रिश्ते में दूरी का असर तब दिखता है जब बातचीत कम हो जाती है। इसलिए रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें भी शेयर करते रहें जैसे कि आपका दिन कैसा रहा, क्या खाया, क्या प्लान है, किस बात ने आपको खुश किया या परेशान।

ये साधारण बातचीत आपके पार्टनर को ये महसूस कराती है कि वे आपकी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं और इससे रिश्ता मजबूत होता है।

सर्दियों में विशेष रूप से खाई जाने वाली मिठाई गाजर का हलवा, सेहत के लिए लाभकारी भी

गाजर का हलवा एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जो सर्दियों में विशेष रूप से खाई जाती है। ये स्वाद में उतना ही लाजवाब है जितना कि सेहत के लिए फायदेमंद। गाजर, दूध, घी और शक्कर से बनता ये हलवा ना केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें शरीर को गर्मी देने वाली पोषक तत्व भी होते हैं। विटामिन A और फाइबर से भरपूर गाजर से बना ये हलवा न केवल सेहत को बेहतर बनाता है, बल्कि ताजगी और ऊर्जा भी देता है।

अगर आप समय की कमी के चलते पारंपरिक तरीके से हलवा बनाने से बचना चाहते हैं, तो कुकर का उपयोग करें। कुकर में

गाजर का हलवा बनाना बहुत आसान और झटपट होता है। गाजर के हलवे की ये विधि न केवल वक्त की बचत करती है, उसका स्वाद भी एकदम बेहतरीन होता है। तो आइए, जानें इस आसान रेसिपी के बारे में।

गाजर का हलवा बनाने का तरीका

गाजर - 500 ग्राम
दूध - 1 कप
घी - 2 टेबलस्पून
शक्कर - कप
इलायची - 2-3 पाउडर
मेवे (बादाम, काजू, पिस्ता) - 2 टेबलस्पून
दूध पाउडर - 2 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले कुकर में 2 टेबलस्पून घी डालकर उसे गर्म करें। अब उसमें कद्दूकस की हुई गाजर डालें और अच्छे से मिला लें। इसके बाद 1 कप दूध डालें और कुकर का ढक्कन बंद कर दें। एक सीटी आने के बाद आंच को मीडियम कर दें और 5-7 मिनट तक पकने दें। सीटी खत्म होने के बाद कुकर खोलें और गाजर को अच्छे से मिला लें।

फिर शक्कर और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह से पकाएं। अगर हलवा सूखा लगे, तो थोड़ा और दूध डाल सकते हैं। अंत में मेवे डालकर सजाएं और गरमा गरम सर्व करें। अब आपका स्वादिष्ट गाजर का हलवा तैयार है।

गाजर का हलवा बनाते समय ध्यान रखने के तीन खास टिप्स

घी का संतुलन

हलवे में घी का सही मात्रा में प्रयोग करें। ज्यादा घी डालने से हलवा बहुत चिपचिपा और भारी हो सकता है, जबकि कम घी से स्वाद में कमी आ सकती है। 2 टेबलस्पून घी पर्याप्त होता है।

दूध की सही मात्रा

दूध को ज्यादा न डालें, क्योंकि इससे हलवा पानी जैसा हो सकता है। 1 कप दूध पर्याप्त होता है, और अगर हलवा सूखा लगे, तो थोड़ा और दूध डाल सकते हैं।

शक्कर की मात्रा

हलवे में शक्कर डालते समय ध्यान रखें कि उसका स्वाद संतुलित हो। ज्यादा मीठा होने से हलवा स्वाद में भारी हो सकता है, तो शक्कर की मात्रा स्वाद के अनुसार बदलें।

शादी की तैयारी के लिए अपनाएं ये आसान हैक्स वेडिंग प्लानर की नहीं पड़ेगी जरूरत

शादी जीवन का सबसे बड़ा उत्सव होता है लेकिन शादी से पहले की तैयारियां, भागदौड़, खर्च और मैनेजमेंट का तनाव, कई महीनों तक पूरे परिवार की रातों की नींद उड़ाए रखती हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास सबसे ज्यादा कमी, समय की है। समय ही नहीं तो तैयारियां आराम और बेफिक्री से हो नहीं पाती। वक्त की कमी खर्च भी बढ़ा देती है, क्योंकि आप दफ्तर या घर बैठे ही सारी तैयारी करने के लिए मजबूर होते हैं। कुछ लोग शादी की तैयारियों की भागमभाग से बचने के लिए वेडिंग प्लानर रखते हैं ताकि वेन्यू, मेन्यू, डेकोरेशन से लेकर गेस्ट और बाकि सब प्लानर संभाल लें। लेकिन इन सब में बजट से अधिक का खर्च आ जाता है।

वेडिंग प्लानर रखना हर किसी के बजट में नहीं होता। पर चिंता छोड़िए, कुछ स्मार्ट वेडिंग हैक्स अपनाकर आप अपनी शादी को परफेक्ट और बजट-फ्रेंडली बना सकती हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप शादी के समय तैयारियों में नहीं, बल्कि मोमेंट को एन्जॉय करने में अपना वक्त भी दे पाएंगे।

वेडिंग हैक्स

शादी का बजट, प्राथमिकता लिस्ट और टाइमलाइन बनाएं

सबसे पहले तय करें कि आपका बजट कितना है। इसके हिसाब से किस चीज पर कितना खर्च किया जाना चाहिए। साथ ही अपनी प्राथमिकताओं की एक लिस्ट बनाएं और इसे तीन आधार पर सेट करें।

पहला जो होना ही चाहिए- वेन्यू, केटरिंग और ज्वेलरी।

दूसरा, जो होगा तो बेहतर रहेगा- सजावट, एक्सट्रा आउटफिट्स और

तीसरा, जो वैकल्पिक है, यानी लग्जरी वाली चीजें

इस लिस्ट के मुताबिक प्राथमिकताओं के हिसाब से काम तय होंगे, साथ ही खर्च कंट्रोल में रहेगा।

ऑनलाइन शॉपिंग और ऑफ सीजन डील

बजट में शादी के लिए ऑफ सीजन डील का फायदा उठा सकते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग भी आपको सस्ती और ऑफर वाली चीजों के विकल्प देती है। जैसे ब्राइडल एंट्री प्रोप्स, कपल एक्सेसरीज, दुल्हन की सहेलियों के मैचिंग आउटफिट्स आदि आनलाइन प्लेटफार्म पर पहले से बुकिंग कर लें ताकि अंतिम समय में दाम दोगुने होने पर आपको नुकसान न हो।

दोस्तों और परिवार को टीम बनाएं

शादी की तैयारी या शादी से जुड़े टास्क अकेले नहीं किए जा सकते हैं। हर काम के लिए परिवार या दोस्तों में से एक जिम्मेदार व्यक्ति तय करें। जैसे मेकअप और मेहंदी की जिम्मेदारी किसी दोस्त या कजिन को थमा दें। वेन्यू, सजावट और खानपान की तैयारियों की जिम्मा परिवार के किसी जिम्मेदार को दें। बारात, मेहमानों के स्वागत- सत्कार और तोहफों की लिस्ट का काम भी बांटें। एक व्हाट्सएप वेडिंग ग्रुप में सभी को जोड़कर रखें। सब मिलकर काम करेंगे तो शादी में कहीं कोई कमी नहीं रह जाएगी और सारे काम समय पर पूरे हो जाएंगे, ताकि इस खास मौके को एन्जॉय भी किया जा सके।

शादी से जुड़े जरूरी नंबर रखें

एक वेडिंग फाइल तैयार करें जो आपके मोबाइल में सेव होने के साथ ही हार्ड कॉपी भी हो। इस फाइल में सभी वेडर्स के नंबर, पेमेंट की सारी डिटेल, खर्च की पूरी जानकारी और बिल्स को रखें। ताकि किसी भी मौके पर कोई परेशानी होने पर लिखित में आपके पास जारी जानकारी उपलब्ध हो।

डीआईवाय वेडिंग डेकोर

अगर आप शादी और पहले होने वाली रस्मों के लिए सजावट चाहते हैं, तो बाहर से डेकोर के खर्च को सीमित करें। इसके लिए डीआईवाय वेडिंग डेकोर विकल्प सस्ता, सुंदर और क्रिएटिव है। इसमें फ़ेयरी लाइट्स और फूलों को अपनाएं जो कम बजट में सपनों जैसा लुक देगा। इसके अलावा फोटो काउंटर, वेलकम बोर्ड खुद बनाएं। पुराने बोतल-जार को सजावट में इस्तेमाल करें।

केले के छिलके से दूर होगा बुढ़ापा! इस्तेमाल का सही तरीका ताकि खिल उठे आपका चेहरा

केला सिर्फ सेहत के लिए ही फायदेमंद नहीं होता, बल्कि इसका छिलका भी त्वचा के लिए बेहद उपयोगी माना जाता है।

कई लोग स्किन केयर में नेचुरल और सुरक्षित उपाय अपनाना पसंद करते हैं, और केले का छिलका उन्हीं घरेलू नुस्खों में से एक है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मॉइश्चराइजिंग गुण त्वचा को पोषण देते हैं और उसे अधिक मुलायम बनाते हैं।

माना जाता है कि केले का छिलका त्वचा कई दिक्कतों को कम करता है। इसे इस्तेमाल करना भी बेहद आसान है। हालांकि ये किसी मेडिकल ट्रीटमेंट का विकल्प नहीं है, लेकिन एक घरेलू स्किन केयर उपाय के रूप में इसे आज़माया जा सकता है। अगर आप चेहरे को नेचुरली ग्लोइंग और स्वस्थ बनाना चाहते हैं, तो केले के छिलके का सही उपयोग आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सीधे चेहरे पर रगड़ें

ताजे केले का छिलका लें और उसके अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर हल्के हाथों से 2 से 3 मिनट रगड़ें। इससे त्वचा को प्राकृतिक नमी मिलती है और चेहरा मुलायम महसूस होता है। ये तरीका खास तौर पर ड्राई और डल स्किन वाले लोगों के लिए मददगार माना जाता है।

केले के छिलके का पेस्ट बनाएं

केले के छिलके को छोटे टुकड़ों में काटकर ग्राइंड करें और एक स्मूद पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को चेहरे पर 10 से 15 मिनट तक लगाकर छोड़ दें। ये

त्वचा को ताजगी देता है और साफ दिखाई देने में मदद करता है। समय पूरा होने पर चेहरे को सादे पानी से धो लें।

छिलका और शहद फेस मास्क

केले के छिलके के पेस्ट में एक चम्मच शहद मिलाकर फेस मास्क तैयार करें। ये मास्क त्वचा को हाइड्रेशन देता है और हल्का ग्लो लाने में सहायक हो सकता है। इसे चेहरे पर लगा कर 15 मिनट बाद धो सकते हैं।

डार्क सर्कल पर हल्के से रगड़ें

कुछ लोग केले के छिलके का उपयोग आंखों के नीचे हल्के मसाज के लिए करते हैं। इससे त्वचा को ठंडक और आराम महसूस हो सकता है, हालांकि यह किसी खास उपचार का विकल्प नहीं है।

अडानी ग्रुप में क्यों लगाया एलआईसी ने पैसा?

फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण का जवाब

नई दिल्ली,2 दिसंबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की कंपनियों में एलआईसी के निवेश पर विपक्ष कई बार सरकार को घेर चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एलआईसी ने हाल में अडानी ग्रुप की सीमेंट कंपनी एसीसी में अपनी हिस्सेदारी 10% से ऊपर कर ली है।

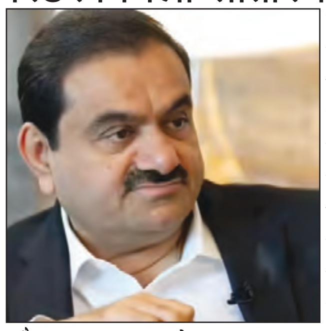

इस बीच सरकार ने इस बारे में अपना पक्ष रखा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उनका मंत्रालय एलआईसी को उसके निवेश संबंधी निर्णयों को लेकर सलाह या निर्देश जारी नहीं करता है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एलआईसी ने अडानी ग्रुप में जो निवेश किया, वह स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार था। एलआईसी देश की सबसे बड़ी संस्थागत निवेशक है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी बातों और विस्तृत प्रयास के आधार पर कंपनियों में निवेश संबंधी निर्णय लिए हैं तथा उसने एसओपी के आधार पर अडानी ग्रुप की आधा दर्जन लिस्टेड कंपनियों में शेयर खरीदे हैं, जिनकी कीमत 38,658.85 करोड़ रुपये है।

कितनी कंपनियों में है निवेश?

उन्होंने कहा, ''वित्त मंत्रालय एलआईसी फंड के निवेश से संबंधित मामलों के संबंध में एलआईसी को कोई सलाह/निर्देश जारी नहीं करता है।'' सीतारमण ने कहा, ऐसे फैसले बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के साथ-साथ आईआरडीएआई, आरबीआई और सेबी द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों द्वारा शासित होते हैं। अक्टूबर में अमेरिकी समाचार पत्र 'वाशिंगटन पोस्ट' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने एलआईसी को अडानी ग्रुप में निवेश करने के लिए प्रेरित करने की योजना बनाई थी।

सीतारमण ने कहा, 'एलआईसी ने अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करते हुए उचित प्रयास करने के बाद मई 2025 में अडानी पोर्ट्स स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) द्वारा जारी सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है।'' उन्होंने कहा कि एलआईसी ने एनएसई और बीएसई पर लिस्टेड टॉप 500 कंपनियों में निवेश किया है और वर्तमान में इसके निवेश का एक बड़ा हिस्सा इनमें से बड़ी कंपनियों में है।

माल्या ने वसूली के आंकड़े पर उठाए सवाल

कहा– रिटायर्ड जज करें सरकार और बैंकों के दावों की जांच

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भगोड़े आर्थिक अपराधी विजय माल्या ने केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ओर से उनके खिलाफ की गई वसूली को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक सेवानिवृत्त जज की नियुक्ति की मांग की है।

माल्या ने लगाए गंभीर आरोप

माल्या ने आरोप लगाया कि सरकार और बैंक संसद और जनता के सामने लगातार गलत आंकड़े पेश कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कब तक भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक मुझे और जनता को धोखा देते रहेंगे? वित्त मंत्री संसद में कहते हैं कि मुझसे 14,100 करोड़ रुपये वसूले गए। बैंक कहते हैं कि 10,000 करोड़ रुपये वसूले गए। 4,000 करोड़ रुपये के अंतर का क्या?

आंकड़ों की पुष्टि करने के लिए स्वतंत्र जांच की जरूत

उन्होंने आगे बताया कि राज्य मंत्री ने अब संसद को बताया है कि उन पर अभी भी 10,000 करोड़ रुपये बकाया हैं, जबकि बैंकों का दावा है कि उन पर 7,000 करोड़ रुपये बकाया हैं। उन्होंने कहा कि वसूली गई राशि के लिए कोई खाता विवरण या जमा नहीं है। इन आंकड़ों पर स्पष्टता की आवश्यकता है। माल्या ने तर्क दिया कि वास्तविक आंकड़ों की पुष्टि के लिए एक स्वतंत्र जांच की जरूरत है।

माल्या ने कहा कि जांच और सच्चाई का पता लगाने के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को क्यों न नियुक्त किया जाए, खासकर जब मेरा न्याय ऋण 6,203 करोड़ रुपये का है। यह मेरे लिए एक दयनीय स्थिति है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने

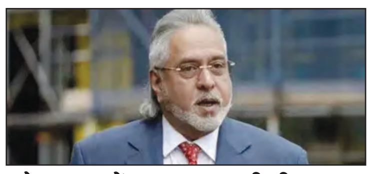

लोकसभा में क्या जानकारी दी?

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा को सूचित किया कि 31 अक्तूबर, 2025 तक भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (एफईओए) के तहत कुल 15 व्यक्तियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित किया गया है।

यह जानकारी संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा सदस्य और दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारी लाल मीणा द्वारा उठाए गए एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में साझा की गई। चौधरी ने कहा कि इन 15 अपराधियों में से नौ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल हैं। इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि इन 15 एफईओ ने सामूहिक रूप से 31 अक्तूबर, 2025 तक बैंकों को 26,645 करोड़ रुपये का मूल वित्तीय नुकसान पहुंचाया है। इसके अलावा, एनपीए बनने की तारीख से 31 अक्तूबर, 2025 तक इन ऋणों पर अर्जित ब्याज 31,437 करोड़ रुपये है।

चौधरी ने सदन को बताया कि 31 अक्तूबर 2025 तक इन अपराधियों से 19,187 करोड़ रुपये वसूल किए जा चुके हैं। घोषित भगोड़े आर्थिक अपराधियों के नाम हैं: विजय माल्या, नीरव मोदी, नितिन जे संदेसरा, चेतन जे संदेसरा, दीप्ति सी संदेसरा, सुदर्शन वेंकटरमण, रामानुजम शेषरत्नम, पुष्पेश कुमार बैद और हितेश कुमार नरेंद्रभाई पटेल।

भारी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 504 अंक टूटा, निफ्टी 26100 के नीचे

मुंबई,2 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही और प्रमुख शेयर बाजारों सेंसेक्स में करीब 504 अंक की गिरावट दर्ज की गई। इसका कारण ब्लू-चिप बैंक शेयरों और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली तथा विदेशी पूंजी की लगातार निकासी थी।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 503.63 अंक या 0.59 प्रतिशत गिरकर 85,138.27 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, बेंचमार्क 588.9 अंक या 0.68 प्रतिशत गिरकर 85,053 के निचले स्तर पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में सूचकांक ने दिन के कारोबार में रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ था, लेकिन दूसरे सत्र में मुनाफावसूली के कारण गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 143.55 अंक या 0.55 प्रतिशत गिरकर 26,032.20 अंक पर बंद हुआ। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 रुपये प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को छूने के बाद 42 पैसे की गिरावट के साथ 89.95 रुपये (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और लार्सन एंड टुब्रो सबसे ज्यादा पिछड़े। वहीं, एशियन पेंट्स, मारुति, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.33 प्रतिशत गिरकर 62.96 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,171.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,558.93 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 64.77 अंक या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,641.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, बेंचमार्क 452.35 अंक या 0.52 प्रतिशत की छलांग लगाकर 86,159.02 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी 27.20 अंक या 0.10 प्रतिशत गिरकर 26,175.75 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 122.85 अंक या 0.46 प्रतिशत चढ़कर 26,325.80 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

भारत के चीनी उत्पादन में 43% का उछाल, आईएसएमए ने एमएसपी व इथेनॉल मूल्य बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मजबूत उत्पादन के कारण अक्तूबर-नवंबर में भारत का चीनी उत्पादन 43 प्रतिशत बढ़कर 41.1 लाख टन हो गया। चीनी व जैव ऊर्जा विनिर्माता संघ (आईएसएमए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि इस अवधि में उत्पादन 2.88 मिलियन रहा। बता दें कि विपणन वर्ष अक्तूबर से सितंबर तक चलता है।

पिछले वर्ष की तुलना में प्रमुख राज्यों में हुई गन्ने की बेहतर पैदावार

आईएसएमए ने एक बयान में कहा कि क्षेत्र स्तर पर प्राप्त फीडबैक से पता चलता है कि पिछले वर्ष की तुलना में प्रमुख राज्यों में गन्ने की बेहतर पैदावार और चीनी की रिकवरी दर बेहतर है, क्योंकि देश भर में गन्ना पेराई में तेजी आई है। इस वर्ष परिचालन कारखानों की संख्या बढ़कर

428 हो गई। वहीं पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 376 थी।

यूपी और महाराष्ट्र में उत्पादन में हुई वृद्धि

देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन नवम्बर तक 1.40 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो एक वर्ष पूर्व 1.28 मिलियन टन था।

दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि के 460,000 टन से बढ़कर 1.69 मिलियन टन हो गया। आईएसएमए ने कहा कि तीसरे सबसे बड़े राज्य कर्नाटक में उत्पादन 812,000 टन से घटकर 774,000 टन रह गया, जबकि किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण शुरुआती व्यवधान के बाद पेराई कार्य में तेजी आई है। इस वर्ष अब तक गुजरात में 92,000 टन और तमिलनाडु में 35,000 टन उत्पादन हुआ है।

संगठन ने एमएसपी में की वृद्धि की मांग

आईएसएमए ने चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की मांग की, जो उत्पादन लागत में वृद्धि के बावजूद छह वर्षों से अपरिवर्तित बना हुआ है।

उद्योग संगठन ने कहा कि उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में गन्ने की लागत में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बाद अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत बढ़कर 41.72 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

आईएसएमए ने सरकार से की ये मांग

इसमें कहा गया है कि मिलों को उचित लाभ और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए एमएसपी में वृद्धि आवश्यक है। एसोसिएशन ने सरकार से उच्च फीडस्टॉक और रूपांतरण लागत को ध्यान में रखते हुए इथेनॉल खरीद मूल्य बढ़ाने का भी आग्रह किया।

आईएसएमए ने कहा कि 2025-26 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष के लिए चीनी क्षेत्र को 2.89 अरब लीटर इथेनॉल का वर्तमान आवंटन कुल आवंटन का केवल 27.5 प्रतिशत है, जिससे असंतुलन पैदा हो रहा है और डिस्टिलरी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। संगठन 2025-26 के लिए 30.95 मिलियन टन शुद्ध चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया है, जिसमें इथेनॉल बनाने के लिए डायवर्जन शामिल नहीं है, जबकि पिछले वर्ष वास्तविक उत्पादन 26.11 मिलियन टन था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति	
सूर्य -	वृश्चिक में
चन्द्र -	मेष में
मंगल-	वृश्चिक में
बुध -	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र -	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारभ समय	
वृश्चिक...	05-17 बजे
धनु......	06-31 बजे
मकर...	09-38 बजे
कुंभ....	11-37 बजे
मीन....	13-06 बजे
मेष.....	14-42 बजे
वृष....	16-27 बजे
मिथुन..	18-26 बजे
कर्क...	20-42 बजे
सिंह---	22-52 बजे
कन्या--	00-58 बजे
तुला----	03-16 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**

शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त

महावीर निर्वाण संवत् **-2551**

कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-32**

भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-36**

कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् **-1972949126**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

दिशाशूल • उत्तर • धनिया खाकर घर से निकले

मास • मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष बुधवार **03 Dec**

तिथि • त्रयोदशी **12-26** तक उपरान्त चतुर्दशी

नक्षत्र • भरणी **18-00** तक उप कृत्तिका

योग • परिघ **16-57** तक उप शिव

करण • तैतिल **15-57** तक उप गर

पिशाच मोचन श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-06 13-29

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-32 - 07-56	शुभ	उत्पात	17-36 - 19-16	अशुभ
अमृत	07-56 - 09-19	शुभ	शुभ	19-16 - 20-53	शुभ
काल	09-19 - 10-43	अशुभ	अमृत	20-53 - 22-30	शुभ
शुभ	10-43 - 12-06	शुभ	चंचल	22-30 - 00-06	शुभ
रोग	12-06 - 13-29	अशुभ	रोग	00-06 - 01-43	अशुभ
उत्पात	13-29 - 14-53	अशुभ	काल	01-43 - 03-20	अशुभ
चंचल	14-53 - 16-16	शुभ	लाभ	03-20 - 04-57	शुभ
लाभ	16-16 - 17-36	शुभ	उत्पात	04-57 - 06-32	अशुभ

बेंगलुरु से पढ़ाई, माइक्रोसॉफ्ट-गूगल में नौकरी

अमर सुब्रमण्यम एआई के वाइस प्रेसीडेंट बने

नई दिल्ली,2 दिसंबर (एजेंसियां)। आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल ने अपने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) डिपार्टमेंट में बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने भारतीय मूल के जाने-माने रिसर्चर अमर सुब्रमण्यम को एआई को इस विभाग का नया वाइस प्रेसिडेंट बनाया है। अमर सुब्रमण्यम इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट में एआई के कॉर्पोरेट वीपी थे। इससे पहले वह गूगल में भी 16 साल काम कर चुके हैं। गूगल में वह जेमिनी असिस्टेंट के इंजीनियरिंग हेड भी रह चुके हैं। सुब्रमण्यम ऐपल में जॉन जियानंद्रेया की जगह लेंगे। अमर सुब्रमण्यम अब ऐपल में सीधे सॉफ्टवेयर चीफ क्रेग फेडेरिगी को रिपोर्ट करेंगे। साथ ही वह ऐपल में एआई से जुड़े कई अहम कामों को देखेंगे। इनमें ऐपल फाउंडेशन मॉडल्स, मशीन लर्निंग रिसर्च और एआई सेफ्टी तथा इवैल्यूएशन जैसे क्षेत्र शामिल हैं। ऐपल ने कहा कि एआई और मशीन लर्निंग रिसर्च में उनकी गहरी विशेषज्ञता और इस रिसर्च को प्रोडक्ट्स और फीचर्स में बदलने की उनकी क्षमता ऐपल इंटेलिजेंस फीचर्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी।

कौन हैं अमर सुब्रमण्यम?

ऐपल के सीईओ टिम कुक ने कहा, जॉन ने हमारे एआई को बनाने और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। हम इसके लिए उनके आभारी हैं। उन्होंने ऐपल को लगातार इनोवेशन करने और हमारे यूजर्स के जीवन को बेहतर बनाने में मदद की। हम अमर का क्रेग की लीडरशिप टीम में स्वागत करते हैं।

अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत के रूसी तेल आयात में एक तिहाई की कमी

रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत के रूसी तेल आयात में एक तिहाई की कमी आई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि दिसंबर में और गिरावट की उम्मीद है क्योंकि देश प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

प्रतिबंधों के पहले का आंकड़ा

रियल-टाइम डेटा एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के अनुसार, महीने के दौरान रूस से आयात औसतन 18 लाख बैरल प्रतिदिन रहा। यह देश के कुल कच्चे तेल आयात मिश्रण का 35% से अधिक है। यह स्तर अक्तूबर के 15 से 16 लाख बीपीडी की तुलना में काफी अधिक है और पांच महीनों का उच्चतम स्तर माने जा रहे हैं। केप्लर के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रिटोलिया ने बताया कि 21 नवंबर की प्रतिबंध समयसीमा से पहले आयात 19 से 20 लाख बीपीडी के करीब पहुंच गया था, क्योंकि भारतीय खरीदारों ने समय सीमा से पूर्व बड़े पैमाने पर खेप आगे बढ़ा दी थीं।रिटोलिया के

मुताबिक, समयसीमा लागू होने के बाद आयात में कुछ सुस्ती दिखी है, क्योंकि रिफाइनरियों ने प्रतिबंध लागू होने के बाद प्रोसेसिंग के लिए पहले से पर्याप्त भंडार तैयार कर लिया था। वहीं 21 नवंबर के बाद प्रवाह घटकर लगभग 12.7 लाख बीपीडी रह गया, जो पिछली महीने की तुलना में 5.7 लाख बीपीडी कम है। रिटोलिया के मुताबिक, मौजूदा लोडिंग और जहाजों की आवाजाही के आधार पर दिसंबर में आयात लगभग 10 लाख बीपीडी रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह उस पूर्वानुमान के अनुरूप है, जिसमें अल्पकाल में रूसी तेल प्रवाह 8 लाख बीपीडी तक घटने के बाद स्थिर होने की संभावना जताई गई थी। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस से दूरी बनाए जाने के बीच छूट पर उपलब्ध रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार के रूप में उभरकर खरीद बढ़ाई। पारंपरिक रूप से पश्चिम एशिया पर निर्भर रहने वाला भारत यूरोप की मांग में कमी और प्रतिबंधों के चलते उपलब्ध हुए कम दाम के रूसी बैरल की ओर तेजी से झुका। नतीजतन, रूस की हिस्सेदारी 1% से बढ़कर करीब 40% तक पहुंच गई। नवंबर में भी रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा और देश के कुल आयात में एक-तिहाई से अधिक योगदान दिया।लेकिन प्रतिबंधों के चलते रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड जैसी कंपनियों ने फिलहाल आयात रोक दिया है। रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी इसका एकमात्र अपवाद है, जो यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद दुनिया के बाकी हिस्सों से आपूर्ति बंद होने के बाद मुख्य रूप से रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

किसानों को मिल सकता है बड़ा तोहफा!

6,000 से बढ़कर 9,000 रुपये होगी सम्मान निधि? आखिर क्या है तैयारी

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)।देश के करोड़ों किसानों की निगाहें हर साल संसद में पेश होने वाले आम बजट पर टिकी होती हैं. खेती-किसानी की बढ़ती लागत और महंगाई के बीच, अन्नदाताओं को सरकार से हमेशा कुछ अतिरिक्त राहत की उम्मीद रहती है. ताज़ा खबरों की मानें तो आगामी केंद्रीय बजट किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाने वाला साबित हो सकता है. चर्चाओं का बाजार गर्म है कि केंद्र सरकार अपनी सबसे महत्वकांक्षी योजनाओं में से एक, 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की राशि में भारी बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यदि सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो किसानों को मिलने वाली सालाना मदद 6,000 रुपये से बढ़कर 9,000 रुपये या

उससे भी ज्यादा हो सकती है.आम जनता को भले ही बजट का भाषण 1 फरवरी को सुनाई देता है, लेकिन इसके पीछे की तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है. केंद्र सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट तैयार करने की लंबी और जटिल प्रक्रिया शुरू कर दी है. यह एक बहुस्तरीय प्रक्रिया है, जिसकी अगुवाई वित्त मंत्रालय कर रहा है. अगस्त-सितंबर से ही बैठकों का दौर शुरू हो जाता है. इसमें नीति आयोग , संबंधित मंत्रालय, राज्यों के प्रतिनिधि और कृषि क्षेत्र के तमाम स्टेकहोल्डर्स से राय-मशविरा किया जाता है. संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत तैयार होने वाला यह 'एनुअल फाइनेंशियल स्टेटमेंट' ही तय करता है कि सरकार आने वाले साल में जनता के पैसे को कहां और कैसे खर्च करेगी. इस बार बजट बनाने की प्रक्रिया के दौरान मिले सुझावों और बढ़ी हुई टाइमलाइन का फायदा सीधे तौर पर किसानों को मिल सकता है. सरकार के पास ग्राउंडवर्क करने और सभी वर्गों से सलाह लेने का पर्याप्त समय है, जिससे यह उम्मीद जगी है कि कृषि क्षेत्र के लिए कुछ बड़े ऐलान किए जा सकते हैं.जब से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत हुई है, तब से किसानों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है. यह राशि तीन समान किस्तों में सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंचती है.

रेकॉर्ड पर पहुंचने के बाद धड़ाम हुई चांदी

सोना भी आया नीचे, शादियों के सीजन में नया रेट

नई दिल्ली,2 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी सोमवार को रेकॉर्ड पर पहुंच गई थी। इस साल इसकी कीमत में 104 फीसदी तेजी आई है जबकि सोना करीब 60 फीसदी चढ़ा है। लेकिन आज दोनों कीमती धातुओं की कीमत में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत में 4,000 रुपये से ज्यादा गिरावट आई जबकि सोना 1,000 रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ है। 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,30,652 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 1,30,110 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 129597.00 रुपये तक लो और 130778.00 रुपये तक हाई गया। दोपहर बाद 3.00 बजे सोना 10,37 रुपये यानी 0.79 फीसदी गिरावट के साथ 1,29,615 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस साल अब तक 11 महीनों में से सोने की कीमत में 10 बार तेजी आई है और यह 46 साल में अपने सबसे बेहतर प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 100 साल में सोने का यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। उसने 1973, 1974 और 1979 में इससे बेहतर प्रदर्शन किया था।

चांदी की कीमत

चांदी सोमवार को 1,82,998 रुपये किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंचने के बाद 1,82,030 रुपये पर बंद हुई थी। आज यह 1,80,701 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,77,750 रुपये तक लो और 1,80,701 रुपये तक हाई गई। 3.10 मिनट पर यह 3,930 रुपये यानी 2.16 फीसदी गिरावट के साथ 1,78,100 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। चांदी की कीमत हाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार 58 डॉलर प्रति ओंस के पार पहुंची थी। चांदी भी 1979 के बाद पहली बार अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की ओर बढ़ रही है।

विशाखापत्तनम में देश का सबसे लंबा ग्लास स्काइवॉक ब्रिज लोगों के लिए खुला

विशाखापत्तनम, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। विशाखापत्तनम के कैलासगिरि हिलटॉप पार्क में सोमवार को देश का सबसे लंबा कैंटिलीवर ग्लास स्काइवॉक ब्रिज आम लोगों के लिए खोल दिया गया। यह स्काइवॉक समुद्र तल से करीब 862 फीट (लगभग 262 मीटर) की ऊंचाई पर बना है। यहां से शहर और बंगाल की खाड़ी का नजारा दिखता है।

ब्रिज की डिजाइनिंग ऐसी है कि यह 250किमी रफ्तार तक की हवा को भी झेल सकता है। 180.44 फीट लंबे इस ब्रिज पर सुरक्षा के लिए एक बार में 40 लोग ही जा सकते हैं।

जबकि इसकी क्षमता 100 से ज्यादा लोगों की है। वियतनाम का 632 मीटर लंबा बाख लांग ब्रिज को दुनिया का सबसे लंबा ग्लास ब्रिज कहा जाता है।

सिद्धारमैया बोले- जब हाईकमान कहेगा डीके शिवकुमार सीएम होंगे

हमारे बीच मतभेद नहीं, दोनों ने 4 दिन में दूसरी बार साथ में ब्रेकफास्ट किया

बेंगलुरु, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि जब हाईकमान कहेगा, तब डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। उन्होंने यह बात 'शिवकुमार को कब सीएम बनाया जाएगा' से जुड़े सवाल पर कही। सिद्धारमैया ने कहा कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है और दोनों राज्य सरकार को एकजुट होकर चला रहे हैं।

इससे पहले दोनों ने मंगलवार को फिर साथ में ब्रेकफास्ट किया। ये 4 दिन में दूसरी बार है जब दोनों की साथ में नाश्ते पर मीटिंग हुई। सिद्धारमैया मंगलवार सुबह शिवकुमार के घर पहुंचे, जहां उनका स्वागत डीके शिवकुमार और उनके भाई, पूर्व सांसद डीके सुरेश ने किया। इसके बाद तीनों ने साथ बैठकर पारंपरिक नाटी चिकन और इडली लुत्फ उठाया।

दरअसल दोनों नेताओं की ये मुलाकातें हाईकमान के आदेश के बाद हो रही हैं। पिछले 22 दिनों से दोनों गुटों के कार्यकर्ता अपने-अपने नेता को सीएम पद पर देखना चाह रहे है। 2023 में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब मुख्यमंत्री पद के लिए 2.5-2.5 साल की डील हुई थी, लेकिन सिद्धारमैया समर्थक इसे नकारते आए हैं। वहीं पार्टी की तरफ से भी इसकी पुष्टि नहीं हुई थी।

सिद्धारमैया ने बताया कि नाश्ते के दौरान विधानसभा सत्र और आगामी कार्यों पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि 8 दिसंबर को सांसदों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें किसानों और राज्य के अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।

'ऋणी रहूंगा... अरविंद जी आप महान नेता'

अवध ओझा ने राजनीति से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मशहूर कोचिंग टीचर और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया है। कुछ ही महीनों की राजनीतिक पारी के बाद, उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की।

अवध ओझा, जो अपनी प्रेरणादायक बातों और छात्रों के बीच लोकप्रियता के लिए जाने जाते हैं, ने हाल ही में राजनीति में कदम रखा था। आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद, उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई थी। हालांकि, उनकी राजनीतिक पारी अल्पकालिक रही और उन्होंने अब राजनीति से दूरी बनाने का फैसला किया है।

अपने 'एक्स' पर पोस्ट में, अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी और इसके नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, मैं आम आदमी पार्टी को अलविदा कह रहा हूं। मैं हमेशा इस पार्टी का ऋणी रहूंगा। आप एक महान नेता हैं।

अपने पोस्ट में लिखा कि अरविंद जी ,मनीष जी, संजय जी, सभी आप के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नेता आदि आप सभी का दिल से बहुत-बहुत धन्यवाद है। जो प्रेम और सम्मान अपने दिया। मैं उसका ऋणी रहूंगा। राजनीति से संन्यास मेरा व्यक्तिगत निर्णय है। अरविंद जी आप एक बहुत महान नेता हैं।

कौन हैं अवध ओझा?

अवध ओझा देश के सबसे पसंद किए जाने वाले शिक्षकों में से एक हैं। उनका पूरा नाम अवध प्रताप ओझा है। यह एक भारतीय यूपीएससी कोच, यूट्यूबर, और शिक्षक हैं। इनका संबंध यूपी के गोंडा जिले से हैं। यूपीएससी में निराशा मिलने पर इन्होंने इलाहाबाद में कोचिंग में पढ़ाना शुरू किया। कोविड में जब ऑफलाइन क्लासेज बंद हो गई थी, तब अपने अलग शिक्षण शैली के कारण काफी तेजी से यूट्यूब पर पॉपुलर हो गए।

प्रेमी की लाश से शादी, बोली-जयभीम वाला था, इसलिए मारा

आंचल बोली- बौद्ध से हिंदू बन जाता, फिर भी पापा-भाई ने मार डाला

नांदेड़, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। 'मैं और सक्षम 3 साल से रिश्ते में थे। सक्षम दूसरी जाति का था, इसलिए मेरे पापा को हमारा रिश्ता पसंद नहीं था। वे मुझसे कहते थे, कोई भी दूसरा लड़का बताओ, उससे तुम्हारी शादी करवा दूंगा, लेकिन इससे नहीं होने दूंगा। पापा और मेरे भाइयों ने सक्षम को कई बार धमकी दी थी। आखिरकार उसे मार डाला।'

19 साल की आंचल मामीडकर ये बात बताते हुए रोने लगती हैं। महाराष्ट्र के नांदेड़ में रहने वाली आंचल अनुसूचित जाति से आने वाले सक्षम से प्यार करती थी।

आरोप है कि 27 नवंबर को आंचल के पिता और भाइयों ने सक्षम की गोली मारी और फिर पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद आंचल ने सक्षम की डेडबॉडी से शादी की और अभी उसी के घर रह रही है। शादी का एक वीडियो भी वायरल हुआ है।

आंचल पद्मशाली (बुनकर) कम्युनिटी से आती हैं। ये कम्युनिटी स्पेशल बैकवर्ड क्लास में आती है। सक्षम का परिवार बौद्ध धर्म को मानता है। आंचल जिस कमरे में मिलीं, वहां दीवार पर डॉ. अंबेडकर की फोटो लगी है। आंचल ने दावा किया कि सक्षम धर्म बदलने के लिए तैयार था, ताकि दोनों की शादी हो सके। आंचल बताती हैं, '27 नवंबर की शाम मैं घर पर थी। फैमिली ने मुझे बताया कि मेरे भाइयों का सक्षम से झगड़ा हो गया है। सक्षम को टांके आए हैं। इसके बाद मुझे घर से दूर ले गए। रात में पुलिस आई और पापा को पकड़ लिया।'

'मुझे शाम से ही लग रहा था कि कुछ गलत हुआ है। मैंने देखा कि पुलिस ने पापा को हथकड़ी लगा दी है। तब मुझे यकीन हो गया कि सक्षम के साथ कुछ गलत हुआ है। मैंने सुबह अखबार पढ़ा तो पता चला कि सक्षम अब नहीं रहा।'

आंचल के पिता गजानन ने लव मैरिज की थी। उसकी वाइफ जयश्री राजपूत हैं। वह पहले से शादीशुदा थी। साहिल उसके पहले पति का बेटा है।

आंचल और नाबालिग बेटा गजानन के हैं। पिता की गिरफ्तारी के बाद आंचल ने अपना घर छोड़ दिया। वो सीधे सक्षम के घर पहुंची। तब सक्षम के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी। आंचल ने सक्षम के परिवार से कहा कि मैं अब अपने घर पर नहीं रहूंगी। मैंने सक्षम से प्यार किया है और अब उसकी लाश से शादी करूंगी।

पुलिस के मुताबिक, सक्षम 27 नवंबर की शाम पुरानी गंजी इलाके में दोस्तों के साथ खड़ा था। तभी उसका आंचल के नाबालिग भाई से झगड़ा हो गया। भाई ने सक्षम पर गोली चलाई, जो उसकी पसलियों में लगी। इसके बाद उसने एक टाइल सक्षम के सिर पर दे मारी। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सक्षम की मां संगीता गौतम बताती हैं, 'सक्षम और आंचल एक दूसरे को कई साल से जानते थे। वो कभी-कभी हमारे घर आया करती थी।

आंचल और सक्षम फोन पर बातें करते थे। हमारी जाति अलग-अलग हैं। इस वजह से आंचल के घरवालों को बच्चों की दोस्ती पर एतराज था।' 'आंचल के पापा और भाइयों ने कई बार उसे जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस केस भी किया। एक महीने पहले भी उन्होंने जान से मारने की धमकी दी थी।'

झारखंड में तीन दिनों बाद गिरेगा 3-4 डिग्री तापमान

पांच से कड़ाके की ठंड की संभावना, पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक ठंडा रहा गुमला

रांची, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची सहित राज्य भर के मौसम में उतार-चढ़ाव हो रहा है। कभी ठंड बढ़ रही है तो कभी तापमान बढ़ने से गर्मी महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे (3-4) डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। सुबह में कोहरा या धुंध बाद में आंशिक बादल छा सकते हैं। तापमान में गिरावट के बाद पांच दिसंबर से कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना भी जताई जा रही है। इधर, सोमवार को सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। कई स्थानों पर हल्की बूंदा-बांदी भी हुई। दिन भर लोग धूप के लिए तरसते नजर आए। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया।

बीजेपी ने मुन्नार से सोनिया गांधी को बनाया कैंडिडेट

तिरुवनंतपुरम/मुन्नार, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी सरप्राइज देते हुए मुन्नार से सोनिया गांधी को मैदान में उतार दिया है। सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्ष अलायंस यूडीएफ वाले राज्य में बीजेपी के दांव ने कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया है।

सोनिया स्वर्गीय दूर राज की बेटी हैं। वह कांग्रेस के सीनियर लीडर थे, कभी उनके पिता ने सोनिया गांधी की तारीफ में अपनी बेटी का यह नाम रखा था। सोनिया की शादी सुभाष से हुई है। वह बीजेपी के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। बीजेपी ने कांग्रेस को असहज करते हुए सुभाष की पत्नी सोनिया गांधी को मैदान में उतार दिया है। वह केरल निकाय चुनावों में चर्चा का केंद्र बन गई हैं।

क्यों मुश्किल में पड़ी कांग्रेस?

कांग्रेस नेता और बीजेपी कार्यकर्ता की सुभाष की पत्नी सोनिया ने अपने पति के पद चिन्हों पर चलते हुए राजनीतिक में एंट्री ली है। सोनिया गांधी अब बीजेपी से चुनाव लड़ रही हैं। उनके पति सुभाष अभी पंचायत जनरल सेक्रेटरी हैं।

उन्होंने पुराने मुन्नार मूलक्कड़ा वार्ड में एक उप चुनाव में बीजेपी कैंडिडेट के तौर पर भी चुनाव लड़ा था। यहां पर बीजेपी की कैंडिडेट सोनिया गांधी हैं तो कांग्रेस की प्रत्याशी मंजुला रमेश हैं। उन्हें सोनिया की उम्मीदवारी से एक अजीब चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि सोनिया का नाम तुरंत लोगों का ध्यान खींच रहा है।

इतना ही नहीं बीजेपी कैंडिडेट का नाम ऐसा हैं जो कांग्रेस की शीर्ष नेता का नाम है। जो चर्चा का विषय बना हुआ है कि बीजेपी की सोनिया गांधी। यह चीज लोगों को आश्चर्य में डाल रही है।

पटना में खूनी शराब पार्टी!

दोस्तों के झगड़े में गई एक की बीवी की जान

पटना, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी लागू होने के बावजूद राजधानी पटना में दारू पार्टी हुई। फिर जब सुरूर चढ़ा तो बहस होने लगी। आखिर में ये बहसबाजी खूनी हो गया। राजीव नगर रोड नंबर 25D इलाके में सोमवार देर रात दोस्तों के बीच शराब पीने के दौरान शुरू हुई मामूली कहासुनी ने इतना विकराल रूप ले लिया कि एक दोस्त ने दूसरे की पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतका की पहचान 25 वर्षीय प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से समस्तीपुर की रहने वाली थी। प्रियंका पिछले 7 सालों से अपने पति मेघनाथ साह और बच्चे के साथ किराए के मकान में रह रही थी।

जानकारी के अनुसार, प्रियंका के पति मेघनाथ साह अपने दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। पार्टी के दौरान ही दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई। ये बहस जल्द ही गाली-गलौज और फिर मारपीट में बदल गई। इसी दौरान, नशे में धुत पति के दोस्तों ने प्रियंका को निशाना बनाया और उस पर ईंट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। ईंट से बुरी तरह पीटे जाने के कारण महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। महिला की हत्या करने के बाद वारदात को अंजाम देने वाले सभी आरोपी मौके से तुरंत फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम राजीव नगर इलाके में पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने मृतका की पहचान करने के बाद उसके पति से पूछताछ की। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और उनके खिलाफ हत्या और शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज कर कानूनी की।

घर में लगी आग

स्टोर रूम जलकर खाक, दो से ढाई लाख का नुकसान, कोई हताहत नहीं

जमशेदपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के गोलमुरी स्थित सुखिया रोड के क्वार्टर नंबर 83 में सोमवार देर रात आग लग गई। स्थानीय निवासी हसप्रीत सिंह के घर में लगी इस आग से स्टोर रूम पूरी तरह जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, दो से ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। आग रात लगभग 10 बजे लगी। पड़ोसियों ने क्वार्टर से घना धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी और अन्य लोगों को सतर्क किया। स्थानीय निवासियों ने बाल्टी और पाइप की मदद से आग बुझाने का प्रयास भी किया।

'वो फसादी, हम जिहादी...', मौलाना मदनी ने किसे लेकर दिया यह बयान

वंदे मातरम पर भी बोले

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। मौलाना महमूद मदनी ने एक साक्षात्कार में जिहाद के असली अर्थ स्पष्ट करने का दावा किया है। उन्होंने कहा, 'इस शब्द के वास्तविक अर्थ को लेकर कुछ भ्रम पैदा किया गया है। जिहाद के कई अर्थ हैं। सबसे बड़ा जिहाद अपने लक्ष्य के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण रखना और खुद का व्यक्तित्व बेहतर बनाने की दिशा में काम करना है। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में कई विषयों पर विस्तार से बातें कीं। उन्होंने कहा, 'अगर अन्याय हो रहा है, तो उसके खिलाफ आवाज उठाना भी जिहाद है। वंदे मातरम को लेकर अपनी टिप्पणियों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी जबरदस्ती करवाई जा रही है। जगह-जगह कहा जा रहा है कि इसे बोलें ही बोलें। ...ये तो आइडिया ऑफ इंडिया नहीं है।

जमीयत ने वंदे मातरम को लेकर क्या कहा?

भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से जुड़े एक सवाल पर जमीयत प्रमुख मदनी ने कहा, 'हमारे संगठन ने 2011 और उससे पहले भी काफी बहस की थी। अब वे (सरकार) कह रही है कि वंदे मातरम अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इसे जबरन लागू करना भारत का विचार नहीं है। अगर जरूरी हुआ तो हम इस फैसले और विचार को अदालत में चुनौती भी देंगे। उन्होंने चुनौती देने की रणनीति को लेकर कहा, 'सबसे पहले हम इस विषय पर सभी लोगों से बात करेंगे और नागरिक समाज को एक साथ लाने की कोशिश करेंगे।'

संगठन और अपनी भूमिका को लेकर मदनी ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, 'जब से मैंने इस संगठन में एक सचिव के रूप में प्रवेश किया है, मैंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया है कि आतंकवादियों ने जिन इस्लामिक शब्दों को गलत तरीके से समझाया है, उसे ठीक करके सबके सामने लाऊं।' उन्होंने कहा, 'हम जिहाद का मतलब आतंकवादियों से लड़ना समझते हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वे 'फसादी' हैं, और हम 'जिहादी' हैं।

मुसलमानों को गाली देने के लिए नए शब्द गढ़े जा रहे हैं

उन्होंने सत्ताधारी खेमे पर भी गंभीर आरोप लगाए। मदनी ने कहा, चाहे केंद्र हो या राज्य सरकार के मंत्रालय, सबने फैसला किया है कि अगर मुसलमानों से जुड़ी कोई भी नकारात्मक बात सामने आती है, तो उसे जिहाद कहा जाएगा। हालांकि, सच्चाई ये है कि जिहाद एक पवित्र शब्द है। हम जिहाद के असली अर्थ के लिए लड़ रहे हैं... लव जिहाद, जमीन जिहाद, 'थूक जिहाद' और वोट जिहाद मुसलमानों को गाली देने के लिए नए शब्दों के रूप में गढ़े गए हैं।

रायपुर में विराट कोहली को देख रोने लगी फैन

होटल पहुंचने पर दिया गुलाब, स्टेडियम में भारत-साउथ अफ्रीका टीम की प्रैक्टिस

रायपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 दिसंबर को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वनडे मैच खेला जाएगा। दोनों टीमें सोमवार को रांची से एक ही चार्टर्ड फ्लाइट से रायपुर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर रोहित शर्मा, विराट कोहली को देखने भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं निजी होटल पहुंचने पर विराट कोहली को अपने इतने करीब देखकर एक फैन रोने लगी। उसने कोहली को गुलाब भी दिया। रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं। इसके बाद शाम 5.30 बजे से भारतीय टीम प्रैक्टिस के लिए उतरेगी। इससे पहले शाम 4.30 बजे टीम इंडिया प्रेस कॉन्फ्रेस करेगी।

बता दें कि प्रैक्टिस के दौरान आम दर्शकों की एंट्री बैन है, जबकि बीसीसीआई के कार्डधारी ही स्टेडियम में प्रवेश कर सकेंगे।

दुर्ग एएसपी पर पानी-पाउच फेंकने पर लाठीचार्ज

जमीन गाइडलाइन का विरोध करने पहुंचे 5 व्यापारियों पर एफआईआर, झड़प में 6 पुलिसकर्मियों को आई चोट

दुर्ग-भिलाई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नई कलेक्टर गाइडलाइंस की वजह से जमीन की कीमतें 5-9 गुना बढ़ गई हैं। पिछले 5 दिनों से कई जिलों में प्रदर्शन जारी है। इसी बीच सोमवार को दुर्ग में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। जमीन व्यापारियों को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को भी चोटें आई हैं। वहीं पुलिस ने 8 व्यापारियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। 5 जमीन व्यापारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जबकि 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक व्यापारियों ने पुलिसकर्मियों पर झंडा और पानी के पाउच फेंके थे। एक पाउच एएसपी सुखनंदन राठौर पर भी गिरा। इसके बाद उन्होंने लाठीचार्ज शुरू किया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। जमीन व्यापारी कन्हैया मिश्रा ने कहा कि जमीन ही व्यापारियों के लिए रोजी-रोटी का एकमात्र जरिया है। यही हमारा काम है। कई व्यापारी बुजुर्ग हैं। इस उम्र में वे न तो कोई नई नौकरी कर सकते हैं और न ही कोई दूसरा काम कर सकते हैं। लाठीचार्ज निंदनीय है। दुर्ग पुलिस के मुताबिक प्रदर्शन में शामिल राकेश यादव, अनिल वासनिक और विक्की चंद्राकर को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा अन्य व्यापारियों की भी तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि इनके ऊपर आपराधिक मुकदमा दर्ज किया गया है।

लैंड डीलर कन्हैया मिश्रा ने कहा कि हम पिछले एक हफ़्ते से शांति से प्रोटेस्ट कर रहे हैं। हमने कभी हिंसा का सहारा नहीं लिया। पुलिस को लाठीचार्ज नहीं करना चाहिए था। यह निंदनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रोटेस्ट के दौरान असामाजिक तत्वों ने तनाव की स्थिति पैदा की, लेकिन पुलिस को संयम रखना चाहिए था।

जानकारी के मुताबिक, नई कलेक्टर गाइडलाइंस को लेकर प्रदर्शन कर रहे जमीन व्यापारियों की ओर से पटेल चौक पर चर्चा के दौरान भीड़ में किसी ने पानी का पाउच फेंका। इसके बाद एएसपी सुखनंदन राठौर ने सबसे पहले लाठी चलाई। इसके बाद पुलिस ने व्यापारियों पर ताबड़तोड़ लाठियों की बौछार कर दी। इसमें कई प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। प्रदर्शनकारियों की ओर से पुलिसकर्मियों पर झंडा भी फेंका गया। इससे महिला पुलिसकर्मी भी बाल-बाल बचे।

मेंटल टॉर्चर किया जा रहा, असीम मुनीर जिम्मेदार

इमरान खान ने बहन से बताया हाल अदियाला जेल में हुई मुलाकात

इस्लामाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन उजमा खान नियाजी ने मंगलवार को अदियाला जेल मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि इमरान खान फिट और फाइन हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री गुस्से में थे।

उजमा ने कहा कि उनसे इमरान खान ने बताया कि उनका मेंटल टॉर्चर किया जा रहा है। कमरे से बाहर निकलने नहीं दिया जा रहा। इमरान खान ने इसके लिए फील्ड मार्शल असीम मुनीर को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान सरकार ने पिछले एक महीने से इमरान खान के परिवार के किसी भी सदस्य को उनसे मुलाकात की इजाजत नहीं दी थी।

इमरान खान और उनकी बहन के बीच मुलाकात 25-35 मिनट तक चली। उज़मा खान के करीबी सूत्रों ने रिपोर्टरों को बताया कि इमरान खान "ठीक, फिट और जोश में" लग रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान मानसिक रूप से मजबूत रहे और उन्होंने अपनी पार्टी लीडरशिप के साथ-साथ जिसे उन्होंने "अलोकतांत्रिक शासन" कहा, उसके लिए भी एक संदेश दिया।

इमरान खान से मुलाकात की इजाजत न मिलने के कारण इमरान खान की बहनों ने जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। इसमें हजारों की संख्या में इमरान खान के समर्थक शामिल थे। इमरान खान के समर्थकों ने मंगलवार को एक भारी विरोध प्रदर्शन का भी ऐलान किया था। जिसके बाद शहबाज सरकार के हाथ-पांव फूल गए थे।

माना जा रहा है कि इसी के दबाव में इमरान खान की बहनों को मुलाकात की इजाजत दी गई थी।

पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार और पीटीआई सदस्यों को कई हफ्तों तक उनसे मिलने की इजाजत नहीं मिलने देने के बाद, पीटीआई ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री के मिलने के अधिकार पर लगी रोक के खिलाफ इस्लामाबाद हाई कोर्ट और अदियाला जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया था। गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी में धारा 144 का पालन पक्का किया जाएगा।

72 साल के पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान खान अगस्त 2023 से ही जेल में हैं। उन्हें कई मामलों में दोषी ठहराया गया है। हालांकि, इमरान खान का कहना है कि 2022 में अविश्वास प्रस्ताव में उन्हें हटाए जाने के बाद ये मामले राजनीति से प्रेरित थे। उन्हें पहली बार तोशखाना मामले में दोषी ठहराया गया था, और यह आरोप था कि उन्होंने बतौर पीएम मिले तोहफों को गैर-कानूनी तरीके से बेचा। इमरान खान को साइफर मामले में 10 साल और अल कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा सुनाई गई है।

दो समुदाय में तनाव, नगर बंद कराने निकाली रैली

सीतापुर में 4 घंटे चक्काजाम युवकों के हंगामा मचाए जाने के बाद भड़का आक्रोश

सरगुजा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। सरगुजा के सीतापुर में दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति बन गई है। 30 नवंबर को एक शादी समारोह में कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ जिसके बाद बात मारपीट तक आ पहुंची। जिसके बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे जहां पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत सुनी और मामला दर्ज कर लिया। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस की एकपक्षीय कार्रवाई से नाराज उरांव समाज ने बीती रात 4 घंटे नेशनल हाईवे में चक्काजाम कर दिया। 2 दिसंबर यानि आज समाज ने नगर बंद का आह्वान किया और रैली निकाली। तनाव की स्थिति को देखते हुए सीतापुर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है विवाद 3 दिनों तक चला। 1 दिसंबर को फिर दूसरे पक्ष के युवकों ने 20 बाइक और स्कॉर्पियो में उरांव पारा पहुंचकर हंगामा मचाया था।

चक्रवात दित्वाह से तबाही: मुश्किल समय में श्रीलंका का सहारा बना भारत

एनडीआरएफ ने गर्भवती महिला को दिया नया जीवन

कोलंबो, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका इन दिनों चक्रवात 'दित्वाह' से हुई भारी तबाही से जूझ रहा है। देश में लगातार हो रही बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने कई इलाकों को पूरी तरह काट दिया है। ऐसी भयावह स्थिति में श्रीलंका के लिए भारत का राहत अभियान सबसे बड़ी उम्मीद बनकर उभरा है। बाढ़ और भूस्खलन से जूझते कई इलाकों में हालात बेहद गंभीर हैं, वहीं भारतीय एनडीआरएफ टीम ने पुत्तलम जिले में मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए नौ महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बचाकर तत्काल चिकित्सा सहायता पहुंचाई।

बता दें कि 'चक्रवात दित्वाह' के चलते श्रीलंका में लगातार हो रही बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने कई इलाकों को पूरी तरह काट दिया है। कई स्थानों पर सड़कें टूट गई हैं और राहत पहुंचाना मुश्किल हो गया है। स्थिति इतनी खराब हो गई है कि 16 नवंबर से अब तक 390 लोगों की मौत हो चुकी है और 352 लोग लापता हैं। ऐसे में भारत ने एक अच्छे पड़ोसी होने का परिचय देते हुए मदद का हाथ आगे बढ़ाया और श्रीलंका की मदद के लिए बड़ा राहत अभियान चलाया है, जिसे ऑपरेशन 'सागर बंधु' नाम दिया गया है।

भारतीय उच्चायोग के अनुसार, पुत्तलम जिले में एनडीआरएफ ने नौ महीने की गर्भवती महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। इसके अलावा एनडीआरएफ टीमों ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर लगभग 800 लोगों तक खाने और जरूरी सामान की सप्लाई पहुंचाई, जो बाढ़ के कारण फंसे हुए थे। इसी राहत अभियान में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने 5.5 टन से अधिक राहत सामग्री हवा से गिराई। कई क्षेत्रों में जमीन पर उतरना संभव नहीं था, इसलिए हेलीकॉप्टरों से सामग्री ऊपर से पहुंचाई गई।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को एक्सपायर्ड राहत सामग्री भेजी

बाढ़ राहत के लिए भेजे गए फूड पैकेट की तस्वीर वायरल, इस पर एक्सपायरी डेट अक्टूबर 2024 लिखा

इस्लामाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने श्रीलंका को एक्सपायर्ड राहत सामग्री भेज दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका में आए साइक्लोन दितवाह से निपटने के लिए पाकिस्तान ने मदद भेजी थी, लेकिन उन फूड पैकेट पर एक्सपायरी डेट अक्टूबर 2024 थी।

पाकिस्तान ने पानी, दूध पाउडर और आटे सहित कई पैकेट भेजे थे। पाकिस्तान हाई कमीशन श्रीलंका ने 30 नवंबर को सोशल मीडिया X पर इससे जुड़ा एक पोस्ट किया था। इसमें राहत सामग्री की तस्वीर भी जारी की गईं, जिसमें एक्सपायरी डेट लिखी नजर आ रही है।

ये पोस्ट वायरल हो रहा है, कई यूजर्स पाकिस्तान की आलोचना कर रहे हैं। हालांकि अब तक पाकिस्तान का रिएक्शन सामने नहीं आया है।

श्रीलंका साइक्लोन दितवाह की वजह से भारी बाढ़ का सामना कर रहा है। इससे 390 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। 370 लोग लापता हैं। देश में 11 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, लगभग 2 लाख लोग घर छोड़कर शेल्टर होम में रह रहे हैं।

इससे पहले भी पाकिस्तान रिलीफ मटेरियल को लेकर विवादों में रह चुका है। साल 2022 में तुर्किये में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था।

इस दौरान पाकिस्तान ने तुर्किये को उसी का भेजा रिलीफ मटेरियल वापस पैक करके भेज दिया था।

दरअसल, साल 2021 में पाकिस्तान में बाढ़ के बाद तुर्किये ने मदद भेजी थी। तुर्किये ने इस हरकत के लिए पाकिस्तान को फटकार भी लगाई थी। तुर्किये और सीरिया में भूकंप से 47 हजार लोगों की मौत हुई थी।

भारत ने तूफान दितवाह से प्रभावित श्रीलंका के लिए राहत सामग्री ले जा रही पाकिस्तान की फ्लाइट को अपने एयरस्पेस से गुजरने की मंजूरी दी। यह मंजूरी सिर्फ 4 घंटों के अंदर दी गई।

सरकार की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने सोमवार दोपहर लगभग 1 बजे भारतीय एयरस्पेस के ऊपर से उड़ान भरने की रिक्वेस्ट की थी। इसका मकसद श्रीलंका को मानवीय मदद देना बताया गया। इसे देखते हुए भारत ने बहुत तेजी से रिक्वेस्ट प्रोसेस की।

वहीं, पाकिस्तानी मीडिया ने पहले दावा किया था कि भारत ने पाकिस्तान के लिए एयरस्पेस खोलने से इनकार कर दिया है। भारत ने इन दावों को खारिज कर दिया।

अरपा नदी में प्रदूषण बढ़ा, एसटीपी चालू कराने की मांग

बिलासपुर में कमिश्नर को सौंपा गया आवेदन, पुलों पर जाली लगाने की डिमांड

बिलासपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर की जीवनरेखा अरपा नदी में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए 'अरपा अर्पण महाअभियान' ने एक जन आंदोलन शुरू किया है। इस अभियान के तहत संस्था ने नदी में लगातार बहाए जा रहे गंदे पानी की सफाई के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को जल्द चालू कराने की मांग की है। महाअभियान के अध्यक्ष श्याम मोहन दुबे ने नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने बताया कि जूना बिलासपुर और शिवघाट सरकंडा में अरपा नदी पर एनीकट के निर्माण के बाद से ही संस्था लगातार प्रदूषण रोकने की मांग कर रही है, लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ज्ञापन में कहा गया है कि निगम क्षेत्र के नालों का गंदा पानी लगातार नदी में प्रवाहित हो रहा है।

मुनीर का प्रमोशन रोक लंदन क्यों गए पीएम शहबाज

3 दिन बाद भी सीडीएफ नहीं बने पाकिस्तानी आर्मी चीफ, संविधान संशोधन के बाद भी पद खाली

इस्लामाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में 27वें संवैधानिक संशोधन के बाद भी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) नहीं बन पाए हैं। इसके लिए 29 नवंबर को नोटिफिकेशन जारी होना था, लेकिन 3 दिन बाद भी यह पद खाली पड़ा है।

पाकिस्तानी संसद ने 12 नवंबर को संशोधन कर आर्मी चीफ को ज्यादा ताकत देने के लिए सीडीएफ पद बनाया था। आसिम मुनीर को यह पद के मिलते ही परमाणु हथियारों की कमान भी मिल जाती।

इससे मुनीर देश के सबसे ताकतवर शख्स बन जाते, लेकिन इसके लिए जरूरी नोटिफिकेशन पर पीएम शहबाज शरीफ ने अब तक साइन नहीं किए हैं।

शहबाज 26 नवंबर को बहरीन चले गए थे, फिर 27 नवंबर को अनौपचारिक यात्रा पर लंदन रवाना हो गए। उन्हें 1 दिसंबर को पाकिस्तान वापस लौटना था, लेकिन उनके आने से जुड़ी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि शहबाज शरीफ ने खुद को इस प्रक्रिया से इसलिए दूर कर लिया है, ताकि उन्हें आसिम मुनीर की नई नियुक्ति वाले आदेश पर साइन न करने पड़े।

पाकिस्तानी पत्रकार फहद हुसैन ने कहा कि या तो कोई गंभीर और छुपा हुआ मुद्दा है, जिसकी वजह से नोटिफिकेशन रुकी हुई है।

कई और एक्सपर्ट्स ने कहा कि नोटिफिकेशन में देरी से पता चलता है कि अंदरूनी मसले अभी सुलझे नहीं हैं और पर्दे के पीछे राजनीतिक खींचतान चल रही है।

पाकिस्तान में कई कानूनी विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि जब तक आधिकारिक नोटिफिकेशन नहीं आती, तब तक तकनीकी रूप से यह माना जा सकता है कि आर्मी चीफ का कार्यकाल समाप्त हो चुका है

चीफ ऑफ स्टाफ की जगह सीडीएफ पद बनाया गया था

पिछले महीने हुए संविधान संशोधन में चेयरमैन जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीजेसीएससी) की जगह सीडीएफ पद बनाया गया जो तीनों सेनाओं के बीच तालमेल रखेगी।

सीजेसीएससी शाहिद शमशाद मिर्जा के 27 नवंबर को रिटायर हो जाने के बाद अब तक आसिम मुनीर सीडीएफ नहीं बन पाए हैं।

27 नवंबर को पुराना पद खत्म हो गया

कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, 27 नवंबर को पुराना पद खत्म होने के साथ ही 28 या 29 नवंबर तक नई नोटिफिकेशन जारी होना जरूरी था। 29 नवंबर 2022 को जनरल आसिम मुनीर को सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका मूल कार्यकाल तीन साल का था, यानी 28 नवंबर 2025 को खत्म हो गया। पिछले साल ही संसद ने कानून पास करके सेना प्रमुख का कार्यकाल 3 से बढ़ाकर 5 साल कर दिया था। इसलिए कानूनी रूप से उनका पद खतरे में नहीं था। वहीं, सीडीएफ बनने के बाद मुनीर का कार्यकाल 2030 तक हो जाता।

चीन से बांग्लादेश पहुंची डॉक्टरों की विशेष टीम

ढाका, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की तीन बार की प्रधानमंत्री और राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया का स्वास्थ्य अभी भी नाजुक स्थिति में है। उन्हें इलाज के लिए ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में और बिगड़ते हालात को देखते हुए चीन की पांच सदस्यीय विशेषज्ञ टीम सोमवार को ढाका पहुंची और रात में अस्पताल में इलाज की प्रक्रिया में शामिल हो गई। इस टीम ने अस्पताल के चिकित्सा बोर्ड से बैठक की, जिसमें उनके स्वास्थ्य के बारे में चर्चा हुई।

अस्पताल के हृदय विशेषज्ञ और बोर्ड के प्रमुख डॉ शाहाबुद्दिन तालुकदार ने बताया कि खालिदा जिया की हालत स्थिर नहीं है और वह फिलहाल विदेश में इलाज के लिए यात्रा करने योग्य नहीं हैं। बता दें कि 80 वर्षीय खालिदा जिया को 23 नवंबर को दिल और फेफड़ों में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आने के बाद उन्हें चार दिन बाद कोरोनरी केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया। रविवार रात से उन्हें वेंटिलेशन पर रखा गया है।

दूसरी ओर बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए अस्पताल के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने अस्पताल के मुख्य गेट पर बैरिकेड लगाकर मरीजों की आवाजाही और सुरक्षा को नियंत्रित किया है। खालिदा जिया के चारों ओर सभी आसपास के कमरे खाली करवा दिए गए हैं।

पाकिस्तान में रावलपिंडी से इस्लामाबाद तक हाई अलर्ट

धारा 144 लागू, इमरान समर्थकों के रैली-जुलूस निकालने पर रोक

इस्लामाबाद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक हाई अलर्ट जारी कर दिया है। रावलपिंडी में धारा 144 लागू है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों को विरोध प्रदर्शन करने से रोकने के लिए लिया गया है।

इसके तहत 1 से 3 दिसंबर तक सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन और 5 से ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने पर बैन लगा दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है।

आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया था।

आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं।

ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे

पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे।

उन्होंने कहा, "प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।"

पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, ' पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं।

बीएलएफ का पाक फ्रंटियर कोर पर हमला

पहली बार धमाके में महिला फिदायीन का इस्तेमाल, छह जवानों की गई थी जान

बलूचिस्तान, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बलूचिस्तान के चगाई में फ्रंटियर कोर के एक सुरक्षित परिसर पर रविवार शाम को बलूच लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हमला किया। यह परिसर चीन के कॉपर और गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट से जुड़ा हुआ है। इस हमले में छह पाकिस्तानी जवानों की मौत हुई। हमले की खास बात यह है कि बीएलएफ ने दावा किया है कि यह पहली बार कि जब उसने किसी भी हमले में महिला आत्मघाती हमलावर का इस्तेमाल किया। हमलावर का नाम जरीना रफीक, जिसे ट्रांग महू भी कहा जाता है। जरीना ने सुरक्षा गेट पर खुद को विस्फोट से उड़ा दिया ताकि अन्य बीएलएफ के लड़ाके मुख्य परिसर में घुस सकें।

मामले में विशेषज्ञों का कहना है कि इस हमले से बीएलएफ की रणनीति बदल गई है। अब वे सीधे महत्वपूर्ण और विदेशी निवेश वाले प्रोजेक्ट्स को निशाना बना रहे हैं। यह परिसर साइंडक और रेको दीक प्रोजेक्ट्स से जुड़ा हुआ है, जिनमें चीनी कंपनियों और एक कनाडाई कंपनी का भी काम है। इस हमले को लेकर बीएलएफ ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि यह ऑपरेशन उनके 'आत्मसमर्पण' यूनिट, साद्दो ऑपरेशनल बटालियन (एसओबी) के जरिए किया गया, जो शहीद कमांडर वाजा सादो के नाम पर है। इतना ही नहीं इसी दौरान बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने भी कई जगहों पर हमले किए। 28-29 नवंबर के बीच उनके हमलों में 27 पाकिस्तानी सेना के जवान मारे गए। इस बात को लेकर बीएलए ने कहा कि उन्होंने मोटरवे और हथियारों पर कब्जा भी कर लिया।

दुनिया में होने जा रहा बड़ा युद्ध

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने दी परमाणु जंग की चेतावनी

वॉशिंगटन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। टेस्ला और एक्स के मालिक अरबपति एलन मस्क लगातार भविष्य को लेकर दुनिया को आगाह कर रहे हैं। जनसंख्या में कमी हो या एआई का इस्तेमाल, एलन मस्क ने मानवता को सचेत किया है। एलन मस्क ने अब चेतावनी दी है कि अगले 5 से 10 साल में दुनिया में एक बड़ा युद्ध छिड़ सकता है। यह परमाणु युद्ध भी हो सकता है। एक्स पर लिखे एक पोस्ट में एलन मस्क ने कहा कि जल्द ही दुनिया एक वैश्विक संघर्ष में फंस सकती है। ट्रंप सरकार के साथ काम कर चुके मस्क ने वैश्विक प्रशासन पर परमाणु प्रतिरोधक क्षमता के असर को लेकर चल रही एक बहस में यह पोस्ट किया। मस्क के इस बयान के बाद बहस तेज हो गई है। मस्क ने शिकारी ऐश नामक यूजर के एक पोस्ट के जवाब में यह कहा। इस यूजर ने दावा किया था कि दुनियाभर की सरकारें प्रशासन के मामले में कम प्रभावी हैं और इसके पीछे वजह यह है कि उन्हें किसी विदेशी युद्ध के खतरे का डर नहीं है। इसके जवाब में एलन मस्क ने खुलकर कहा कि एक बड़ा युद्ध होने जा रहा है। आप सवाल कर सकते हैं कि कब और कहां होने जा रहा है? इस पर मस्क ने कहा कि साल 2030 तक यह युद्ध हो सकता है। मस्क ने कहा, 'युद्ध अवश्यसंभावी है। 5 साल अधिकतम 10 साल।'

हालांकि एलन मस्क ने अपनी संभावन को बहुत ज्यादा विस्तार में नहीं बताया। इससे एक्स यूजर को यह नहीं पता चल पाया कि उनकी आशंका किसको लेकर है लेकिन उनकी एक्स के एआई ग्रोक का कहना है कि इससे पहले के एक बयान में एलन मस्क ने वश्वि व्यवस्था को लेकर कहा था।

इसमें यूरोप में माइग्रेशन संकट और वैश्विक संघर्ष के खतरे को बताया था।

पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से मारा, मौत

खाना विवाद में सिर पर वार कर ली जान, दंपती का है ढाई साल का एक बच्चा

गुमला, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला जिले के टोटो थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। टोटो नवाटोली गांव में एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ने खाना खाने को लेकर हुए विवाद में अपनी 39 वर्षीय पत्नी की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

आरोपी की बहन सुशीला उरांव ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टोटो नवाटोली निवासी सरोज उरांव (39) अपने पति संदीप उरांव की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण मंगलवार सुबह उन्हें लोरो गांव में एक वैद्य के पास इलाज के लिए ले गई थीं। इलाज के बाद घर लौटने पर सरोज खाना परोस रही थीं, तभी संदीप वहां से भागने लगा। सरोज उन्हें कुछ दूर से पकड़कर घर वापस लाईं। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। गुस्से में संदीप ने घर में रखी कुल्हाड़ी उठाई और सरोज के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक क्विंटल डोडा भूसी जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

रांची से बरेली ले जा रहे थे मादक पदार्थ की खेप, 7 हजार रुपए किलो में बेचा जाता था

पलामू, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक क्विंटल से अधिक डोडा भूसी जब्त की है। यह कार्रवाई मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगराकला में की गई, जहां उत्तर प्रदेश के बरेली के दो अंतर-राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया। ये तस्कर रांची से बरेली तक अफीम भूसी की तस्करी में शामिल थे।

पुलिस ने कार से चार अलग-अलग बोरों में भरी कुल एक क्विंटल 1 किलो 870 ग्राम अफीम डोडा भूसी बरामद की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह मादक पदार्थ रांची के बुंडू थाना क्षेत्र के चक गांव से खरीदा गया था।

गिरफ्तार तस्करों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वे चक गांव से डोडा भूसी 1400 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से खरीदते थे। इसे उत्तर प्रदेश के बरेली में 7 से 8 हजार रुपए प्रति किलोग्राम में बेचा जाता था, जिससे उन्हें भारी मुनाफा होता था।

एसपी रिष्मा रमेशन ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर सदर थाना प्रभारी लाल जी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने पांकी रोड से पड़वा की ओर जाने वाले मार्ग पर कार्रवाई की।

पुलिस को देखकर चालक ने भागने का प्रयास किया

सिंगराकला गांव में NH-39 पर एक लाइन होटल के पास संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मेदिनीनगर की ओर से पड़वा की ओर तेज गति से आती एक कार संदिग्ध दिखी। पुलिस को देखकर चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन जवानों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

महिला ड्राइवरों की नियुक्ति करें, बनाएं साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर

भजनलाल सरकार को हाई कोर्ट का आदेश

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य की भजनलाल सरकार को महिला ड्राइवर की नियुक्त और साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर बनाने सहित कई आदेश जारी किए हैं। हाई कोर्ट ने ऐप आधारित कैब और बाइक टैक्सी प्लेटफॉर्म पर महिला ड्राइवरों की संख्या बढ़ाने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि अगले छह महीनों में कम से कम 15 फीसदी महिला ड्राइवरों को शामिल किया जाए। और अगले 2-3 वर्षों में इसे 25 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य रखें। हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि महिला यात्रियों को अपनी सवारी के लिए महिला ड्राइवर को प्राथमिकता देने का विकल्प भी दें।

यह आदेश जस्टिस रवि चिरानिया की ओर से जारी 35 बिंदुओं के विस्तृत निर्देश का हिस्सा है, जिसमें साइबर अपराध से निपटने के लिए राजस्थान की साइबर पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार और एक 'साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर' की स्थापना पर भी जोर दिया गया है।

साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर बनाने की निर्देश

हाई कोर्ट ने राजस्थान सरकार को केंद्र के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी)की तर्ज पर राजस्थान में भी एक साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर बनाने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि 2024 में डीजी, साइबर क्राइम का पद तो बना दिया गया है, लेकिन अभी भी राज्य में डिजिटल अपराधों की जांच और उनसे निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। यह आदेश गुजरात के दो आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिन पर एक बुजुर्ग दंपति से 2.02 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। ये आरोपी जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं और उनकी जमानत याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया।

सिम कार्ड को लेकर भी आदेश जारी

अदालत ने टेलीकॉम और बैंकिंग सेक्टर के लिए भी कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। किसी भी व्यक्ति को चौथा सिम कार्ड जारी करने से पहले कड़ी सत्यापन प्रक्रिया अनिवार्य कर दी गई है। मृत या निष्क्रिय बैंक खातों पर कड़ी निगरानी रखने और ऐसे खातों के लिए फिजिकल केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) को जरूरी बताया गया है। जिन बैंक खातों में तीन वर्षों से सालाना लेन-देन 50,000 रुपये से कम है या जो संदेहास्पद हैं, उनमें इंटरनेट बैंकिंग को निलंबित या बंद करने का भी निर्देश दिया गया है।

गिग वर्कर्स को एक यूनिफॉर्म अपनाने का आदेश

राजस्थान में काम करने वाले सभी गिग वर्कर्स, जैसे कि ऐप-आधारित कैब और बाइक टैक्सी चलाने वाले, अब डीजी, साइबर क्राइम कार्यालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। अदालत ने आदेश दिया है कि 1 फरवरी से सभी गिग वर्कर्स को एक यूनिफॉर्म या निर्धारित ड्रेस कोड अपनाना होगा। उनके पास एक क्यूआर-कोडेड पहचान पत्र होना चाहिए, जिसे मांगने पर दिखाना होगा। सभी गिग वर्कर्स को राज्य के परिवहन विभाग में भी पंजीकरण कराना होगा और वे केवल कमर्शियल नंबर प्लेट वाले वाहनों पर ही काम कर सकेंगे।

राजस्थान समेत 3 राज्यों में सेना के मूवमेंट का पूरा सीक्रेट बेचने वाला पाक जासूस गिरफ्तार

मोबाइल से खुले कई राज

श्रीगंगानगर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। साधुवाली छावनी क्षेत्र में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी कर रहे युवक की गिरफ्तारी ने सुरक्षा एजेंसियों को चौंका दिया। पकड़ा गया युवक प्रकाश सिंह उर्फ बादल (34) पंजाब के फिरोजपुर जिले का निवासी है।

बता दें कि कई दिनों से सैन्य क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास उसकी संदिग्ध गतिविधियां देखी जा रही थीं। इंटेलिजेंस टीम ने उसे निगरानी में रखने के बाद दबोचा, जिसके बाद खुलासा हुआ कि वह लंबे समय से आईएसआई का नेटवर्क चलाने में सक्रिय था।

संदिग्ध सामग्री बरामद

छापेमारी में उसके पास से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, रिकॉर्डिंग गैजेट्स, इलाके के नक्शे और संदिग्ध सामग्री बरामद हुई। तकनीकी जांच में पता चला कि प्रकाश अपने मोबाइल और एनक्रिप्टेड एप्स के माध्यम से संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान भेजता रहा है।

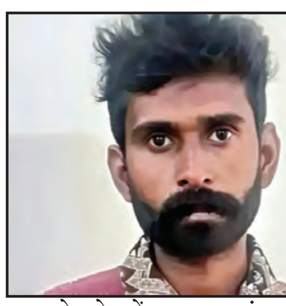

उसके फोन में राजस्थान, पंजाब और गुजरात में सेना की मूवमेंट, सैन्य ठिकानों और बॉर्डर क्षेत्र में किए जा रहे निर्माण कार्यों के वीडियो और फोटोग्राफ मिले। कई फाइलें क्लाउड बैकअप में भी अपलोड की गई थीं, जिनके आईएसआई तक पहुंचने के संकेत मिले हैं।

पाक हैंडलरों से संपर्क

सीआईडी इंटेलिजेंस के आईजी प्रफुल्ल कुमार के अनुसार, प्रकाश ऑपरेशन सिंदूर के समय से ही पाक हैंडलरों के संपर्क में था। वह सोशल मीडिया और खासतौर पर वॉट्सएप के जरिए पाकिस्तान स्थित अधिकारियों से निर्देश प्राप्त करता था।

जांच में यह भी सामने आया कि वह दूसरों के मोबाइल नंबरों से ओटीपी लेकर फर्जी वॉट्सएप अकाउंट बनाता था, ताकि जासूसी नेटवर्क को ट्रैक न किया जा सके। इन अकाउंट्स का इस्तेमाल पाकिस्तान के हैंडलर कर रहे थे और प्रकाश को इसके बदले मोटी रकम मिलती थी।

खुफिया सूत्रों के अनुसार, उससे पूछताछ में यह भी सामने आया कि वह पहले पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन की खेप मंगवाने के काम में जुड़ा हुआ था। इसी दौरान पाक तस्करों ने उसे लालच देकर जासूसी गतिविधियों में शामिल कर लिया। गिरफ्तारी के समय उसके मोबाइल में पाकिस्तानी नंबरों से हुई चैटिंग, फाइल ट्रांसफर और लोकेशन डेटा एजेंसियों के हाथ लगे, जिसने उसके नेटवर्क को उजागर कर दिया।

27 नवंबर को साधुवाली सैन्य क्षेत्र के पास उसकी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद बॉर्डर इंटेलिजेंस टीम ने तुरंत कार्रवाई की। प्रारंभिक पूछताछ श्रीगंगानगर और आगे संयुक्त पूछताछ जयपुर के जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर में की गई। डिजिटल साक्ष्यों और रिकवरी के आधार पर एक दिसंबर को स्पेशल पुलिस स्टेशन, जयपुर में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम 1923 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन और सीआईडी इंटेलिजेंस विंग ने इसे बड़ी सफलता बताया है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि राजस्थान और पंजाब में उसके नेटवर्क में कितने लोग जुड़े हुए हैं। गिरफ्तारी ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा क्षेत्र में सक्रिय जासूसी रैकेट लगातार भारतीय सुरक्षा व्यवस्था को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कुड़ी भगतासनी थाने में वकील से दुर्व्यवहार

हाईकोर्ट सख्त, एसएचओ सस्पेंड; आईपीएस अधिकारी करेंगे जांच

जोधपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में वकील भरतसिंह राठौड़ के साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार का मामला तूल पकड़ गया है। मंगलवार सुबह राजस्थान हाईकोर्ट ने इस घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश, डीसीपी, एसीपी और एसएचओ हमीरसिंह को तलब किया।

कोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा के सामने थाने में हुए पूरे घटनाक्रम का वीडियो चलाया गया। वीडियो देखने के बाद कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को फटकार लगाते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को व्यवहार, वार्तालाप और संवाद कौशल का विशेष प्रशिक्षण दिया जाना जरूरी है। कोर्ट ने सभी पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग देने के निर्देश भी दिए।

IPS अधिकारी करेंगे जांच

पुलिस कमिश्नर ने कोर्ट को बताया कि मामले की जांच एक आईपीएस रैंक के अधिकारी को सौंपी गई है। SHO हमीरसिंह को निलंबित कर दिया गया है, जबकि अन्य दोषी पुलिसकर्मियों को थाने से हटाया जा रहा है। एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश करनी होगी।

कैसे भड़का विवाद

जानकारी के अनुसार, थाने में बिना यूनिफॉर्म एक पुलिसकर्मी बयान लेने लगा, जिस पर वकील भरतसिंह राठौड़ ने आपत्ति जताई। इसी बात पर एसएचओ हमीरसिंह कथित रूप से भड़क गए और धमकी दी कि वकील हो तो क्या हुआ, अभी 151 में बंद कर दूंगा, सारी वकालत निकल जाएगी। इस दौरान वकील का कोट भी फाड़ दिया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में वकील देर रात तक थाने के बाहर धरने पर बैठे रहे। मंगलवार को भी वकीलों का विरोध जारी है।

हाईकोर्ट की वकील ने लगाए गंभीर आरोप

राजस्थान हाईकोर्ट की वकील अद्वैता शर्मा ने कहा कि वकील भरतसिंह राठौड़ अपनी वकील पत्नी के साथ एक कानूनी काम से थाने गए थे। दोनों सम्मानपूर्वक बात कर रहे थे, इसके बावजूद पुलिसकर्मियों ने गाली-गलौज की और 151 में बंद करने की धमकी दी। अद्वैता शर्मा ने सवाल उठाया कि जब एक वकील के साथ ऐसा हो रहा है, तो आम महिला या आम नागरिक के साथ क्या होगा?

जयपुर में डंपर के बाद अब एसयूवी कार का कहर, कई वाहनों को रौंदा

दहशत में आए लोग

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में डंपर के बाद अब तेज रफ्तार एसयूवी का कहर देखने को मिला। सांगानेर थाना क्षेत्र में देर रात नशे में धुत एसयूवी चालक ने कई वाहनों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। गुस्साए लोगों ने एसयूवी में जमकर तोड़फोड़ की। सूचना मिलते ही सांगानेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सांगानेर के आजाद नगर स्थित बैरवा कॉलोनी में एक एसयूवी ने खड़ी मैजिक और बाइक सवार को टक्कर मार दी। वाहनों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर एसयूवी चालक भागने की कोशिश करने लगा।

तभी गुस्साए लोगों ने लाठी-डंडे और पत्थर फेंककर एसयूवी के शीशे तोड़ दिए। स्थानीय लोगों ने एसयूवी चालक को पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची सांगानेर पुलिस ने घायल बाइक सवार को अस्पताल पहुंचाया और हादसा करने वाली एसयूवी को अपने कब्जे में ले लिया।

श्रीनाथजी पुलिस ने पिकअप से बरामद किया भारी विस्फोटक

10 किलोमीटर तक तबाही मचा सकता था धमाका

राजसमंद, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए कार बम धमाके के बाद राजस्थान पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। इसी बीच श्रीनाथजी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध विस्फोटक सामग्री से भरी एक पिकअप को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि पिकअप में इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक भरा था कि अगर इसमें ब्लास्ट होता तो करीब 10 किलोमीटर के दायरे में बड़ा नुकसान हो सकता था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप आमेट क्षेत्र से नाथद्वारा की ओर जा रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को कब्जे में ले लिया। पिकअप में भरा विस्फोटक देखकर पुलिस टीम भी हैरान रह गई। इसके बाद तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया और उन्हें भी घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। अधिकारियों के अनुसार पिकअप में मौजूद विस्फोटक की मात्रा इतनी अधिक थी कि इसका ब्लास्ट बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकता था। फिलहाल पुलिस टीम जब्त की गई सामग्री की गिनती कर रही है और उसकी नेचर तथा क्षमता की जांच कर रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि विस्फोटक कहां से लाया गया और इसे किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। पिकअप चालक से पूछताछ में कुछ नाम सामने आए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को गंभीरता से खंगाल रही है। पुलिस इस पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए अनेक पहलुओं पर जांच बढ़ा रही है।

असामाजिक तत्वों ने बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा खंडित की

गांव में आक्रोश; पुलिस जांच में जुटी

नागौर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। डीडवाना–कुचामन जिले के पीह कस्बे में आंबेडकर सर्किल पर लगी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की नई प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों ने देर रात खंडित कर दिया। आरोपियों ने न सिर्फ प्रतिमा का सिर तोड़ दिया, बल्कि धड़ को भी उखाड़कर अपने साथ ले गए।

सुबह ग्रामीणों ने घटना को देखा तो मौके पर भीड़ जुट गई और आक्रोश फैल गया।

लोगों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को सूचना दी।

जानकारी मिलते ही पीलवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास कर रही है।

राजस्थान में अब 'राजभवन' कहलाएगा 'लोकभवन'

देश में बदलाव करने वाला नौवां राज्य

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन कर दिया गया है। राजभवन की ओर से जारी नाम परिवर्तन संबंधी अधिसूचना को लेकर तर्क दिया गया है कि यह कदम औपनिवेशिक प्रतीकों से मुक्त होकर लोकतांत्रिक भारतीय मूल्यों को प्राथमिकता देने का प्रतीक है। अधिसूचना एक दिसंबर से प्रभावी हो गई है, जिससे राज्यपाल का आधिकारिक कार्यस्थल अब 'लोकभवन' नाम से जाना जाएगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस बदलाव को जन-केंद्रित शासन व्यवस्था को सम्मान देने वाला निर्णय बताते हुए कहा, भारतीय संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' से प्रेरित हैं और लोकतंत्र में 'लोक' ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासन प्रणाली की याद दिलाता है। इसलिए केंद्र सरकार की पहल पर यह बड़ा बदलाव राज्यों में लागू किया जा रहा है।

राजस्थान इस श्रेणी में शामिल होने वाला देश का नौवां राज्य बन गया है। इससे पहले आठ राज्यों में राजभवनों का नाम लोकभवन किया जा चुका है। वहीं, केंद्र शासित प्रदेशों में वर्तमान में राजनिवास के नाम से पहचाने जाने वाले भवनों को भी जल्द ही 'लोकनिवास' नाम देने की तैयारी चल रही है।

नाम परिवर्तन के साथ ही राजभवन से जुड़ी पूरी प्रशासनिक प्रणाली में अद्यतन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी स्टेशनरी, आधिकारिक रिकॉर्ड, साइन बोर्ड और नेम प्लेट को 'लोकभवन' के नाम से फिर से तैयार किया जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी राजभवन से जुड़े सभी ग्रुप और हैंडल्स का नाम बदलकर क्रमवार 'लोकभवन' किया जा रहा है।

250 फीट ऊंचे आर्मी टावर पर चढ़े युवक

पुलिस ने पकड़ा तो गिड़गिड़ाने लगे

श्री गंगानगर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के श्रीकरणपुर कस्बे में दो युवकों के करीब 250 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह उन्हें नीचे उतरने के लिए मनाया। बाद में दोनों युवकों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में युवकों ने बताया कि वो शौक पूरा करने के लिए टावर पर चढ़े। यह सुनकर पुलिस अफसर भी दंग रह गए। जानकारी अनुसार श्रीगंगानगर जिले के श्रीकरणपुर कस्बे के दो युवक गांव भुट्टीवाला मार्ग पर खालसा स्कूल के खेल मैदान पर लगे करीब 250 फीट ऊंचे आर्मी टावर पर चढ़ गए। सूचना मिलने पर सीआइ रजीराम व एसआइ माला सिंह सहित अन्य छह-सात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर दोनों युवक एकबारगी घबरा गए और सबसे ऊपर वाली मचान पर छुप गए। करीब आधे घंटे की समझाइश के बाद वे उतरने के लिए तैयार हुए। नीचे आने पर पूछताछ में उन्होंने अपना नाम कुलदीप कुमार पुत्र भंवरलाल मेघवाल उम्र 18 वर्ष निवासी वार्ड पांच व संदीप कुमार पुत्र मनफूल नायक उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड दो बताया।

पेट्रोल डालकर जलाए गए प्रेमी ने तोड़ा दम

जिंदगी की जंग लड़ रही प्रेमिका

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर के मौखमपुरा थाना क्षेत्र में पेट्रोल डालकर जलाए गए प्रेमी जोड़े में से प्रेमी कैलाश गुर्जर की मंगलवार तड़के मौत हो गई। वहीं, प्रेमिका जिंदगी की जंग लड़ रही है। बता दें कि घटना 3 दिन पहले मौखमपुरा थाना क्षेत्र के बांडोलाव गांव में हुई थी। जहां अवैध संबंधों के शक में महिला के परिजनों ने प्रेमी-प्रेमिका को आग लगा दी थी।

मौखमपुरा एसएचओ सुरेश कुमार गुर्जर ने बताया कि बांडोलाव निवासी कैलाश गुर्जर की तड़के करीब 3 बजे उपचार के दौरान जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में मौत हो गई। युवक 60 फीसदी से ज्यादा झुलसा था। महिला सोनी देवी की हालात गंभीर बनी हुई है। फिलहाल, महिला का बर्न वार्ड में इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि अब इस मामले में मर्डर की धारा भी जोड़ी जाएगी।

आरोपियों की आज फिर कोर्ट में पेशी

इधर, मौखमपुरा थाना पुलिस की ओर से बांडोलाव घटना के आरोपियों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी बिरदी चन्द व गणेश को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया था। दोनों आरोपियों को आज फिर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा।

गौरतलब है कि जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के मौखमपुरा थाना के बांडोलाव गांव में शुक्रवार देर रात करीब 1.30 बजे दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। खेत पर बने छप्परनुमा लोहे की टपरी में सो रहे युवक-युवती पर दो लोगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। अवैध संबंधों के शक में आरोपियों ने खौफनाक वारदात को अंजाम दिया था। थानाधिकारी सुरेश गुर्जर ने एसएमएस अस्पताल पहुंचकर दोनों पीड़ितों के बयान दर्ज किए थे। युवक ने गांव के ही बिरदीचन्द और गणेश पर हमला करने का आरोप लगाया था। जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

सीकर में कोहरे से 100 मीटर से भी कम विजिबिलिटी

3 और 4 दिसंबर को ठंड का अलर्ट

सीकर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर महीना शुरू होने के साथ ही प्रदेश में तेज सर्दी का दौर शुरू हो चुका है। सर्दी के सीजन में प्रदेश में सबसे ठंडे रहने वाले सीकर जिले में आज सुबह घना कोहरा छाया रहा। इस कोहरे के चलते यहां पर सुबह कई इलाकों में विजिबिलिटी 100 मीटर तक रही। हालांकि जैसे-जैसे धूप निकली वैसे-वैसे कोहरा भी कम होता गया। सुबह सीकर जिले के रींगस कस्बे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र बावड़ी,लांपुआ सहित कई इलाकों में कोहरा रहा। कोहरे की वजह से लोगों की दिनचर्या पर भी प्रभाव पड़ा। सुबह लोग घरों से देरी से निकले। वहीं किसानों को भी अपने खेतों में काम करने में खासी परेशानी हुई। आपको बता दें कि सीकर में आज न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले सीकर जिले में सोमवार को न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 26 डिग्री के करीब दर्ज किया गया था। सीकर जिले में 4 दिसंबर के बाद से लगातार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे है। ऐसे में यहां एक महीने से लगातार तेज सर्दी का असर भी जारी है।

इधर जयपुर मौसम केंद्र के द्वारा सीकर में तेज सर्दी को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम केंद्र ने सीकर में 3 और 4 दिसंबर को कोल्ड वेव चलने का अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में तापमान में तो गिरावट होगी ही इसके साथ ही सर्दी का असर भी बढ़ जाएगा। अब अगले दो से तीन दिन के दौरान शेखावाटी में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के नीचे रह सकता है।

अध्यापिका को दिनदहाड़े तलवार से काट डाला था

5 महीने बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

बांसवाड़ा, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा पुलिस को मिली बड़ी सफलता। 5 महीने से पुलिस को चकमा दे रहे एक हत्यारोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिपाल भगोरा से पूछताछ चल रही है। इस आरोपी ने ऐसा कांड किया था कि जानकार रूह कांप जाएगी। कलिंजरा में दिनदहाड़े तलवार से हमलाकर अध्यापिका की हत्या के सनसनीखेज मामले में 5 माह से तलाश कर आरोपी प्रेमी को पुलिस ने उदयपुर में गिरफ्तार किया है। वारदात में क्रूरता की हद पार कर चुके आरोपी को कड़ी सुरक्षा के बीच डिटेन कर कलिंजरा लाया गया है। सीआई विक्रमसिंह ने बताया कि घाटोल आरोपी महिपाल भगोरा घाटोल क्षेत्र का है। उससे पुलिस की पूछताछ जारी है।

गौरतलब है कि गत 1 जुलाई को कथित प्रेमी महिपाल कार में सवार होकर कलिंजरा बस स्टैंड पहुंचा, जहां बस का इंतजार कर रही 36 वर्षीय द्वितीय श्रेणी अध्यापिका लीला पुत्री लक्ष्मणलाल ताबियार को बैठा देखकर रुका। फिर कार से तलवार निकालकर दिनदहाड़े उसने हमला कर दिया। सुबह करीब 11 बजे की वारदात में 2 वार से जौलाना क्षेत्र की निवासी लीला के पेट की आंत और कलेजा फट गया। वारदात स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। बाद में स्थानीय अस्पताल और फिर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां दोपहर बाद जांच कर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, पुलिस पीछे लगी तो आरोपी महिपाल मौके से कार लेकर भागा, लेकिन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस पर गाड़ी वहीं छोड़कर पैदल भाग निकला। तब से पुलिस उसकी तलाश में लगी रही, लेकिन वह हाथ नहीं आ पाया था।

आरोपी महिपाल को लेकर छानबीन से पुलिस के सामने चौंकाने वाले तथ्य सामने आ चुके हैं। वह लीला को धोखेबाज कहता था। विवाद पर पुलिस केस के बाद लीला ने ही 2 बार जमानत पर रिहा करवाया था। वह खुद लोगों के सामने कह चुका था कि जमानत कराई तो क्या, केस कर जेल भी उसी ने भेजा था।

पुलिस के अनुसार आरोपी महिपाल बीते 5 माह से हुलिया बदल-बदलकर शहर-शहर भटक रहा था। अच्छा ड्राइवर होने से उसने ट्रक का स्टीयरिंग थाम लिया। उसने मोबाइल रखना बंद कर दिया और जरूरत पर दूसरों के फोन का इस्तेमाल कर रहा था।

भट्टी ने कोत्तागुडेम में वर्ल्ड-क्लास अर्थ साइंसेज यूनिवर्सिटी का वादा किया

कोत्तागुडेम, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी चीफ मिनिस्टर भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर बनी अर्थ साइंसेज यूनिवर्सिटी को एक वर्ल्ड-क्लास इंस्टीट्यूशन बनाया जाएगा और जल्द से जल्द चालू किया जाएगा।

कोत्तागुडेम डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर में हुए शिलान्यास समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए, डिप्टी सीएम ने कहा कि यूनिवर्सिटी- जिसे अर्थ स्टडीज के लिए देश का सबसे प्रतिष्ठित सेंटर माना जा रहा है- में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट बिल्डिंग और सुविधाएं होंगी।

उन्होंने कहा कि इस तरह की पूरी अर्थ साइंसेज यूनिवर्सिटी भारत में कहीं और नहीं है।

इसके अलावा, भट्टी ने कहा कि यह इंस्टीट्यूशन ग्रह की अंदरूनी परतों, सबसरफेस मिनरल्स और अर्थ सिस्टम से जुड़े कई पहलुओं पर एडवांस्ड रिसर्च करेगा, जिससे देश और दुनिया दोनों के लिए फायदेमंद जानकारी मिलेगी। भट्टी ने कहा कि यह ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी तेलंगाना और देश दोनों के लिए एक बड़ा माइलस्टोन है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी भारत के लिए एक क्राउन ज्वेल की तरह खड़ी रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, तेलंगाना अर्थ साइंसेज के क्षेत्र में एक गाइडिंग फोर्स बनने के लिए तैयार है।

सरकारी डॉक्टरों ने कुलपति पद पर वरिष्ठ डॉक्टर की नियुक्ति की मांग की

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी डॉक्टरों ने मंगलवार को कहा कि कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) के कुलपति का पद चिकित्सा बिरादरी से चुने गए एक योग्य वरिष्ठ डॉक्टर को ही दिया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को इस पद पर नियुक्त किए जाने के प्रस्ताव का तीखा विरोध किया।

तेलंगाना सरकारी डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीजीडीए) ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि देशभर में स्वास्थ्य विश्वविद्यालयों का नेतृत्व हमेशा प्रतिष्ठित चिकित्सा पेशेवरों ने किया है। इस परंपरा से हटना चिकित्सा शिक्षा, शैक्षणिक गुणवत्ता और संस्थान की स्वायत्तता पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

डॉक्टरों ने कहा कि तेलंगाना में कई ईमानदार, सक्षम और अनुभवी वरिष्ठ डॉक्टर मौजूद हैं, जिनके पास उत्कृष्ट शिक्षण और प्रशासनिक अनुभव है और जो विश्वविद्यालय का पारदर्शी एवं प्रभावी नेतृत्व कर सकते हैं। इसके बावजूद ऐसे योग्य पेशेवरों की अनदेखी होना दुर्भाग्यपूर्ण है। टीजीजीडीए ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि नियुक्ति प्रक्रिया में निष्पक्षता कायम रखते हुए कुलपति का पद किसी वरिष्ठ डॉक्टर को दिया जाए, ताकि विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता और राज्य की चिकित्सा शिक्षा का भविष्य सुरक्षित रह सके।

महेश्वरम में निर्माण इकाई के लिए भूमिपूजन, 850 करोड़ का निवेश

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने मंगलवार को महेश्वरम ईएमसी में जेडब्लूएस डिफेंस की यूएई निर्माण इकाई के लिए भूमिपूजन किया। 850 करोड़ के निवेश से बन रहे इस अत्याधुनिक संयंत्र में तीन ड्रोन प्रतिवर्ष बनाने की क्षमता होगी, जिसे भविष्य में बढ़ाया भी जा सकेगा। 16 एकड़ में फैल रहा यह नेट-जीरो सुविधा केंद्र 2026 के अंत तक ट्रायल प्रोडक्शन शुरू करेगा और 300 से अधिक उच्च कौशल वाली नौकरियां पैदा करेगा। यह परियोजना भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग का प्रतीक मानी जा रही है।

एफजीजी ने पंचायत चुनावों में ऑक्शन डेमोक्रेसी पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने तेलंगाना में चल रहे ग्राम पंचायत चुनावों पर गंभीर चिंता जताई है, और आरोप लगाया है कि पदों की 'नीलामी', दबाव, लालच और जबरन नाम वापस लेकर कई सर्वसम्मति से नतीजे हासिल किए जा रहे हैं।

मंगलवार को यहां सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, फोरम के अध्यक्ष एम पद्मनाभ रेड्डी ने कहा कि हालांकि पंचायत चुनाव बिना पार्टी के होने चाहिए, लेकिन वे असल में पार्टी लाइन पर लड़े जा रहे हैं। राज्य चुनाव आयोग के सर्कुलर 1077 का स्वागत करते हुए, उन्होंने कहा कि यह गैर-संवैधानिक सर्वसम्मत चुनावों को रोकने में नाकाम है। उन्होंने आयोग के सामने दो मुख्य मांगें रखीं जिनमें शामिल हैं- फेज-वाइज असर को रोकने के लिए 17 दिसंबर, 2025 को सभी तीन पोलिंग फेज के नतीजों की गिनती और घोषणा करना, सभी बिना विरोध वाली जीत को एक हफ़्ते के लिए रोककर रखें, सीनियर अधिकारियों से जांच के आदेश दें, और जहां नीलामी या ज़बरदस्ती जैसी गड़बड़ियां पाई जाएं, वहां चुनाव रद्द कर दें।

पूर्व आईएएस अधिकारी आर.वी. चंद्रवदन ने कहा कि राजनीतिक असर ने सरपंच चुनावों को एकतरफ़ा बना दिया है, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि एकमत नतीजों में 'असली जनता की इच्छा' दिखनी चाहिए। एक और पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ.एम.वी. रेड्डी ने चेतावनी दी कि सरपंच पदों की नीलामी लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक झटका है, जिससे गरीब लोग चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

टी. विवेक और सेक्रेटरी सोमा श्रीनिवास रेड्डी समेत फोरम के स्पीकरों ने पढ़े-लिखे युवाओं से लोकल बॉडी पॉलिटिक्स में आने की अपील की, और चेतावनी दी कि जो लोग पद 'खरीदते' हैं, वे अक्सर जनता के हित में काम करने में नाकाम रहते हैं।

महिला सशक्तिकरण तेलंगाना विजन 2047 का मुख्य आधार होगा : मंत्री सीतक्का

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला और बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया (सीतक्का) ने मंगलवार को प्रजा भवन में तेलंगाना विजन डॉक्यूमेंट- 2047 की तैयारी के तहत महिला सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, पोषण और रोज़गार पर एक अहम रिव्यू मीटिंग की।

मंत्री ने 2047 तक तेलंगाना की महिला लेबर फ़ोर्स में भागीदारी को मौजूदा 52.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 95 प्रतिशत करने पर जोर दिया, और महिलाओं के बीच नौकरी के मौकों और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ाने के लिए एक पूरी स्ट्रैटेजी बनाने की अपील की।

बीआरएस नेताओं ने विजयोत्सव सभा को असफल बताया

मुख्यमंत्री पर लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए संयुक्त महबूबनगर जिले में आयोजित कांग्रेस सरकार की पहली 'विजयोत्सव सभा' को कम उपस्थिति के कारण पूरी तरह असफल बताया। एक प्रेस सम्मेलन में पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़, पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी, जोगू रमन्ना और बीरम हर्षवर्धन रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने उपलब्धियों को गिनाने के बजाय बीआरएस सुप्रीमो के. चंद्रशेखर राव को अपशब्द कहने में समय व्यतीत किया।

श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि जनता बैठक में इसलिए नहीं पहुंची क्योंकि सरकार ने दो वर्षों में कोई उल्लेखनीय काम नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस शासन में संयुक्त महबूबनगर को पांच जिलों में पुनर्गठित किया गया, पांच मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी मिली और प्रमुख सिंचाई परियोजनाएं पूरी हुईं, जिनसे 10 लाख एकड़ से अधिक भूमि को पानी मिला। इसके अलावा पांच नए जलाशयों का निर्माण, सैकड़ों तालाबों का जीर्णोद्धार और शहर में दैनिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई।

उन्होंने पूछा कि कांग्रेस सरकार पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को क्यों पूरा नहीं कर पा रही, जबकि यह 90 प्रतिशत पूरी थी। उन्होंने छह गारंटियों के अधूरे रहने, पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण में धोखाधड़ी, दो लाख नौकरियों को न भरने जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरा।

पूर्व विधायक नरेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने राजनीतिक लाभ के लिए कोडंगल-नारायणपेट लिफ्ट योजना की दो बार नींव रखी। साथ ही सीएम और उनके परिजनों पर कमीशनखोरी और पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना में जानबूझकर देरी कराने का आरोप लगाया।

उस्मानिया विश्वविद्यालय सेमीफाइनल में

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने मंगलवार को जयपुर में आयोजित खेलो इंडिया विश्वविद्यालय चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच की शुरूआत पहले एकल मुकाबले से हुई, जिसमें अनुगोंडा श्रीमान्य रेड्डी ने श्रावणी खवाले को 6-3, 6-1 से पराजित किया। दूसरे एकल में समा चेविका रेड्डी ने सानिका भोगडे को 6-0, 6-3 से मात देकर ओयू की जीत सुनिश्चित कर दी। वहीं युगल मुकाबले में सौम्या रोंडे और समा चेविका रेड्डी की जोड़ी ने सानिका और श्रावणी को 6-1, 6-4 से हराकर टीम को 3-0 की निर्णायक बढ़त दिलाई।

आईआईटी-एच के डायरेक्टर मूर्ति ने कहा, इनोवेशन की कोई सीमा नहीं होती

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.एस. आईआईटी हैदराबाद के डायरेक्टर मूर्ति ने विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत को साकार करने में इनोवेशन की भूमिका पर ज़ोर दिया और कहा कि भारत को विकास में तेज़ी लाने के लिए अपने टेक और प्रोडक्ट इकोसिस्टम को मज़बूत करना होगा।

आचार्य जगदीश चंद्र बोस की 167वीं जयंती के मौके पर गीतम में पॉपुलर साइंस एंड इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी पर लेक्चर देते हुए, डॉ. मूर्ति ने बायोलॉजी, माइक्रोवेव और शुरुआती टेलीकम्युनिकेशन में बोस के पायनियरिंग काम पर रोशनी डाली। उन्होंने स्टूडेंट्स से साइंटिस्ट की मल्टीडिसिप्लिनरी स्पिरिट को अपनाने की अपील की।

डॉ. मूर्ति ने आईआईटीएच के फ्लेक्सिबल छह-मॉड्यूल करिकुलम, माइक्रो-क्रेडिट लर्निंग मॉडल, इंजीनियरिंग साइंस प्रोग्राम और टेक्नोलॉजी इनोवेशन पार्क (टीआईपी) को भी दिखाया, जो मेंटरशिप, फंडिंग और रिसर्च सुविधाओं के ज़रिए देश भर के स्टूडेंट्स को सपोर्ट करता है। नई भारती पहल और आने वाले इंटर-आईआईटी यूजी इनोवेशन मीट का परिचय देते हुए, उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट का मकसद भारत के युवा बिल्डर्स को तैयार करना है।

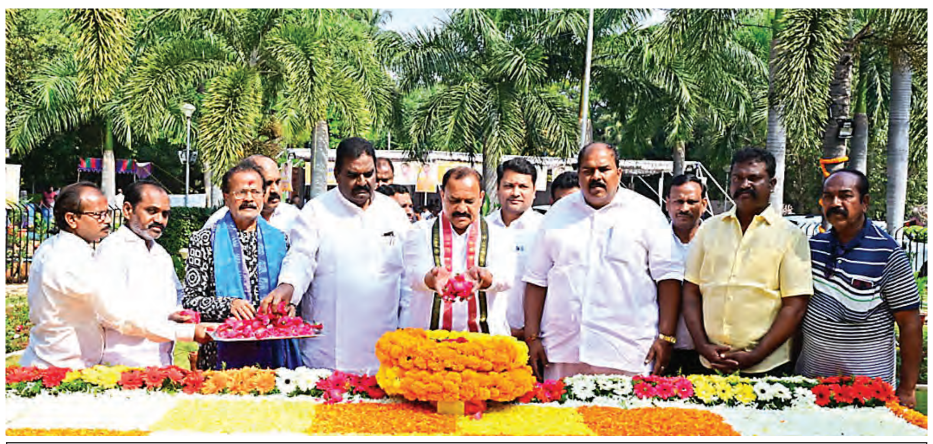

टीपीसीसी चीफ महेश कुमार गौड़ ने संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम मर्री चेन्ना रेड्डी को उनकी पुण्यतिथि पर इंदिरा पार्क में उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि दी।

खेल एकता का प्रमाण है : गोपाल बलदवा

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंटर स्कूल प्रतियोगिता के अंतरगत पंजीकरण के दौरा न लगभग 52 स्कूलों की एंट्री हुई है। इस अवसर पर गोपाल बलदवा ने कहा कि खेल एकता का प्रमाण है जो प्रतियोगियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। यही बच्चे आगे चल कर राज्य व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस अवसर पर मिस्टर मंगेश और अन्य स्कूल के कोच एलएमजी स्मार्ट के इंटरनेशनल स्कूल में लोग भी मौजूद रहे। यह प्रतियोगिताएं कुली कुतुबशाह स्टेडियम में होंगी।

हाइड्रा कमिश्नर ने स्लम एरिया का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा कमिश्नर एवी रंगनाथ ने मंगलवार को हिमायतनगर- आदर्शनगर स्लम एरिया में 30 साल पुरानी सीवेज समस्या का फील्ड लेवल पर इंस्पेक्शन किया। उन्होंने लोकल अधिकारियों से समस्या के कारणों के बारे में पूछा। हाइड्रा कमिश्नर ने शिकायतों की जांच की कि सीवेज का पानी ठीक से नहीं बह रहा था और घरों में बह रहा था। बोरवेल तक पहुंच रहा था और नालियों में मिल रहा था, जिससे पीने का पानी गंदा हो रहा था। जबकि हुसैन सागर झील सौ कदम दूर है, बारिश के मौसम में बाढ़ और सीवेज का कारण बताया गया।

कल 'काकतीयम तेलंगाना नाट्यम' पुस्तक और अभिनय व्याख्यान का विमोचन

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यांगना और नाट्यगुरु डॉ.जी. पद्मजा रेड्डी द्वारा शोधित एवं डिजाइन की गई पुस्तक 'काकतीयम तेलंगाना नाट्यम' तथा अभिनय व्याख्यान कार्यक्रम का विमोचन 4 दिसंबर को रवीन्द्र भारती में किया जाएगा।

डॉ. पद्मजा रेड्डी ने मंगलवार को बताया कि तेलंगाना गठन के बाद राज्य की विशिष्ट पहचान के लिए एक अलग नृत्य परंपरा विकसित करने के उद्देश्य से उन्होंने दस वर्षों तक वारंगल के आसपास स्थित मंदिरों की मूर्तियों, जयपसेना द्वारा लिखित 'नृत्य रत्नावली' समेत विभिन्न ग्रंथों पर शोध किया। नृत्य विद्वानों से चर्चा के बाद उन्होंने काकतीयम नृत्य शैली को विकसित किया। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक दिल्ली नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित की गई है। पुस्तक विमोचन से पहले वह अपने शोध का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करेंगी, जबकि उनके शिष्य उन्हीं आधार बिंदुओं पर प्रस्तुति देंगे।

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर परिसर में किया जा रहा ब्यूटीफिकेशन का काम लगभग पूरा हो गया है। अधिकारी इस महीने की 4 तारीख को फव्वारे और इन मूर्तियों का उद्घाटन करने की तैयारी कर रहे हैं।

तेलंगाना की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे-जैसे कैलेंडर दिसंबर 2025 की ओर बढ़ रहा है, तेलंगाना की आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर चिंता उभर रही है। बीआरएस शासनकाल में तेजी से आगे बढ़ने वाला आर्थिक ढांचा मौजूदा कांग्रेस सरकार के दौरान धीमा पड़ गया है। राजस्व में गिरावट, बढ़ते कर्ज़, कमजोर विकास दर और राजकोषीय असंतुलन इसके स्पष्ट संकेत हैं। ताजा आर्थिक आंकड़े राज्य के सामने खड़े संकट को और गहरा करते हैं।

बीआरएस शासन में राज्य का राजस्व प्रदर्शन लगातार मजबूत रहा था। 2016-17 से 2022-23 तक तेलंगाना ने कई वर्षों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की थी। महामारी प्रभावित वर्ष 2020-21 को छोड़कर, राज्य ने तेज राजस्व वृद्धि कायम रखी। लेकिन दिसंबर 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद 2023-24 में राजस्व वृद्धि गिरकर 6.11 प्रतिशत रह गई और फिर (-)0.76 प्रतिशत के नकारात्मक स्तर पर पहुंच गई। यह गिरावट आर्थिक गतिविधियों के कमजोर होने और कर संग्रह में सुस्ती को दर्शाती है।

राज्य के स्वयं के कर राजस्व (एसओटीआर) में भी बड़ी गिरावट आई है। बीआरएस के आठ वर्षों में एसओटीआर 29,288 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.26 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन कांग्रेस शासन में इसकी वृद्धि रुक गई। वर्ष 2024-25 में कर राजस्व 1.36 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो लक्ष्य से काफी कम रहा।

स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण और जीएसटी संग्रह में गिरावट आर्थिक गतिविधियों के धीमा पड़ने का संकेत देती है। तेलंगाना में कर्ज़ की रफ्तार भी चिंता बढ़ा रही है। बीआरएस शासन के एक दशक में 3.48 लाख करोड़ रुपये की उधारी के मुकाबले कांग्रेस सरकार ने दो वर्षों में ही 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज़ ले लिया। 2024-25 में राज्य ने लगभग 50,000 करोड़ रुपये की बाजार उधारी जुटाई है और वर्ष के अंत तक और उधारी की संभावना है। इस दौरान राजस्व अधिशेष समाप्त होकर भारी राजस्व घाटे में बदल गया है, जो राजकोषीय प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

विकास दर में गिरावट ने आर्थिक चुनौतियों को और स्पष्ट कर दिया है। 2024-25 में राज्य का जीएसडीपी 10 प्रतिशत की नाममात्र वृद्धि तक सीमित रहा, जबकि बीआरएस शासनकाल में 12 प्रतिशत से अधिक औसत वृद्धि देखी गई थी। प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि भी धीमी पड़ी है। 2024-25 में पीसीआई वृद्धि घटकर 9.61 प्रतिशत रह गई, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी कम है। सबसे चिंताजनक स्थिति मुद्रास्फीति के नकारात्मक क्षेत्र में जाने की है।

तेलंगाना के 29.9 लाख से ज्यादा किसानों को पीएम-किसान की 21वीं किस्त मिली : केंद्र

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने संसद को बताया कि तेलंगाना के 29.96 लाख किसानों को 19 नवंबर 2025 को जारी पीएम-किसान स्कीम की 21वीं किस्त मिली, जिसकी रकम 599.31 करोड़ रुपये है। इस स्कीम के तहत, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) मोड के ज़रिए किसानों के आधार से जुड़े बैंक अकाउंट में तीन बराबर किस्तों में हर साल 6,000 रुपये का फाइनेंशियल फायदा ट्रांसफर किया जाता है।

लोकसभा में भाजपा एमपी डी अरविंद के एक सवाल का जवाब देते हुए, कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि 2019 में स्कीम शुरू होने के बाद से तेलंगाना के किसानों को इसके तहत 14,236.18 करोड़ रुपये मिले हैं। लिखित जवाब में, केंद्र ने बड़े पैमाने पर वेरिफिकेशन के तरीकों पर ज़ोर दिया। इसमें आधार सीडिंग, लैंड रिकॉर्ड ऑथेंटिकेशन, आईटी डेटाबेस चेक और डीडुप्लीकेशन शामिल हैं- ताकि अयोग्य और डुप्लिकेट बेनिफिशियरी को हटाया जा सके।

सरकार ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत बड़े पैमाने पर सैचुरेशन ड्राइव पर भी ध्यान दिया, जिसमें देश भर में 1 करोड़ से ज़्यादा नए बेनिफिशियरी जोड़े गए, जिनमें तेलंगाना से हज़ारों लोग शामिल हैं, और पेंडिंग रजिस्ट्रेशन को क्लियर करने के लिए 2024 में स्पेशल कैंपेन चलाए गए।

मंत्री नारा लोकेश, जो अभी दिल्ली के दौरे पर हैं, ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में देश के पहले एविएशन एजुकेशन सिटी के डेवलपमेंट पर अधिकारियों के साथ लंबी बातचीत की।

सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट व्यापार संघ के व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर व्यापार संघ मीटिंग रखी गई जिसमें अध्यक्ष एवं एएमसी बोइनपल्ली के वरिष्ठ सरकार सलाहकार सदस्य ए. गौतम जैन, जनरल सेक्रेटरी हरिकृष्ण बंग, राम प्रकाश इन्नानी, गिरधरलाल बंग, बाबूलाल चौधरी, नरेंचदर कुमार आदि उपस्थित हो कर समस्याओं पर चर्चा की।

तेलंगाना जागृति की प्रेसिडेंट कविता ने हैदराबाद में जागृति ऑफिस में खून दान किया। तेलंगाना के शहीदों की याद में जागृति हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप का उद्घाटन भी किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2026: ऑक्शन के लिए 1355 प्लेयर्स रजिस्टर्ड

77 स्लॉट खाली, खिलाडियों पर होगी पैसों का बारिश

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन से पहले रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया खत्म हो चुकी है और इस बार रिकॉर्ड 1355 खिलाड़ियों ने अपना नाम नीलामी के लिए भेजा है। रजिस्ट्रेशन विंडो 30 नवंबर को बंद हुई। अब 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली मिनी नीलामी के लिए तैयारी शुरू हो गई है। इस बार कुल 77 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 31 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह होगी।

सबसे चर्चित लिस्ट वह रही, जिसमें 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस वाले 45 खिलाड़ियों के नाम घोषित हुए। इस ब्रैकेट में कई बड़े विदेशी और भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं।

इस कैटेगरी में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन, इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन, श्रीलंका के मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, भारत के रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर जैसी बड़ी हस्तियाँ मौजूद हैं।

कैमरन ग्रीन पर टीमों की टॉप नजर

इस ऑक्शन का सबसे बड़ा आकर्षण ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन रहने की उम्मीद है। पिछले साल बैक इंजरी के कारण वे मेगा ऑक्शन में नहीं उतरे थे, लेकिन इस बार वे फिट हैं और उन पर KKR और CSK दोनों टीमें आक्रामक बोली लगा सकती हैं।

केकेआर के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के रिटायर होने के बाद टीम की नजर एक मजबूत पावर-हिटर ऑलराउंडर पर है और ग्रीन इस भूमिका के परफेक्ट विकल्प माने जा रहे हैं। वहीं सीएसके के पास भी बड़ा पर्स और विदेशी स्लॉट खाली है।

टीमों ने इन खिलाड़ियों को रिलीज किया

कई बड़े नाम, जिन्हें फ्रेंचाइजियों ने हाल ही में रिलीज किया, वे भी अब शीर्ष कैटेगरी में नीलामी में आए हैं।

मथीशा पथिराना, जिन्हें सीएसके ने 13 करोड़ में रिटेन किया था, इस बार चोट और फॉर्म की वजह से रिलीज कर दिए गए।

इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन को आरसीबी ने 8।75 करोड़ में खरीदा था, लेकिन सिर्फ एक सीजन बाद रिलीज कर दिया।

एलएसजी ने लगातार कमजोर प्रदर्शन के चलते रवि बिश्नोई को 11 करोड़ के बावजूद जाने दिया।

ग्लेन मैक्सवेल इस बार नीलामी में नहीं

ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल इस बार 2 करोड़ की लिस्ट में शामिल नहीं हैं। पंजाब किंग्स ने उन्हें पिछले सीजन 4।2 करोड़ में खरीदा था, लेकिन उंगली की चोट के कारण वे पूरा आईपीएल 2026 नहीं खेल सकेंगे। इसलिए उन्होंने नीलामी में नाम नहीं दिया।

जोश इंग्लिस पूरे सीजन उपलब्ध नहीं

पीबीकेएस के विकेटकीपर जोश इंग्लिस भी नीलामी लिस्ट में हैं, लेकिन आईपीएल ने फ्रेंचाइजियों को बता दिया है कि इंग्लिस सिर्फ 25% आईपीएल सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे। यह उनकी बोली को प्रभावित कर सकता है।

5 दिसंबर तक भेजनी है शॉर्टलिस्ट

आईपीएल ने सभी फ्रेंचाइजियों को निर्देश दिया है कि वे 5 दिसंबर तक अपनी पसंद की शॉर्टलिस्ट भेज दें। इसके बाद खिलाड़ियों की लंबी सूची को छोटा करके अंतिम नीलामी सूची जारी की जाएगी।

कौन-कौन शामिल हैं 2 करोड़ बेस प्राइस में?

यह सूची काफी लंबी है, जिसमें शामिल हैं— रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस, स्टीव स्मिथ, लियम लिविंगस्टन, मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, रिले रूसोउ, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ और अन्य।

विश्व कप में भारतीय महिला टीम का जीत से आगाज, नामीबिया को 13-0 से रौंदा

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने जूनियर महिला हॉकी विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए नामीबिया को 13-0 से करारी शिकस्त दी। टीम की ओर से हिना बानो और कनिका सिवाच ने हैट्रिक लगाई। भारत के लिए हिना (35', 35', 45') और कनिका (12', 30', 45') ने तीन-तीन गोल किए। इसके अलावा साक्षी राणा (10', 23') ने दो गोल दागे, जबकि बिनीमा धन (14'), सोनम (14'), साक्षी शुक्ला (27'), इशिका (36') और मनिशा (60') ने भी एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारत ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

पहला क्वार्टर

पहले ही क्वार्टर में भारत ने चार मिनट के भीतर चार गोल दागकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। साक्षी ने रिवर्स फ्लिक से शानदार शुरुआत की, जिसके बाद कनिका ने दूसरा गोल दागा। बिनीमा ने तेज रन के बाद तीसरा गोल किया और सोनम के गोल ने भारत को शुरुआती पंद्रह मिनट में 4-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरा क्वार्टर

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। साक्षी ने बेहतरीन दौड़ के बाद जोरदार स्ट्राइक से दूसरा गोल किया। इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर से छठा गोल आया। हाफ टाइम से ठीक पहले कनिका ने अपना दूसरा गोल कर भारत को 7-0 की बढ़त दिलाई।

तीसरा क्वार्टर

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में हिना ने जोरदार शॉट के साथ अपना पहला गोल दागा और एक मिनट बाद ही ढीली रिस्टार्ट का फायदा उठाकर दूसरा भी जोड़ दिया। पेनल्टी कॉर्नर पर आए रिबाउंड से इशिका ने दसवां गोल किया। इसके बाद एक और डिफ्लेक्शन पर हिना ने अपनी हैट्रिक पूरी की। कनिका ने भी पेनल्टी कॉर्नर से अपनी हैट्रिक पूरी कर भारत को 12-0 की बढ़त दिलाई।

चौथा क्वार्टर

अंतिम क्वार्टर में बेंच के खिलाड़ियों को मौका दिया गया, लेकिन आक्रमण जारी रहा। अंत में मनिशा ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर भारत की 13-0 की एकतरफा जीत को अंतिम रूप दिया।

जितने छक्के, उतने चौके मारे : वैभव सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ठोका हाहाकारी शतक

कोलकाता, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी का शतक आखिरकार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी देखने को मिल ही गया। एसएमएटी 2025 के लगातार 3 मैचों में नाकाम रहने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने महाराष्ट्र के खिलाफ खेले चौथे मैच में शानदार शतक ठोका। खास बात ये रही कि उन्होंने अपने शतक की स्क्रिप्ट छक्के से लिखी। वैभव सूर्यवंशी ने जितने छक्के अपने बल्ले से मारे, उतने ही चौके भी बरसाए। ऐसा करते हुए उन्होंने सिर्फ 58 गेंदों पर अपना सैंकड़ा पूरा किया।

वैभव सूर्यवंशी ने 61 गेंदों पर ठोके 108* रन

महाराष्ट्र के खिलाफ बिहार ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 3 विकेट पर 176 रन बनाए। इसमें अकेले नाबाद 108 रन बिहार के उप-कप्तान यानी वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से निकले। उन्होंने ये रन 177 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 61 गेंदों पर बनाए। वैभव सूर्यवंशी की इस पारी में अगर 7 छक्के शामिल रहे तो इतने ही चौके भी उनके बल्ले से देखने को मिले।

वैभव सूर्यवंशी बिहार के लिए ओपनिंग करने उतरे थे। अपने ओपनिंग पार्टनर बिपिन सौरभ के साथ उनकी ज्यादा जमी नहीं। उसके बाद आए पीयूष के साथ भी उनकी पार्टनरशिप ज्यादा बड़ी नहीं हो सकी। मगर तीसरे विकेट के लिए आकाश राज के साथ वैभव सूर्यवंशी ने अर्धशतकीय साझेदारी की।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पहला शतक जमाया

वैभव सूर्यवंशी और आकाश राज की जोड़ी 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर टूटी। उस वक्त तक बिहार का स्कोर 3 विकेट पर 101 रन पहुंच चुका था। मगर काम अभी पूरा नहीं हुआ था। आकाश राज के आउट होने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने अपनी पारी को थोड़ी और रफ्तार दी, जिसके बाद उन्होंने पहले अर्धशतक का आंकड़ा पार किया फिर शतक के फासले को भी मिटाया।

वैभव सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले 3 मैचों में सिर्फ 32 रन बनाए थे। लेकिन, चौथे मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ उन्होंने शानदार सैंकड़ा जड़ा। बड़ी बात ये है कि महाराष्ट्र के खिलाफ जमाया शतक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी का पहला शतक भी है।

भारतीय महिला हॉकी टीम के हेड कोच का इस्तीफा

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम को उस वक्त झटका लगा जब हेड कोच हरेंद्र सिंह ने अचानक इस्तीफा दे दिया। हरेंद्र सिंह तुरंत प्रभाव से हॉकी टीम से अलग हो गए हैं और उन्होंने इस पद को छोड़ने की निजी वजह बताई है। हॉकी इंडिया ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि भारतीय हॉकी टीम के कोच ने निजी कारणों की वजह से इस्तीफा दिया है। हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और ऐसा माना जा रहा था कि वो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे लेकिन वो बीच में ही पद छोड़कर चले गए।

हरेंद्र ने अपने इस्तीफे पर क्या कहा?

हरेंद्र सिंह ने अपने इस्तीफे पर एक मीडिया रिलीज की। उन्होंने रिलीज में कहा, 'भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच रहना मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि रही है। मैंने निजी कारणों से इस्तीफा देने का फैसला किया है लेकिन मेरा दिल हमेशा इस बेहतरीन टीम के साथ रहेगा। हॉकी इंडिया के साथ सफर मेरे लिये खास रहेगा और मैं भारतीय हॉकी को टॉप लेवल तक ले जाने की उनकी कोशिश में सहयोग करता रहूंगा।' हॉकी इंडिया के सूत्रों के मुताबिक हरेंद्र सिंह ने खराब नतीजों की वजह से पद छोड़ा है। साथ ही फिटनेस भी बड़ा मसला रहा है। टीम की कई अहम खिलाड़ी चोटिल हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रदर्शन पिछले एक साल में निराशाजनक रहा है। एफआईएच प्रो लीग 2024 –25 में भारतीय टीम ने 16 मैचों में महज दो जीत दर्ज की और तीन मैच ड्रॉ खेले जबकि उसे 11 मैच में हार सामना करना पड़ा। भारतीय टीम 10 अंक के साथ नौ टीम की तालिका में आखिरी स्थान पर रही और अगले सीजन के लिये क्वालीफाई करने में नाकाम रही। राजगीर में नवंबर में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत ने खिताब जीता लेकिन वहां जापान और कोरिया की बी टीमें थीं। एशिया कप में फाइनल हारने के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड कप के लिये सीधे क्वालीफाई नहीं कर पाई और अब क्वालीफायर्स खेलने होंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम का अगला कोच कौन?

रिपोर्ट्स हैं कि टोक्यो ओलंपिक 2020 में टीम से शानदार प्रदर्शन कराने वाले कोच शोर्ड मारिन इस पद पर वापस लौट सकते हैं। मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलना तय हो गया है

बीसीसीआई ने दी मंजूरी

मुंबई, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को गेंदबाजी की इजाजत मिल गई है। हार्दिक पंड्या बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे और अब वो पूरा हो चुका है। पंड्या 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक सीओई में थे।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक पंड्या को सीओई ने टी20 इंटरनेशनल खेलन की इजाजत दे दी है। यही नहीं वो गेंदबाजी भी कर पाएंगे। अब उनका साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलना तय हो गया है।

वैसे साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले हार्दिक पंड्या दो टी20 मैच भी खेलेंगे। वो पंजाब के

खिलाफ 2 दिसंबर को मैच खेलेंगे। 4 दिसंबर को वो गुजरात के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे।

हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी, बल्लेबाजी और मैच फिटनेस पर सेलेक्टर प्रज्ञान ओझा नजर रखेंगे। बीसीसीआई ने उन्हें ये काम सौंपा है। उम्मीद है कि पंड्या मैच फिटनेस तो साबित करें ही साथ ही मैच विनिंग परफॉर्मेंस भी दें।

हार्दिक पंड्या की वापसी वैसे इतनी आसान नहीं होने वाली क्योंकि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका मैच पंजाब से है, जिसमें अभिषेक शर्मा जैसा विध्वंसक बल्लेबाज है। अभिषेक ने पिछले मैच में बंगाल के खिलाफ महज 32 गेंदों में शतक ठोक दिया था। अपनी पारी में उन्होंने 16 छक्के मारे।

भारतीय फुटबॉल के सभी हितधारकों से मिलेंगे खेल मंत्री मनसुख मांडविया

3 दिसंबर को होगी बैठक

नई दिल्ली, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल में जारी संकट को दूर करने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया 3 दिसंबर को सभी प्रमुख हितधारकों के साथ दिनभर चली बैठकों में समाधान तलाशेंगे। इन हितधारकों में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ), पूर्व वाणिज्यिक साझेदार एफएसडीएल, इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब, आई-लीग क्लब, प्रसारक, ओटीटी प्लेटफॉर्म और संभावित नए वाणिज्यिक साझेदार शामिल होंगे।

एआईएफएफ अपनी घरेलू लीग के संचालन के लिए नया वाणिज्यिक साझेदार खोजने में विफल रहा है। जुलाई में एफएसडीएल ने एआईएफएफ को सूचित किया था कि 15 साल पुराने मास्टर राइट्स एग्रीमेंट के नवीनीकरण को लेकर स्पष्टता न होने के कारण आईएसएल को होल्ड पर रखा जा रहा है। यह समझौता 8 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। इसके बाद से घरेलू फुटबॉल कई समस्याओं में उलझा हुआ है, हालांकि इस दौरान एक सकारात्मक पहलू यह रहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश एल। नागेश्वर राव द्वारा तैयार नए एआईएफएफ संविधान को मंजूरी दे दी।

ओलंपियन सिफत ने जताई उम्मीद

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में निशानेबाजी होगी शामिल

जयपुर, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने भरोसा जताया है कि निशानेबाजी को राष्ट्रमंडल खेल 2030 में शामिल किया जाएगा। राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन अहमदाबाद में होगा और अगर निशानेबाजी को शामिल किया जाता है तो इससे भारत के पदक बढ़ने की संभावना रहेगी। निशानेबाजी को 2022 बर्मिंघम खेलों में शामिल नहीं किया गया था और ये 2026 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भी शामिल नहीं किया गया।

सिफत ने कहा, मैं रोमांचित हूं कि भारत राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर रहा है और मुझे यकीन है कि निशानेबाजी को प्रतियोगिता के रूप में शामिल किया जाएगा। यह हमारे राष्ट्रीय निशानेबाजों के पास चमकने और पदक जीतने का शानदार मौका होगा। मुझे यह भी उम्मीद है कि इस प्रतियोगित से खेल का बुनियादी ढांचा बेहतर होगा जिससे नए खिलाड़ियों के लिए सीखना और ट्रेनिंग करना आसान हो जाएगा।

सिफत ने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों का हमारी खेल संस्कृति पर काफी असर पड़ेगा। जब लोग स्टेडियम में हमारे खिलाड़ियों को मुकाबला करते हुए देखेंगे तो वे खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित होंगे और इससे निश्चित रूप से हमारे देश में खेल मानसिकता बनेगी।' मौजूदा सत्र में सिफत ने अगस्त में महाद्वीपीय स्तर पर दबदबा बनाते हुए कजाखस्तान के शिमकेंट में एशियाई चैंपियनशिप की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में लगातार चौथा स्वर्ण पदक जीता। खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों में प्रभावी प्रदर्शन के बाद इस राइफल निशानेबाज की नजरें अब कतर के दोहा में चार से नौ दिसंबर तक होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल पर टिकी हैं।

फाफ डु प्लेसिस के बाद मोईन अली ने भी छोड़ा आईपीएल

अब जाएंगे पाकिस्तान, पीएसएल में खेलने का फैसला किया

खेल डेस्क, , 2 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने आगामी आईपीएल 2026 में हिस्सा न लेने और पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में खेलने का फैसला किया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब चार दिन पहले ही दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने भी आईपीएल से अपना नाम वापस लेकर पीएसएल में खेलने की घोषणा की थी। ऐसे में मोईन अली अब दूसरे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने इसी तरह का कदम उठाया।

सोशल मीडिया पर मोईन अली का ऐलान

मोईन अली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि पीएसएल के अगले सीजन का हिस्सा बनने को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना था कि यह लीग दुनिया की शीर्ष टी20 लीगों में से एक है और यहां हर टीम में वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्होंने पाकिस्तान में खेलने के अनुभव को शानदार बताते हुए कहा कि क्रिकेट का स्तर बेहतरीन है और दर्शकों का जुनून खिलाड़ियों को अपना 100 प्रतिशत देने पर मजबूर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इंशाअल्लाह, उन्हें एक और यादगार अनुभव की उम्मीद है।

आईपीएल 2026 में मोईन अली की स्थिति

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में

कोलकाता नाइट राइडर्स ने मोईन अली को 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर खरीदा था। हालांकि, 2026 से पहले केकेआर ने 9 खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया, जिनमें मोईन अली भी शामिल थे। आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत मामूली रहा; उन्होंने 6 मैचों में केवल 6 रन बनाए और 6 विकेट हासिल किए।

मोईन अली 2018 से आईपीएल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने आसीबी, सीएसके और केकेआर जैसी फ्रेंचाइजियों के लिए खेला है। अब तक उन्होंने 73 आईपीएल मैच खेले हैं, जिनमें 1167 रन बनाए और 41 विकेट लिए। सीएसके के साथ उन्होंने 2021 और 2023 में दो बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने का अनुभव भी हासिल किया।

मोईन अली के फैसले से पहले, फाफ डु प्लेसिस ने 29 नवंबर को आईपीएल 2026 में हिस्सा न लेने की घोषणा की थी। फाफ ने आईपीएल में 14 सीजन खेले हैं और 154 मैचों में 4,773 रन बनाए हैं। उनका औसत 35।10 और स्ट्राइक रेट 135।79 रहा। उन्होंने सीएसके, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, आसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेला।

विशेष रूप से 2025 में, दिल्ली कैपिटल्स के लिए उनका प्रदर्शन चोट के कारण प्रभावित रहा, और उन्होंने केवल 9 मैचों में 202 रन बनाए। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, ₹14 सीजन के बाद इस बार ऑक्शन में नाम नहीं डाल रहा। भारत हमेशा मेरे दिल में खास जगह रखेगा... यह अलविदा नहीं है।₹

मोईन अली और फाफ डु प्लेसिस के पीएसएल में शामिल होने से लीग की प्रतिस्पर्धा और बढ़ने की संभावना है। पीएसएल में इस बार कई विदेशी खिलाड़ी हिस्सा लेने वाले हैं, जिससे लीग का स्तर और रोमांच बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इन दो दिग्गज खिलाड़ियों के आने से लीग का वैश्विक आकर्षण बढ़ेगा और युवा खिलाड़ियों के लिए सीखने का एक बड़ा अवसर भी बनेगा।

लंदन चेस क्लासिक में चमके प्रज्ञानंद

बने को-लीडर; विश्व रैंकिंग में भी बनाए रखा दबदबा

लंदन, 2 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लंदन चेस क्लासिक ओपन 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए टूर्नामेंट के को-लीडर बन गए हैं। उन्होंने छठे राउंड तक 5/6 अंक हासिल किए हैं और इस समय सर्बिया के ग्रैंडमास्टर वेलिमिर इविक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

प्रज्ञानंद ने दिन की शुरुआत हंगरी के ग्रैंडमास्टर टामस फोडोस जूनियर के खिलाफ सिर्फ 21 चालों में ड्रॉ खेलकर की, लेकिन दूसरे मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इस्राइल के इंटरनेशनल मास्टर एटन रोजेन को हराया। उनका अगला मुकाबला अब वेलिमिर इविक से होगा, जो टूर्नामेंट का निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

ताजा फीडे दिसंबर 2025 रेटिंग सूची में प्रज्ञानानंदा ने कुछ रेटिंग अंक गंवाने के बावजूद अपनी विश्व नंबर 7 रैंकिंग बरकरार रखी है। वहीं, भारत के

एक और युवा सितारे अरुण एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6।4 ईएलओ अंक जोड़े और वह फिर से विश्व नंबर 5 पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, मौजूदा विश्व चैंपियन डी। गुकेश को विश्व कप 2025 के तीसरे दौर से बाहर होने के बाद रैंकिंग में गिरावट का सामना करना पड़ा और वह अब टॉप-10 में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वर्तमान में विश्व के टॉप 30 खिलाड़ियों में केवल पांच भारतीय शामिल हैं। पेंटाला हरिकृष्णा ने विश्व कप में अपने करियर की बेहतरीन परफॉर्मेंस देते हुए 3 Elo अंक जोड़े। वहीं प्रणव वेंकटेश ने भी स्थिर प्रदर्शन करते हुए अपनी रेटिंग बरकरार रखी।

महिला वर्ग में चार भारतीय खिलाड़ी टॉप-20 में बनी हुई हैं। हंपी कोनेरू बिना कोई मैच खेले ही विश्व नंबर 5 पर पहुंच गई हैं। वहीं दिव्या देशमुख रेटिंग में गिरावट के साथ विश्व नंबर 12 पर खिसक गई हैं। पद्मिनी राउत और सविता श्री बी ने सकारात्मक प्रदर्शन करते हुए ईएलओ अंक हासिल किए हैं।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए नवंबर 2025 चुनौतीपूर्ण रहा। विश्व कप 2025 में कई बड़े खिलाड़ियों को शुरुआती दौर में हार झेलनी पड़ी। एरिगैसी शानदार लय में थे, लेकिन क्वार्टरफाइनल में टाईब्रेक में चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी से हारकर बाहर हुए। पेंटाला हरिकृष्णा की शानदार रन भी अंत में मेक्सिको के ग्रैंडमास्टर होसे एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतरा ने रोक दी।

निखिल सिंह और अश्विनी जाधव ने नौवीं अडानी अहमदाबाद मैराथन में पुरुष और महिला वर्ग की ओपन स्पर्धा जीतीं। इस मैराथन में विभिन्न श्रेणियों में 24,000 धावकों ने हिस्सा लिया। हाफ मैराथन (21 किमी) में धर्मेंद्र और फरहीन फिरदौस ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में जीत हासिल की। 10 किमी ओपन मैराथन में राजन यादव और नीता रानी विजेता रहीं।

इस मैराथन की कुल पुरस्कार राशि 40 लाख रुपये से अधिक थी। इस प्रतियोगिता को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से मान्यता हासिल है और यह 'एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस' (एआईएमएस) की वैश्विक मैराथन प्रतियोगिता में सूचीबद्ध है।

सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर दर्ज किए गए झूठे मामलों से लड़ने के लिए तैयार : रेवंत रेड्डी

नए जिला कांग्रेस अध्यक्षों को चेतावनी, कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं

सीएम ने टीपीसीसी राज्य कार्यकारिणी बैठक में भाग लिया

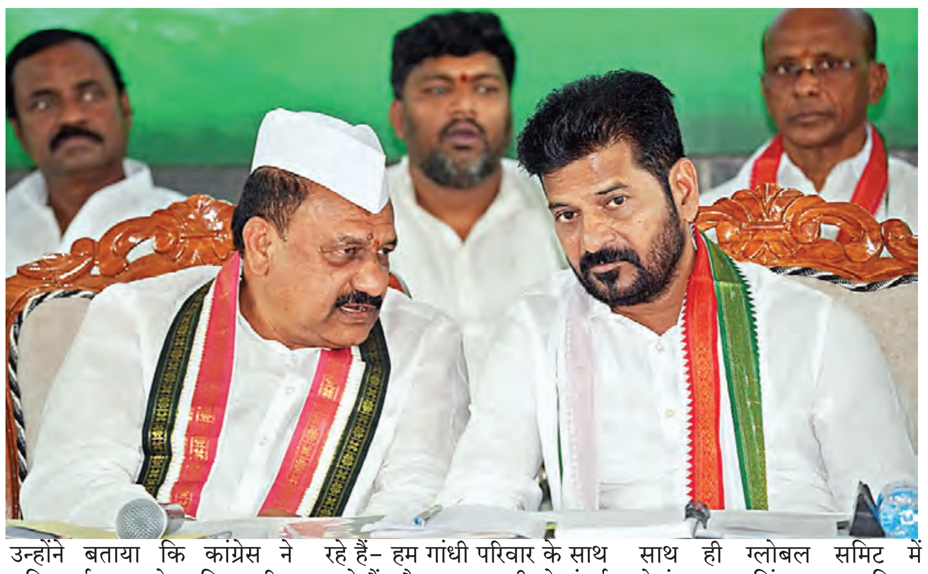

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज गांधी भवन में आयोजित टीपीसीसी राज्य कार्यकारिणी बैठक में संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर दर्ज किए गए झूठे और अवैध मामलों से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार गांधी परिवार के खिलाफ बदले की राजनीति कर रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्डरिंग का केस सिर्फ इसलिए दर्ज किया गया ताकि देशभर में राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए वोट चोरी अभियान से जनता का ध्यान हटाया जा सके। रेवंत रेड्डी ने कहा, गांधी परिवार ने देश के लिए बलिदान दिया है। नेशनल हेराल्ड अख़बार स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा। यह अख़बार नेहरू परिवार की विरासत में मिली संपत्तियों से चलाया गया, सरकार का एक रुपया भी इसमें खर्च नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे सहित वरिष्ठ नेताओं को बोर्ड में शामिल कर अख़बार को पुनर्जीवित किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पार्टी सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर दर्ज मामलों की कड़ी निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित कर रही है।

हम मोदी को मजबूत संदेश दे रहे हैं– हम गांधी परिवार के साथ खड़े हैं और जरूरत पड़ी तो संघर्ष करेंगे। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार 7 दिसंबर को आयोजित आर्ट्स कॉलेज कार्यक्रम में उस्मानिया विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने हेतु विशेष फंड की घोषणा करेगी। साथ ही ग्लोबल समिट में तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न डॉक्यूमेंट जारी किया जाएगा, जिसका लक्ष्य 2047 तक राज्य को 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने राज्य को तीन क्षेत्रों में विकसित करने की योजना बताई। उन्होंने कहा कि प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को कोर अर्बन क्षेत्र से बाहर ले जाया जाएगा। ड्राई पोर्ट, चार नए एयरपोर्ट, हैदराबाद-बेंगलुरू ग्रीनफ़ील्ड हाईवे और केंद्र द्वारा स्वीकृत बुलेट ट्रेन परियोजना राज्य के विकास में गेम चेंजर साबित होंगी। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेताओं से अपील की कि वे सरकार की कल्याण और विकास योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा साड़ी वितरण से महिलाएं खुश हैं। उन्होंने नए ज़िला कांग्रेस अध्यक्षों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में दिसंबर तक 65 लाख साड़ियां और शहरी क्षेत्रों में मार्च तक 35 लाख साड़ियां वितरित की जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि पार्टी निर्देशों का पालन न करने वाले किसी भी डीसीसी अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार राज्य पर कर्जों का बोझ छोड़कर गई थी, लेकिन वर्तमान सरकार चुनौतियों के बावजूद राज्य को विकास की दिशा में ले जा रही है।

मंत्री ने तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महेश्वरम फ़्यूचर सिटी में मंगलवार को तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट की तैयारियों की समीक्षा आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने की।

इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद मंत्री श्रीधर बाबू ने सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समिट परिसर में चल रहे सभी कार्यों का स्वयं निरीक्षण कर अधिकारियों को सुझाव व सलाह प्रदान की। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य 5 तारीख तक पूर्ण होने चाहिए और 6 तारीख को ड्राई रन अनिवार्य रूप से आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह समिट विश्व का ध्यान तेलंगाना की ओर आकर्षित करने वाला कार्यक्रम बने, इसके लिए हर विभाग को समन्वय के साथ, बिना किसी त्रुटि के काम करना चाहिए। उन्होंने विभागवार जिम्मेदारियों और उनकी प्रगति की भी समीक्षा की। श्रीधर बाबू ने निर्देश दिया कि अन्य देशों और राज्यों से आने वाले अतिथियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए पार्किंग, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) और स्वच्छता (सैनिटेशन) पर विशेष ध्यान देने के आदेश दिए। समिट को सफल और भव्य बनाने के लिए सभी विभागों को चौकसी और तत्परता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

दो सड़क हादसे, महिला और डिलीवरी बॉय की मौत

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात शहर में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला और एक फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव की मौत हो गई। पहली घटना शमशाबाद मंडल के पेद्दाशापुर टांडा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। सड़क पार कर रही दो महिलाओं को तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। इसमें दुर्गा (35) नाम की महिला की मौके पर ही मौत हो गई। शमशाबाद ग्रामीण पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरी घटना पेट बशीराबाद क्षेत्र में हुई, जहां 23 वर्षीय फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव अंजीत कुमार की मौत हो गई। कोमपल्ली में एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से ट्रक की पहचान और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

श्रवण बाधित शिक्षक ने बनाई खतरे का संकेत देने वाली सुरक्षा टोपी

खम्मम, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले की एक श्रवण बाधित सरकारी शिक्षिका ने ऐसी सुरक्षा टोपी विकसित की है जो 75 डेसिबल से अधिक आवाज होने पर कंपन के जरिए पहनने वाले को खतरे से सावधान करती है। यह टोपी सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज़ें न सुन पाने वाले लोगों, बुज़ुर्गों और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए उपयोगी है। शिक्षिका शेख राजलीपाशा ने बताया कि टोपी में लगे माइक्रोफ़ोन ध्वनि तरंगों को पकड़कर उन्हें विद्युत संकेतों में बदलते हैं। एक छोटा सर्किट इन संकेतों का विश्लेषण करता है और निर्धारित सीमा पार होने पर कंपन मोटर सक्रिय हो जाती है, जो सिर पर कंपन देकर खतरे का संकेत देती है। टोपी में माइक्रो इन-ईयर स्पीकर लगाकर इसे श्रवण यंत्र की तरह भी उपयोग किया जा सकता है।

येलंडु के सुभाष नगर निवासी राजलीपाशा ने कहा कि उनका लक्ष्य श्रवण बाधित लोगों के जीवन को सुरक्षित और आसान बनाना है। उन्होंने इससे पहले मूक-बधिरों के लिए सुरक्षा हेलमेट और छात्रों के लिए मल्टी-सैटेलाइट सिग्नल रिसीवर भी बनाया था। नवाचारों के लिए उन्हें 2024 व 2025 में ग्रामीण नवप्रवर्तक पुरस्कार और 2023 में राज्य आविष्कार प्रकोष्ठ का प्रशंसा प्रमाण पत्र मिल चुका है।

छात्रावास का नाश्ता खाने से 15 छात्र बीमार

जोगुलम्बा गदवाल, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह नाश्ता करने के बाद अनुसूचित जाति छात्रावास के करीब पंद्रह छात्रों की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत कस्बे के सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। छात्रों को नाश्ते में उपमा, केले और बिस्कुट दिए गए थे। कुछ छात्रों ने बताया कि उपमा में कीड़े मिले थे, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और कुछ छात्र बेहोश भी हो गए। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि सभी छात्रों की हालत फिलहाल स्थिर है। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

राजभवन का नाम बदलकर 'लोक भवन' किया गया

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्यपाल के आधिकारिक आवास राज भवन का नाम बदलकर अब लोक भवन कर दिया गया है। यह बदलाव तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत की लोकतांत्रिक मूल्यों की शक्ति और जीवंतता को दर्शाता है।

आह्वान फाउंडेशन का 'हैप्पीनेस किट प्रोग्राम' शुरू, वंचित बच्चों को मिलेगा शैक्षिक सहयोग

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आह्वान फाउंडेशन ने बीडीओ राइज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से वंचित बच्चों के लिए 'हैप्पीनेस किट प्रोग्राम' की शुरूआत की है। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद छात्रों को पूरे वर्ष के लिए आवश्यक शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना है।

यह वार्षिक पहल आह्वान फाउंडेशन के देशव्यापी प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत भारत भर में 10,000 से अधिक बच्चों को अध्ययन सामग्री दी जाएगी। हैदराबाद में 1,000 से ज्यादा छात्रों को इस किट का लाभ मिलेगा। किट में पेंसिल, पेन, रंग, ज्यामिति बॉक्स, नोटबुक, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल, स्कूल बैग, स्वेटर और अन्य जरूरी सामग्री शामिल है, जिससे परिवारों पर शिक्षा का आर्थिक बोझ कम होगा। आह्वान फाउंडेशन के सीईओ और संस्थापक ब्रज किशोर प्रधान ने कहा कि हर बच्चे के सपने पूरे करने के लिए यह पहल अहम है। उन्होंने कहा, बुनियादी साधनों की कमी किसी बच्चे के सपने को अधूरा नहीं छोड़नी चाहिए। हर हैप्पीनेस किट के साथ हम अवसर सीधे इन बच्चों तक पहुंचाना चाहते हैं।

कौटाला में रंगदारी मांगने वाला युवक गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कौटाला मंडल केंद्र में एक युवक को मंगलवार को जबरन वसूली, आपराधिक धमकी और उर्वरक व्यापारी के भाई की हत्या के प्रयास के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बॉलीवुड की गैंगस्टर फिल्मों से प्रभावित होकर जल्दी पैसा कमाने के लिए यह अपराध कर रहा था। उसके पास से पिस्तौल, 15 जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल सहित कई सामान बरामद किए गए।

पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने बताया कि आरोपी कुर्बानकर अजय ने 12 जून को एक उर्वरक व्यापारी को धमकी भरा पत्र भेजकर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। उसने अक्टूबर में व्यापारी के भाई की हत्या की कोशिश भी की थी। पूछताछ में अजय ने बताया कि उसने बिहार से 55,000 रुपये में बंदूक खरीदी और यूट्यूब वीडियो देखकर हथियार चलाना सीखा था। पुलिस ने अजय को उस वक्त पकड़ा जब वह कथित तौर पर व्यापारी के परिवार पर हमला करने जा रहा था। एसपी ने अजय की गिरफ्तारी में तत्परता दिखाने पर कागजनगर डीएसपी वहीदुद्दीन सहित कौटाला पुलिस टीम की सराहना की।

पति-पत्नी की मौत : पति ने की हत्या, फिर खुद की आत्महत्या

मेदक, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टेकमल मंडल के बर्दीपुर गांव में मंगलवार तड़के एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 37 वर्षीय गंगाराम श्रीशैलम ने कथित तौर पर अपनी पत्नी मंजुला (34) की हत्या कर दी और फिर खुदकुशी कर ली। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दंपति का एक बेटा है, जो इस घटना के बाद सदमे में है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिए हैं। जांच जारी है।

बीआरएस ने कांग्रेस सरकार की नई भूमि नीति को बताया 5 लाख करोड़ का घोटाला

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने कांग्रेस सरकार की हैदराबाद औद्योगिक भूमि परिवर्तन नीति (एचआईएलटीपी) को बड़ा घोटाला बताते हुए इसके खिलाफ आर-पार की लड़ाई की घोषणा की है। पार्टी का आरोप है कि इस नीति के जरिए करीब 9,300 एकड़ बेशकीमती औद्योगिक जमीन निजी कंपनियों को बहुत कम कीमत पर दी जा रही है, जिसकी बाजार कीमत करीब 5 लाख करोड़ रुपये है। पार्टी अध्यक्ष केसीआर के निर्देश पर बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पूर्व मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की आठ तथ्य-खोजी समितियां बनाई हैं। ये टीमें 3 और 4 दिसंबर को ग्रेटर हैदराबाद के औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा करेंगी और जमीन से जुड़े तथ्यों की जांच करेंगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने उद्योग और रोजगार बढ़ाने के लिए उद्योगों को जमीन दी थी, लेकिन अब इन्हें मल्टी-यूज क्षेत्र बनाकर मात्र 30 प्रतिशत एसआरओ दर पर निजी हाथों में दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के लिए घर या श्मशान के लिए जमीन न होने का हवाला देती है, जबकि निजी कंपनियों को हजारों करोड़ की जमीन सौंपी जा रही है। औद्योगिक क्षेत्रों को आठ क्लस्टरों में बांटा गया है, जिनका निरीक्षण विभिन्न पूर्व मंत्रियों और नेताओं की टीमें करेंगी। ये टीमें स्थानीय लोगों और उद्योग प्रतिनिधियों से बात कर असली बाजार दरों और नियमितीकरण शुल्क के अंतर का दस्तावेजीकरण करेंगी। बीआरएस ने कहा है कि वह इस नीति को 'जनविरोधी' बताते हुए तब तक आंदोलन जारी रखेगी जब तक इसे वापस नहीं लिया जाता।

तिरुमला में 'ट्रेन द ट्रेनीज' कार्यक्रम आरंभ, सेवादार धर्मध्वज वाहक : टीटीडी

तिरुमाला, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी ने कहा कि 'ट्रेन द ट्रेनीज़' कार्यक्रम का उद्देश्य श्रीवारी सेवकों को पेशेवर प्रशिक्षण देकर धार्मिक प्रबंधन में दक्ष बनाना और उन्हें सनातन धर्म के ध्वजवाहक के रूप में तैयार करना है। सेवा सदन-2 में आयोजित प्रथम बैच के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, नेतृत्व, भक्तों से व्यवहार, टीटीडी का इतिहास और पौराणिक कथाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने श्रीवारी सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। प्रशिक्षित सेवक आगे अपने-अपने क्षेत्रों में अन्य सेवकों को प्रशिक्षण देंगे।

फ्री एम्बुलेंस सेवा बदहाल, बेड़े का विस्तार और सुधार की सख्त जरूरत

हैदराबाद, 2 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गरीबों के लिए शुरू की गई निःशुल्क शव वाहन सेवा गंभीर अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। गांधी अस्पताल और उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) में उपलब्ध सीमित वाहनों से मांग पूरी नहीं हो पा रही है, जिससे गरीब परिवारों को शव परिवहन के लिए निजी वाहन किराए पर लेने पड़ रहे हैं।

गांधी अस्पताल में 10 में से केवल छह वाहन ही किसी भी समय उपलब्ध रहते हैं, जबकि ओजीएच में पांच से छह वाहनों से ही काम चलता है। अपर्याप्त फंडिंग और संसाधनों के कारण सेवा अपने मूल उद्देश्य शवों का सम्मानजनक परिवहन को पूरा नहीं कर पा रही है। कई परिवारों को इस सेवा की जानकारी भी नहीं है, जिससे महंगे निजी विकल्प चुनने की नौबत आ जाती है।

ड्राइवरों की कार्य परिस्थितियां भी बेहद खराब हैं। उन्हें सिर्फ 12,000 रुपये मासिक वेतन मिलता है, ओवरटाइम का भुगतान अनियमित है और किसी सहायक के बिना उन्हें लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ती है। कई बार उन्हें रात गुजारने के लिए मंदिरों या खुले स्थानों पर रुकना पड़ता है। वाहन खराब होने पर मरम्मत का बोझ भी उन्हीं पर डाल दिया जाता है। जन स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सेवा को मजबूत करने, निगरानी बढ़ाने, ड्राइवरों को बेहतर वेतन और सुविधाएं देने तथा बेड़े का विस्तार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि व्यापक सुधार ही सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह सेवा अपने मानवीय उद्देश्य को सही मायने में पूरा कर सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.